● वर्ष-3
● अंक-46
रायपुर, सोमवार
02 अक्टूबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› पितरों के लिए श्राद्ध कर्म ...

19वें एशियाई खेल में भारत का जलवा

एथलेटिक्स में भारत को मिला स्वर्ण

नईदिल्ली। चीन में जारी 19वें एशियन गेम्स में एथलेटिक्स इवेंट में भारत को पहला गोल्ड मेडल मिल गया है। भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल अविनाश साबले ने जीता। पुरुषों की 3000 मीटर इस ट्रिपल चेंज रेस में भारत की अविनाश साबले लेने गोल्ड मेडल जीतने में सफलता हासिल की है। 8.19.53 के समय में अविनाश साबले ने प्रथम स्थान हासिल किया। इसी के साथ एशियन गेम्स में भारत को बार-बार गोल्ड मेडल मिल गया है। बता दें कि एथलेटिक्स इवेंट में भारत का यह तीसरा पदक है। 29 वर्ष के नेशनल रिकॉर्ड होल्डर साबले ने हांगझोउ खेलों की एथलेटिक्स इवेंट में जीत दिलाई है।

बता दें कि उन्होंने 8ः22ः79 सेकंड का एशियाई रिकॉर्ड तोड़ा जो 2018 जकार्ता खेलों में ईरान के हुसैन केहानी ने बनाया था। सुधा सिंह ने 2010 ग्वांग्झू एशियाई खेलों में महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। वहीं एशियन गेम्स में भारत की उम्मीद पर पानी फिर गया है। हजारों भारतीय फैंस की नजरे निकट जरीन पर थी। भारतीय फैंस को उम्मीद थी कि बॉक्सर निखत जरीन एशियन गेम्स में इस बार गोल्ड मेडल जीत कर स्वदेश लौटेंगी। हालांकि भारतीय बॉक्सर निखत जरीन सेमीफाइनल में हार गई है। सेमीफाइनल में निखत को मिली इस हार के साथ ही भारत की बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल जीतने की उम्मीद ही भी खत्म हो गई है।दूसरी तरफ पुरूषों के शॉटपुट में तेजिंदर पाल सिंह तूर ने अपना खिताब बरकरार रखा है। वहीं शॉटपुट में तूर ने पहले दो प्रयास में फाउल करने के बाद तीसरे प्रयास में 19.51 मीटर का थ्रो लगाया। उनका चौथा थ्रो 20.06 मीटर का रहा लेकिन पांचवां थ्रो फिर फाउल हो गया। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास आखिरी थ्रो पर 20.36 मीटर था जिसने उन्हें स्वर्ण पदक दिलाया। तूर ने जकार्ता खेलों में 20.75 मीटर के थ्रो के साथ पीला तमगा हासिल किया था। सउदी अरब के मोहम्मद डोडा टोलो ने 20.18 मीटर के साथ रजत पदक जीता जबकि चीन के लियू यांग ने 19.97 मीटर के साथ कांस्य पदक हासिल किया। इससे पहले गत चैंपियन भारत की हेप्टाथलन खिलाड़ी स्वप्ना बर्मन चोटों से जूझने के कारण भाला फेंक स्पर्धा के बाद हेप्टाथलन स्पर्धा से पदक की दौड़ से लगभग बाहर हो गईं।

3 को कांग्रेस ने किया बस्तर बंद का आह्वान

3 अक्टूबर को पीएम जगदलपुर के लाल बाग मैदान में चुनावी सभा करने आने वाले हैं

रायपुर। पीएम नरेंद्र मोदी के 3 अक्टूबर को बस्तर दौरे से पहले कांग्रेस ने बड़ी चुनावी चाल चली है। 3 अक्टूबर को पीएम जगदलपुर के लाल बाग मैदान में चुनावी सभा करने आने वाले हैं और इसी दिन कांग्रेस ने बस्तर बंद का आह्वान किया है। कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन रायपुर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम भूपेश बघेल और पीसीसी चीफ दीपक बैज ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। सीएम भूपेश बघेल ने बीजेपी पर हमला बोलेत हुए कहा कि कल पीएम नरेंद्र मोदी बिलासपुर आए थे और फिर झूठ परोसकर चले गए। आरोप लगाया कि पीएम नरेंद्र मोदी 3 अक्टूबर को नगरनार स्टील प्लांट का उद्घाटन करने और उसे निजी हाथों में सौंपने के लिए बस्तर आ रहे हैं।

सीएम भूपेश बघेल ने बस्तर बंद का समर्थन करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी को जुमलेबाज बताया है। उन्होंने कहा कि पीएम 3 अक्टूबर को बस्तर आ रहे हैं, ऐसे में उन्हें यह बात मालूम चल सके कि बस्तर की जनता चाहती क्या है। आदिवासियों की जमीन एनएमडीसी को दी गई है। प्लांट में नौकरी के लिए आदिवासी लगातार आंदोलन करते रहे उस दौरान हम जब विपक्ष में थे। उस दौरान भी हमने पत्र लिखा था कि आदिवासियों को उचित व्यवस्थापन हो। सरकार में आने के बाद हमने विधानसभा में संकल्प पारित किया कि नगरनार स्टील प्लांट का विनिवेश ना किया जाए। राज्य सरकार प्लांट का अधिग्रहण कर ले, लेकिन

बीजेपी ने यहां पर भी राजनीति करते हुए उसके अधिग्रहण को लेकर ऐसे बिंदु जोड़ दिए हैं कि ताकि राज्य सरकार इसमें शामिल ना हो सके।

%पूर्व सीएम रमन ने भी लिखा था खत%

सीएम भूपेश ने कहा कि बीजेपी विधायकों ने भी विधानसभा में स्टील प्लांट के निजीकरण नहीं करने और अधिग्रहण की स्थिति में राज्य सरकार को दिये जाने के अशासकीय संकल्प पर सहमति दी थी। पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह ने इस संदर्भ में एक पत्र लिखा था। अब बीजेपी के लोग भी इस खुलकर अपनी बात रखें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक अशासकीय संकल्प विधानसभा में लाया था कि इस स्टील प्लांट का निजीकरण ना किया जाए। अगर करना ही है तो राज्य सरकार को इसका अधिग्रहण करने की अनुमति दें, लेकिन केंद्र सरकार ने राज्य को बोली लगाने से ही वंचित कर दिया। इसका मतलब है कि अपने चहेतों को फायदा पहुंचाने के लिए ऐसा किया गया। इसे लेकर आदिवासी समाज भी आक्रोशित है और विरोध प्रदर्शन की रणनीति बनाई है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि पीएससी मामले को लेकर कहा कि पीएससी में गड़बड़ियां हुई है तो हमारी सरकार ने तो दोषियों पर कार्यवाही की बात कही है। शिकायत लेकर अभ्यर्थी सामने आये हम पुख्ता से कार्यवाही करेंगे, दोषी कोई पाया गया तो छोड़ेंगे नहीं, लेकिन राजनीति करने के लिये झूठे और गलत आरोप नहीं लगाये जाने चाहिये। रमन सिंह के समय तो पीएसी में गड़बड़ी हुई थी।

केंद्र सरकार दाना-दाना धान खरीदती है, तो आदेश जारी करे

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिलासपुर में कहा कि केंद्र सरकार ने धान खरीदी पर बोनस देने में प्रतिबंध लगा दिया है। वर्ष 2014 से वर्ष 2017 के बीच किसानों से धान खरीदी का प्रतिशत लगातार कम होता चला गया। अब यह कह रहे हैं कि हम किसानों का एक-एक दाना धान खरीदेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया था कि दाना-दाना धान केंद्र सरकार खरीदती है, ऐसा है तो केंद्र सरकार आदेश जारी करे। 2 साल के बचे बोनस पर कहा कि हम देना चाहते थे मगर केंद्र सरकार ने बोनस देने पर रोक लगा दी है।

सर्व आदिवासी समाज ने शुरू किया विरोध

जगदलपुर।। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन अक्टूबर को बस्तर आने वाले हैं। उनके आने से पहले सर्व आदिवासी समाज ने उनके दौरे का विरोध करना शुरु कर दिया है। सर्व आदिवासी समाज ने अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर दो अक्टूबर को एक विशाल रैली निकालेगा। इसके बाद आम सभा करेगा। सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर ने बताया की नगरनार स्टील प्लांट के नीजिकरण, एनएमडीसी का मुख्यालय बस्तर में लाने, स्थानीय भर्ती को प्राथमिकता के लागू कराये जाने व जातीय जनगणना कराये जाने की प्रमुख मांगों को लेकर सोमवार रैली व आम सभा का आयोजन किया जाना है। सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर ने बताया कि नगरनार स्टील प्लांट के निजीकरण पर रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार को आदिवासी समाज के साथ-साथ बस्तर के विभिन्न संगठनो के द्वारा आवेदन निवेदन किया जाता रहा है। लेकिन केंद्र सरकार बस्तरवासियों की मूल भावनाओं की अनदेखा करते हुए नव निर्माणाधीन नगरनार स्टील प्लांट को बेचने के लिए आतुर है। संपूर्ण बस्तर संभाग संविधान की पांचवी अनुसूचित क्षेत्र में आता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान की अपील पर नेताओं से लेकर छात्रों तक, सभी क्षेत्रों के लोगों ने रविवार को एक घंटे के श्रमदान में हिस्सा लिया। खुद, प्रधानमंत्री मोदी ने भी हाथ में झाड़ू थामकर एक पार्क में सफाई की।

मोदी की सभा में जनता को जाने से रोक रहे हैं भूपेशः अरुण

रायपुर। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जगदलपुर दौरे पर कांग्रेस के बस्तर बंद के आव्हान को ओछी राजनीति और सत्ता का दुरुपयोग करार देते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज प्रदेश की जनता को प्रधानमंत्री की सभा में जाने से रोक रहे हैं। यह लोकतंत्र पर कांग्रेस की तानाशाही है, जिसे बस्तर और छत्तीसगढ़ की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। हर बाधा को पार कर बस्तर भाजपामय होगा।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री साव ने मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि परिवर्तन यात्रा को पूरे प्रदेश में मिले अपार जनसमर्थन से कांग्रेस की नींद उड़ गई है। मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ही नहीं, बल्कि इनके राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और गांधी- नेहरू परिवार के चेहरे पर हवाइयां उड़ रही है। इनकी जुबान और हरकतों से बदहवासी बरस रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बेसिरपैर की बातें कर रहे हैं तो उनके कठपुतली प्रदेश अध्यक्ष आदिवासी समाज को आपस में लड़ाने का काम कर रहे हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री साव ने मुख्यमंत्री द्वारा नगरनार पर दिए गए वक्तव्य के जवाब में कहा कि शराब की दुकानें ढंग से न चला पाने वाले मुख्यमंत्री संयंत्र क्या चलाएंगे। जैसे शराब में दो हजार करोड़ का घोटाला किया गया है, वैसी ही मंशा नगरनार के बारे में थी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सड़कों पर गड्ढे तक न भर पाने वाले मुख्यमंत्री नगरनार संयंत्र चलाने का दावा करने चले हैं। जिस तरह की भर्राशाही भूपेश बघेल सरकार ने घोटालेबाजी के लिए की है वैसा केंद्र सरकार नहीं कर सकती। नियम शर्तों के मुताबिक जो हो सकता है, वही होगा। भूपेश बघेल अगर चाहते हैं कि उन्हें घोटाले करने के लिए कोई केंद्रीय संस्थान सौंप दिया जाए तो यह संभव नहीं है। खुद की कुर्सी का ठिकाना नहीं। सरकार जाने वाली है और वे अब भी भ्रम पैदा कर रहे हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जनता का धन उलीच कर राहुल, प्रियंका और खड़गे को राजनीतिक बातें करने मंच उपलब्ध कराया और ये छत्तीसगढ़ की जनता को झूठ परोसकर चले जाते हैं। छत्तीसगढ़ में किसे नहीं मालूम कि मोदी जी ने गरीबों को पक्के मकान दिए। भूपेश बघेल ने गरीबों को उनके हक से वंचित किया। मोदी जी ने गरीबों के 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज के लिए आयुष्मान योजना छत्तीसगढ़ से ही आरम्भ की। भूपेश बघेल ने गरीबों को इलाज से वंचित करके रखा था। आज भी इलाज का पैसा मोदी सरकार दे रही है। किसान के पूरे धान की खरीदी का पैसा मोदी सरकार देती है। हर घर नल का जल पहुंचाने मोदी सरकार ने पैसा दिया। उसमें भी धांधली कर दी। तब भी राहुल झूठ बोल जाते हैं कि इलाज कांग्रेस सरकार करा रही है। मकान भूपेश दे रहे हैं। इससे बड़ा सफेद झूठ और क्या हो सकता है। राहुल गांधी सुन लें कि कांग्रेस का एटीएम उखड़ने वाला है।

प्रमुख समाचार

अखिलेश यादव मप्र में कांग्रेस के साथ लड़ने का एलान

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि नवरात्र में सपा वीआईपी मानी जाने वाली लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर देगी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में हम कांग्रेस के साथ गठबंधन करके मैदान में उतरना चाहते हैं। इसके लिए बात भी चल रही है। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पुस्तक विमोचन के कार्यक्रम के बाद अखिलेश ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि नवरात्र में करीब एक दर्जन सीटों पर सपा अपने प्रत्याशी उतारेगी। इसमें भाजपा की वीआईपी सीटें भी शामिल होंगी। उनका इशारा प्रधानमंत्री के क्षेत्र वाराणसी के साथ ही गोरखपुर, अयोध्या, मथुरा व प्रयागराज सीटों पर था। अखिलेश ने कहा कि अगर भाजपा हमारे वीआईपी को हराने का प्लान बना रही है तो हम उनके वीआईपी को हराने की रणनीति न सिर्फ पहले ही तैयार कर चुके हैं, बल्कि घोसी के उपचुनाव में इसे साबित भी कर चुके हैं। हम पीडीए के साथ मिलकर भाजपा को उसकी वीआईपी सीटों पर भी हराएंगे। अखिलेश ने कहा कि हम चाहते है कि भाजपा को हराने के लिए मध्य प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी मिलकर चुनाव लड़े। मध्य प्रदेश के समाजवादी पार्टी संगठन ने विधानसभा चुनाव को लेकर बात की है।

प्रदेश सरकार ने माना, धान केंद्र सरकार ही खरीदती हैः अग्रवाल

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ विधायक व पूर्व कृषि मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि धान खरीदी को लेकर प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा लगातार फैलाए जाने वाले अपने झूठ का पर्दाफाश

खुद प्रदेश सरकार ने कैबिनेट मीटिंग के बाद अब अपने विज्ञापन में भी कर दिया है और यह मान लिया है कि छत्तीसगढ़ का धान केंद्र सरकार ही खरीदती है। श्री अग्रवाल ने रविवार को छपे प्रदेश सरकार के एक विज्ञापन का हवाला देकर कहा कि प्रदेश सरकार को अब समझ आ गया है कि झूठ के पैर नहीं होते और सच को लंबे समय तक अंधेरे में ढँका नहीं जा सकता। भाजपा विधायक व पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने पाँच साल की धान खरीदी के जो आँकड़े इस विज्ञापन में दिए हैं, उससे साफ प्रमाणित हो रहा है कि छत्तीसगढ़ के किसानों का धान केंद्र सरकार ही खरीदती है और चावल के रूप में 80 प्रतिशत से ज्यादा का भुगतान प्रदेश सरकार को करती है। यही बात भाजपा जब कहती है तो कांग्रेस और उसकी प्रदेश सरकार इस पर झूठ बोलकर अपने दम पर धान खरीदी की बात करती रही है।

जनता आवास मांगने बघेल ने उन पर बम फिंकवायेः विजय

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री विजय शर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर गरीबों के साथ खिलवाड़ करने का

आरोप लगाते हुए कहा है कि आवास योजना के लिए केंद्र सरकार पर ठीकरा फोड़कर मिथ्या प्रलाप कर रहे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ओछे स्तर की राजनीति कर रहे हैं। पाँच साल तक प्रधानमंत्री आवास रोककर गरीबों को पक्की छत से वंचित रखने वाले मुख्यमंत्री बघेल अब चुनाव के मद्देनजर तिकड़मबाजी करने में लगे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर कांग्रेस और उसकी भूपेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आवास योजना रोकने के लगाए गए आरोप सफेद झूठ का पुलिंदा है। आज के उपमुख्यमंत्री और तत्कालीन पंचायत मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने अपने पद से इस्तीफा देते हुए पत्र लिखकर मुख्यमंत्री बघेल को प्रधानमंत्री आवास योजना रोकने का दोषी ठहराया था जिसके चलते 8 लाख गरीबों को पक्के आवास की योजना से वंचित होना पड़ा था।

पवन बंसल की जगह अजय माकन होंगे कांग्रेस के कोषाध्यक्ष

नई दिल्ली। अजय माकन आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नए कोषाध्यक्ष होंगे। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल के मुताबिक, पार्टी

के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने माकन की नियुक्ति पर मुहर लगा दी है। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू होगा। माकन को पवन कुमार बंसल की जगह यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। अजय माकन को राहुल गांधी का करीबी विश्वासपात्र माना जाता है। कुछ महीने पहले राजस्थान के प्रभारी कांग्रेस महासचिव के पद से इस्तीफा देने के बाद से वह किसी भी पद पर नहीं थे। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने एक बयान में कहा कि पार्टी अध्यक्ष ने अजय माकन को तत्काल प्रभाव से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। यह भी कहा गया कि पार्टी निवर्तमान कोषाध्यक्ष पवन कुमार बंसल के योगदान की सराहना करती है। अहमद पटेल के निधन के बाद बंसल को अंतरिम कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

गांधी जयंती पर कांग्रेस की सदबुद्धि के लिए प्रार्थना करेगी भाजपा

रायपुर। जरवाय के गौठान ने 6 गाय की मौत का मामला गरमाता जा रहा है। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने तय किया है कि वह रायपुर पश्चिम विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ गांधी जयंती के अवसर पर आज़ाद चौक स्थित गांधी प्रतिमा के सामने बैठकर कांग्रेस की सदबुद्धि के लिए प्राथना करेंगे। श्री मूणत ने रविवार दोपहर को अपने निवास कार्यालय में कार्यकर्ताओ के साथ बैठक करके रायपुर में लगातार गौठानो में सामने आ रही अव्यवस्था की शिकायतों पर चर्चा की। मूणत ने कार्यकर्ताओं से कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनकी पार्टी कांग्रेस सरकार ने गौमाता की सेवा का झूठे प्रचार करके गौठानो के माध्यम से भारी भ्रष्टाचार किया है। चाहे जरवाय की घटना हो या नया रायपुर में राहुल गांधी की सभा के बाद बड़ी संख्या में गायों की मृत्यु का मामला हो, कांग्रेस को उसपर लगे गौहत्या पर जवाब देना ही चाहिए, लेकिन बेशर्म कांग्रेस को अपनी करनी पर जरा भी अफसोस नही हो रहा है। श्री मूणत ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी जी को मानने का भी ढोंग करती है, सच्चाई यह है कि कांग्रेस गांधी जी का ज़रा भी सम्मान नही करती है। मूणत ने कहा कि गांधी जी भगवान श्री राम के बड़े सच्चे भक्त थे,उनके मुह से अंतिम शब्द ही हे राम ही थे।

राजनीति

बुजुर्ग समाज के अनुभवों के प्रकाश में नयी पीढ़ियां आगे बढ़ती हैंः भूपेश बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को के अवसर पर रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों का शॉल और श्रीफल देकर सम्मान किया. मुख्यमंत्री बघेल संवेदनशीलता के साथ मंच से उतरकर स्वयं बुजुर्गों के पास पहुंचे और उन्हें सम्मानित किया. इस अवसर पर उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को इलेक्ट्रॉनिक व्हीलचेयर, चश्मा और हियरिंग एड सहित 825 सहायक उपकरण भी प्रदान किए. इस अवसर पर सभी जिलों के लगभग साढ़े 6 हजार से ज्यादा वरिष्ठजन उपस्थित थे.

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव जीवन की तीन प्रमुख अवस्थाएं हैं- बाल्यावस्था, युवावस्था और वृद्धावस्था. मनुष्य की वृद्धावस्था उसके जीवनभर के ज्ञान और अनुभवों का निचोड़ है. उसकी जीवनभर की तपस्या का संचय है. इसीलिए हमारे बुजुर्ग हमारे समाज के प्रकाश-स्तंभ हैं. उनके अनुभवों के प्रकाश में ही नयी पीढ़ियां आगे बढ़ती हैं. शास्त्रों में कहा गया है कि बुजुर्गों की सेवा करने से आयु, विद्या, यश और बल बढ़ता हैं.

सीएम ने कहा है कि नये दौर के समाज में हमारे पुरातन जीवन-मूल्य बहुत पीछे छूटते जा रहे हैं. बुजुर्गों ने जीवनभर जिन लोगों के लिए मेहनत की, त्याग किया वे उन्हीं के द्वारा उपेक्षित कर दिए जाते हैं. राज्य सरकार द्वारा बुजुर्गों के लिए सियान हेल्प लाइन नम्बर शुरू किया गया है. इस हेल्प लाइन का उपयोग दिव्यांग, विधवा और उभयलिंगी व्यक्ति भी कर सकते हैं. सियान हेल्प लाइन सेंटर और टोल फ्री नंबर के सेटअप

की स्थापना के लिए बजट में एक करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है. हेल्पलाइन नंबर पर अभी तक 76 हजार से ज्यादा कॉल आ चुके हैं, इनमें से 1493 कॉल बुजुर्गों ने किए हैं. हमें खुशी है कि इस हेल्पलाइन सेंटर के माध्यम से हम बुजुर्गों की मदद कर पा रहे हैं.

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने निराश्रितों, बुजुर्गों, दिव्यांगों, विधवा और परित्यक्ता महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत दी जाने वाली मासिक पेंशन की राशि को 350 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये हर महीने कर दिया है. प्रदेश के 13 लाख से ज्यादा बुजुर्गजन मासिक पेंशन योजना का लाभ उठा रहे हैं. इसके अलावा राज्य सरकार बुजुर्गों को 49 हजार आवश्यक सहायक उपकरणों का वितरण भी कर चुकी है. राज्य शासन के कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना शुरू की गई है. इससे उनके बुढ़ापे में सहायता मिलेगी. मुख्यमंत्री ने बताया कि बुजुर्गों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए राज्य सरकार द्वारा सियान जतन क्लीनिक का संचालन किया जा रहा है। प्रदेश के आयुर्वेदिक अस्पतालों में भी बुजुर्गों के लिए विशेष ओपीडी और पंचकर्म सेवाएं दी जा रही हैं। राज्य में श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स में 72 प्रतिशत तक कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं. इस योजना का लाभ भी हमारे वरिष्ठ नागरिकों को मिल रहा है. सीएम बघेल ने सभी से अपने परिवार या आसपास बुजुर्गों की समस्याओं को समझने का प्रयास करने की अपील करते हुए कहा कि बुजुर्गों की सेवा के फल से बढ़कर कोई पूजा-आराधना नहीं है.

समाज कल्याण मंत्री अनिला भेंड़िया ने बुजुर्गों को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बुजुर्गों, निराश्रितों, दिव्यांगों, किसानों सहित हर वर्ग का ध्यान सुचारू रूप से रख रहे हैं. केंद्र सरकार द्वारा पैसा नहीं देने पर भी राज्य सरकार ने योजनाओं के लिए अग्रिम स्वीकृति दी है, जिससे व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही है. कार्यक्रम में बुजुर्गों को 25 इलेक्ट्रॉनिक व्हीलचेयर, 600 हियरिंग एड और 200 चश्मा सहित 825 सहायक उपकरण प्रदान किए गए. इस अवसर पर दिव्यांग महाविद्यालय रायपुर के बच्चों द्वारा शानदार देश भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया. बुजुर्गों का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया. यहां श्रवण और नेत्र जांच कर चश्मा प्रदान किया गया. इसके साथ ही समाज कल्याण विभाग द्वारा बुजुर्गों को योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाया गया. इस अवसर पर संसदीय सचिव रश्मि आशीष सिंह,संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, विधायक सत्यनारायण शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा, समाज कल्याण विभाग के सचिव अमृत खलखो सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठजन उपस्थित थे।

राष्ट्रपिता को स्वच्छांजलि देने भाजपा सहित जनता ने किया श्रमदान

■ गंगा मैया मंदिर परिसर में की गई सफाई

बालोद। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के एक दिन पूर्व बालोद जिले के झलमला के मां गंगा मैया मंदिर प्रांगण में भारतीय जनता पार्टी एवं बड़ी संख्या में आम जनता ने मंदिर परिसर एवं आसपास सड़क किनारे स्वच्छता अभियान चलाया। आपको बता दें कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक अक्टूबर को जनता से एक घंटे श्रमदान करने का आग्रह किया था जिसके परिणाम स्वरूप जिले में स्वच्छता को लेकर लोग अपने अपने घरों से निकले।

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष कृष्णकांत पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री के कचरा मुक्त भारत की परिकल्पना को साकार रूप देने के क्रम में आज एक अक्टूबर को प्रत्येक जिलेवासी एक घंटे के स्वच्छता श्रमदान में सहभागिता निभा रहे हैं। हमारा यह सामूहिक प्रयास राष्ट्रपिता बापू को उनकी जयंती की पूर्व संध्या पर %स्वच्छांजलि% अर्पित कर रहे हैं भारतीय जनता पार्टी, किसान मोर्चा के प्रदेशध्यक्ष पवन साहू ने कहा कि महात्मा गांधी के सपनो को साकार करने हम सभी साथी आज सफाई करने घरों से निकले हुए हैं और स्पष्ट रूप से यहां पर मेगा स्वच्छता अभियान देखने को मिल रहा है।

स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के जिला संयोजक दुर्गानंद साहू ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर आज हम सभी मेगा स्वच्छता अभियान में उतरे हुए हैं और यहां पर हम वास्तविक स्वच्छता के साथ सभी को यह संदेश देना चाहते हैं की दैनिक जीवन में हमे स्वच्छता को अपना कर स्वयं के साथ साथ आसपास को स्वच्छ रखना चाहिए तभी हम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को सच्ची स्वछंजली दे सकते हैं। महात्मा गांधी के 154वी जयंती पर यह हमारी सच्ची स्वछंजलि है और यह एक जन आंदोलन के रूप लिया हुआ है।

सड़क से लेकर मन्दिर तक सफाई

भाजपा ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष प्रेम साहू ने बताया कि आज सड़क से लेकर मंदिर तक के सफाई भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आम जनता ने मिलकर की है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर सभी शासकीय गैर शासकीय धार्मिक संगठन सहित आम जनता बापू को श्रद्धांजलि देने निकली हुई है।

जगदलपुर में डीन से लेकर प्रोफेसर ने किया श्रमदान

जगदलपुर। जगदलपुर में मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में रविवार की सुबह मेकाज डीन से लेकर अधीक्षक के द्वारा मेकाज के बरामदे में झाड़ू लगाकर स्वच्छता ही सेवा अभियान में भाग लिया। इस मौके पर मेकाज डीन डॉक्टर यू एस पैकरा ने कहा कि महात्मा गांधी की 154 वीं जयंती से पहले आज देशभर में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत श्रमदान किया जा रहा है। इसके तहत डॉक्टर, स्टाफ नर्स, सफाई कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी आदि ने झाड़ू लगाकर सफाई का संदेश दिया। सितंबर के मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने एक अक्टूबर को सुबह 10 बजे से एक घंटे के लिए लोगों से स्वच्छता के लिए श्रमदान की अपील की थी, इस श्रमदान के लिए एक अक्तूबर को एक घंटा, एक साथ का नारा दिया गया है। उन्होंने कहा स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है और इसका हर प्रयास मायने रखता है।

हाईकोर्ट द्वारा संज्ञान लेने के बाद डीजे वाले बाबू पर कार्रवाई

■ तेज आवाज वाले डीजे पर पुलिस ने किए जब्त

बिलासपुर। गणेश उत्सव के दौरान तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर हाईकोर्ट द्वारा जवाब मांगने के बाद बिलासपुर पुलिस एक्शन में दिखी। पुलिस प्रशासन ने मामले में कार्रवाई करते हुए तीन डीजे को जब्त किया है। पुलिस ने डीजे वालों से चार पहिया वाहन सहित डीजे के अन्य उपकरणों को भी जब्त किया है।

दरअसल, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने डीजे बजाने के कारण हो रहे ध्वनि प्रदूषण पर नाराजगी जाहिर की है। हाईकोर्ट ने राज्य शासन से पूछा है कि तेज आवाज में डीजे बजा रहे लोगों पर सरकार ने क्या कार्रवाई की है। हाईकोर्ट ने राज्य शासन ने इस मामले में शपथपत्र मांगा है। हाईकोर्ट ने कहा कि इसे रोकने के लिए क्या प्रयास हुए हैं, इसकी पूरी रिपोर्ट में जमा करें। हाईकोर्ट ने इस मामले में समाचार पत्रों में छपी खबरों को देखकर स्वत: संज्ञान लिया है।

मामले में हाईकोर्ट के सख्ती बरतने के बाद बिलासपुर में गणेश उत्सव के दौरान तेज बजने वाले डीजे धुमाल पर प्रशासन ने कार्रवाई की है। पुलिस और प्रशासन द्वारा 03 डीजे जब्त किया गया है। बाकी डीजे संचालको को समझाइए दी गई है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र से लेकर कोतवाली, सरकंडा क्षेत्र में इसके लिए एक अभियान चलाया गया था। खास तौर पर गोल बाजार हटरी चौक से निकली झांकियों में तेज आवाज से बजने वाले डीजे को समझाइश दी गई।

गणपति विसर्जन के दौरान निर्धारित सीमा से अधिक तेज साउंड में गाना बजाया जा रहा था। इसकी लगातार प्रशासन से लोग शिकायत भी कर रहे थे। हाई कोर्ट ने भी इस पर सख्ती बरतने निर्देश दिया था। इसके बाद भी किसी प्रकार कार्रवाई पुलिस नहीं कर रही थी।

दुर्ग में वादों और दावों के दंगल में उलझी कांग्रेस और भाजपा शिव डहरिया और एस चौहान के बीच हुई जुबानी जंग

दुर्ग भिलाई। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी और कांग्रेस दोनों एक दूसरे को घेरने का काम कर रही है। शनिवार को पीएम मोदी ने परिवर्तन यात्रा का समापन किया। इसे लेकर पहले से ही कांग्रेस के नेता बयानबाजी कर रहे थे। इस बीच शिवकुमार डहरिया ने बीजेपी की परिवर्तन यात्रा को कांग्रेस का चुराया हुआ कहा है। उन्होंने कहा है कि सबसे पहले परिवर्तन यात्रा तो कांग्रेस ने शुरू किया था। इसके अलावा उन्होंने 36 में से 35 वादों के पूरा होने की बात कही। इस पर बीजेपी ने भी पलटवार किया था।

दरअसल, रविवार को भिलाई सेक्टर 6 में सतनाम भवन में 2 करोड़ 16 लाख 80 हजार रुपए के विकास कार्यों का शिवकुमार डहरिया ने लोकार्पण किया। कुल 7 निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में विधायक देवेन्द्र यादव, महापौर नीरज पाल और आयुक्त रोहित व्यास मौजूद रहे। इस दौरान शिवकुमार डहरिया ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में बीजेपी की परिवर्तन यात्रा का नाम कांग्रेस से चोरी किया हुआ है।हमारे नंदकुमार पटेल जी ने सबसे पहले परिवर्तन यात्रा निकाली थी। मंत्री शिवकुमार डहरिया ने कहा कि, बाबा साहेब अंबेडकर ने समाज से जाति भेद, ऊंच-नीच और छुआछूत को खत्म कर समता और बंधुत्व का भाव लाने के लिए अपना जीवन लगा दिया। वंचितों, शोषितों और महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए बाबा साहेब ने अलग-अलग स्तर पर जागरूकता आंदोलन चलाया है। राज्य सरकार सभी वर्गों के लिए विकास के कार्य कर रही है। हमारी सरकार ने जो 36 वादे किए थे, उसमें से 35 वादों को पूरा किया है। सभी वर्गों को ध्यान में रखकर मूलभूत सुविधाओं को पूरा किया है।

शिव डहरिया ने दावा किया कि आज नक्सल प्रभावित क्षेत्र के आदिवासी भी हमारी सरकार के विकास कार्यों से खुश हैं। नक्सलियों को जवाब इस बार के चुनाव में बस्त के आदिवासी देंगे। जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तो छत्तीसगढ़ को रेलवे विस्तार के लिए 300 करोड़ रुपए मिलते थे। अब जब भाजपा केंद्र में है तो 6000 करोड़ रुपए रेल विस्तार के लिए दिए गए हैं। इस पर मंत्री डहरिया ने कहा कि, 6000 करोड़ रूपए जरूर दे रहे हैं। लेकिन रेलवे को बेचने का काम कर रहे हैं।

नगरीय प्रशासन मंत्री शिव डहरिया के बयान पर भाजपा प्रवक्ता एस चौहान ने कहा कि, मंत्री शिव डहरिया भिलाई दौरे पर थे। उन्होंने ऐसे कार्यों का लोकार्पण किया, जो पूरा हुआ नहीं है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया था। लेकिन ये उन भवनों का लोकार्पण करते हैं, जो अंडर कंस्ट्रक्शन हैं। केवल राजनीतिक श्रेय लेने के लिए यह सब किया जा रहा है। आप कहते हो कि हमने 35 वादे पूरे किए आपके सीएम कहते हैं कि 12 वादों को छोड़कर हमने सभी वादे पूरे किए। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में किए कई वादों को पूरा नहीं किया है। शराबबंदी अब तक नहीं हो सकी है, नियमितिकरण नहीं किया जा सका है। वृद्धा पेंशन सहित कई ऐसे कई वादे हैं, जो कांग्रेस के अधूरे हैं।

छत्तीसगढ़ में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस बीच बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही हर मुद्दे को लेकर एक दूसरे को घेर रही है। जहां एक ओर मंत्री डहरिया ने कांग्रेस के 36 में से 35 वादों के पूरा होने की बात कही है। वहीं दूसरी और बीजेपी प्रवक्ता एस चौहान ने कांग्रेस पर वादा पूरा न करने का आरोप लगाया है।

दिशा समिति की बैठक में दिए गए निर्देशों पर शीघ्रता से पालन सुनिश्चित करें : सांसद ज्योत्सना महंत

कोरबा। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में सांसद श्रीमती महंत ने निर्देशित किया कि जिले में शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो और योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएं। उन्होंने जिले के दूरस्थ इलाकों में स्वास्थ्य, विद्युत और शिक्षा जैसी सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने दूरस्थ क्षेत्र के स्कूलों में आवश्यकतानुसार शिक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सांसद ने सिकलसेल की जांच करने, एनीमिया पीड़ित महिलाओं को पोषण आहार प्रदान करने, स्कूलों में बच्चों को गर्म एवं गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन देने, दिव्यांगजनों को पात्रतानुसार दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने, स्कूलों में विद्यार्थियों के बैठने हेतु टाटपट्टी उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर श्री सौरभ कुमार ने दिए गए निर्देशों का पालन करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

दिशा समिति की विगत बैठक में सांसद श्रीमती महंत ने पूर्व बैठकों में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा की। सांसद श्रीमती महंत ने कोरबा जिले में मनरेगा के कार्यों की जानकारी ली और जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र में आवश्यकतानुसार कार्यों का प्रस्ताव प्रस्तुत करने कहा। उन्होंने मनरेगा अंतर्गत कार्यों को समय पर कार्य पूरा करने के साथ समय पर मजदूरी भुगतान के निर्देश दिए। सांसद ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजना, जल जीवन मिशन के कार्यों की जानकारी तथा जिले में कराएं गए कार्यों की सूची जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने कहा। सांसद ने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत मातृत्व स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, परिवार कल्याण कार्यक्रम राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ नियंत्रण कार्यक्रम, आयुष्मान भारत योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी ली और दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सक तथा मरीजों के उपचार के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सांसद श्रीमती महंत ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, रूरबन मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना, एकीकृत बाल विकास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, भू-अभिलेख आधुनिकीकरण, दीनदयाल उपाध्याय विद्युतीकरण योजना, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, स्कूल शिक्षा विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग, सांख्यिकी विभाग, नगर पालिक निगम अंतर्गत संचालित आवास एवं पेयजल तथा स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में विधायक कटघोरा श्री पुरूषोत्तम कंवर, विधायक पाली-तानाखार श्री मोहित राम केरकेट्टा, राज्य खाद्य आयोग के सदस्य श्री हरीश परसाई, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला कंवर, जिला पंचायत सदस्य श्री गणराज सिंह कंवर सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारीगण और जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

मोदी के दौरे को लेकर डीजीपी ने तैयारियों का लिया जायजा

जगदलपुर। तीन अक्तूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को देखते हुए पूरे शहर को छावनी में तब्दील किया गया है। जिसके चलते बस्तर संभाग से पुलिस विभाग के अधिकारी से लेकर कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है। वहीं प्रधानमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए दिल्ली से भी सीआरपीएफ के जवानों की तैनाती की गई है। इसी क्रम में रविवार को मुख्य सचिव अमिताभ जैन और पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने रविवार को जगदलपुर में प्रधानमंत्री के बस्तर प्रवास की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश देते हुए समय पर पूर्ण करने को कहा। इस अवसर पर एडीजी विवेकानंद सिन्हा, कमिश्नर श्याम धावड़े, कलेक्टर विजय दयाराम के. एसएसपी जितेन्द्र मीणा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कबीरधाम के गन्ना उत्पादक किसानों के खातों में धन वर्षा

कवर्धा। राज्य शासन द्वारा कबीरधाम जिले के भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना कार्यक्षेत्र के गन्ना किसानों को देय प्रोत्साहन राशि 18.39 करोड़ रुपए का किया गया भुगतान जारी किया गया है। तिहारी सीजन में प्रोत्साहन राशि मिलने किसानों के चेहरे में खुशियां देखी जा रही है। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना के एमडी श्री भूपेंद्र ठाकुर ने बताया कि भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा के गन्ना किसानों को बड़ी राहत देते हुए त्योहारों के सीजन में पेराई सीजन 2022-23 के लिए राज्य शासन द्वारा घोषित गन्ना प्रोत्साहन राशि 18.39 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया गया है। भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा द्वारा गन्ना मूल्य राशि 97.85 करोड़ रुपए एवं अतिरिक्त रिकव्हरी राशि 29.72 करोड़ रुपए का भुगतान पूर्व में किया जा चुका है। त्योहारी के सीजन में गन्ना किसानों को प्रोत्साहन राशि मिलने से गन्ना किसान उत्साहित नजर आ रहे है। शक्कर उत्पादक कारखाना कवर्धा क्षेत्र के कृषकों के लिए वरदान साबित हो रहा है।

सांसद ने जागरूकता रथ को झंडी दिखाकर किया रवाना

कोरबा। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत बाल लिंगानुपात में सुधार व बालिकाओं के प्रति लोगों की मानसिकता परिवर्तन करने के लिए सांसद लोकसभा क्षेत्र कोरबा श्रीमती ज्योत्सना चरण दास महंत ने जिला कार्यालय में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना जिले के समस्त ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में बेटियों के प्रति नकारात्मक सोच को बदलने एवं बेटियों को बचाने, बेटियों को पढ़ाने एवं आगे बढ़ाने में सेतु का कार्य करेगा। इस कार्यक्रम अन्तर्गत प्रचार रथ बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं से संबंधित संदेशों व बालक-बालिका संरक्षण से संबंधित अधिनियमों कानूनों प्रचार प्रसार जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में भ्रमण करते हुए किया जाएगा। साथ ही लिंगभेद से संबंधित कुरीतियों को रोकने संबंधी जानकारी भी उन्हें दी जाएगी। गौरतलब है कि भारत सरकार की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत बाल लिंगानुपात में सुधार तथा बालिकाओं के प्रति लोगों की मानसिकता परिवर्तन करने के लिए लागू ही गई है।

मंत्री जयसिंह का कुंआभट्ठा में कड़ा विरोध, कार्यक्रम निरस्त

कोरबा। नगर के कुंआभट्ठा में सोनी समुदाय के भवन का भूमि पूजन कार्यक्रम स्थानीय निवासियों के भारी विरोध के चलते निरस्त हो गया। कोरबा विधायक और राजस्व मंत्री परवादा खिलाफी का आरोप है। मंत्री ही भूमि पूजन करने वाले थे। मामला शुक्रवार का है। सोनी समाज के भवन का भूमिपूजन से जुड़ा हुआ है। नगर निगम के सभापति श्याम सुंदर सोनी सुबह के समय भवन के भूमि पूजन और शिलान्यास की तैयारी में पहुंचे। राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के आतिथ्य में कार्यक्रम होना था। मंत्री पहुंचते उससे पहले ही कुंआभट्ठा के लोग मुख्य मार्ग पर जमा होकर राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल का विरोध करने लगे। हंगामा होता देख सभापति श्यामसुंदर सोनी मौके पर पहुंचे तो लोग उनको जमकर सुनाने लगे। कुंआभट्ठा के लोगो का कहना था कि पूर्वांचल विकास समिति के भवन के बगल की रिक्त भूमि पर पिछले चुनाव से पहले कोरबा विधायक ने कुंआभट्ठा के लोगों के लिए सर्व समाज समुदायिक भवन निर्माण का वादा किया था।

जयश्री नायर संगीत प्रस्तुति के लिए करेगी यूरोप की यात्रा

कोरबा। कोरबा की बेटी जयश्री नायर आने वाले तीन माह के लिए यूरोप यात्रा पर रहेंगी। जहां वह सात से नौ देशों में भारतीय संगीत की अलग-अलग विधाओं का प्रस्तुतीकरण करेंगी। जिसमें शास्त्रीय संगीत के अलावा गज़ल भजन आदि होंगे। जर्मनी, निदरलैंड्स, स्वीडन, बेल्जियम,स्विजरलैंड इत्यादि देशों में अपने भारतीय संगीत ग्रुप अनुभूति ग्रुप के साथ प्रस्तुति देंगी। जयश्री चार साल की उम्र से ही शास्त्रीय संगीत की शिक्षा ले रही है। अब खुद एक गुरु के रूप में अपनी संगीत संस्था जयश्री म्यूजिक एकेडमी का संचालन करती हैं। जहां वह बहुत से संगीत के विद्यार्थियों को संगीत शिक्षा देतीं हैं। साथ ही उन्होंने आनलाइन गुरु के रूप में भी अपनी पहचान है और अलग-अलग देशों में संगीत के शिक्षा दे रहीं हैं। अपनी बड़ी उपलब्धियां का श्रेय जयश्री अपने गुरु स्वर्गीय अमिताभ गुप्ता को अपनी माता रुक्मणी नायर को देतीं है। जिनके मार्गदर्शन से वह संगीत की ऊंचाइयां छू रही है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ ही नहीं भारत का गौरव बढ़ा रहीं हैं।

सरकारी कर्मचारियों की जगह कांग्रेसी भरवा रहे पट्टा का फॉर्म

■ भाजपा ने जताई आपत्ति, कहा यह सरकारी कार्यक्रम, पट्टा वितरण में कांग्रेसीकरण पर तत्काल रोक लगाई जाए

कोरबा। कोरबा नगर पालिक निगम के भाजपा पार्षद दल ने कांग्रेसियों द्वारा पट्टा फॉर्म भरवाने पर आपत्ति दर्ज कराते हुए कलेक्टर से शिकायत करते हुए तत्काल रोक लगाने आवेदन सौपा है रितु चौरसिया ने बताया कि यह एक सरकारी कार्यक्रम है जिसमें निगम के सरकारी व्यक्ति द्वारा ही पट्टा फॉर्म भरवारा जाना चाहिए लेकिन कांग्रेसियों द्वारा पट्टा फॉर्म भरवारा जा रहा है जिसे कांग्रेसीकरण करण करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में वोटो की राजनीति और लाभ लेने की कोशिश की जा रही है।

भाजपा पार्षद दल द्वारा दिए ज्ञापन में बताया गया है कि कोरबा नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर पट्टा वितरण का कार्य प्रगति पर है नगर निगम के 67 वार्ड में से 30 वार्ड में भाजपा के पार्षद हैं जिन वार्डों में भाजपा के पार्षद हैं वहां पर उनकी उपेक्षा करते हुए पट्टा वितरण सरकारी कार्यक्रम को कांग्रेसीकरण किया जा रहा है पट्टा वितरण हेतु फॉर्म भरने का कार्य कांग्रेसियों के द्वारा या कांग्रेस प्रत्याशी के द्वारा या पूर्व कांग्रेस पार्षद के द्वारा कराया जा रहा है और उनके अनुमोदन से ही अधिकारियों के द्वारा पट्टा में हस्ताक्षर करके उनके हाथों पट्टा का वितरण किया जा रहा है। अत: महोदय वार्ड पार्षद निर्वाचित जनप्रतिनिधि है उनकी उपस्थिति में और उनके देखरेख में ही पट्टा का वितरण होना चाहिए, कृपया व्यवस्था को ठीक करते हुए उचित कार्यवाही करने का निर्देश अधिकारियों को देने की कृपा करें ।

कृषक सम्मेलन के दौरान फेंके खाना को खाने से गायों की मौत

बलौदाबाजार। भाटापारा के ग्राम सुमाभाठा में दो दिन पूर्व आयोजित कृषक सह श्रमिक सम्मेलन के दौरान फेंके गए भोजन को खाने से बड़ी संख्या में गायों की मौत होने के साथ बीमार पड़ गई हैं. भाजपा ने गायों की मौत पर चक्काजाम कर मामले की जांच कराने की मांग की है.

ग्राम तरेंगा के मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर रहे भाजपा नेताओं ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि गायों की मौत की जांच कराई जाए, साथ ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पशु मालिकों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए. भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने गायों की मौत के लिए कांग्रेस सहित प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा है कि यदि इस घटना की जांच में और दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती है, तो उग्र प्रदर्शन किया जाएगा.

भाटापारा एसडीएम नरेन्द्र बंजारा ने बताया कि कुछ गायों की मौत हुई है. मामले की जांच की जा रही है. भारतीय जनता पार्टी ने मामले की जांच के लिए ज्ञापन सौंपा है. इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सीएम के कामों से प्रभावित होकर दर्जनों लोग कांग्रेस में शामिल, विधायक ने दिलाई पार्टी की सदस्यता

बीजापुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की दूरगामी सोच तथा वाणिज्य व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के मार्गदर्शन व बस्तर क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष व क्षेत्रीय विधायक विक्रम शाह मण्डावी के द्वारा किये जनकल्याणकारी विकास कार्यो से प्रभावित होकर भैरमगढ़ ब्लाक के फुलगट्टा से महेश कड़ती, नीला राम कडती, झूमर कडती, मुन्ना कश्यप,मानसिंग यादव व ग्राम तड़केल से रमेश ककेम, सोना राम रैयाम,सुकरु रैयाम,अर्जुन रैयाम,धनीराम रैयाम,सोमारू रैयाम,सीता राम हेमला,सुकारू हेमला,सुकलु हेमला,सोमारू ककेम, मासाराम उरसा, छन्नू ककेम,राजा राम हेमला सहित कुल 18 लोगो ने रविवार को कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ली।

विधायक निवास बीजापुर में क्षेत्रीय विधायक विक्रम शाह मण्डावी,जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर,जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुडियम ने सभी नव प्रवेशी लोगो को कांग्रेस पार्टी का गमछा व फूलमाला पहना कर कांग्रेस पार्टी में स्वागत किया। इस दौरान सभी ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष कांग्रेस के लिये समर्पित होकर काम करने का भी संकल्प लिया है।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल हरिचंदन स्वच्छता पखवाड़ा में शामिल हुए

रायपुर। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन

आज यहां 01 अक्टूबर से प्रारंभ हुए स्वच्छता पखवाड़ा में भाग लिया। इस अभियान में रायपुर इंस्ट्रिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (रिम्स) के विद्यार्थियों ने भी उत्साह से भाग लिया। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आज से स्वच्छता पखवाड़ा अभियान की शुरुआत की और जनप्रतिनिधियों सहित आम जनता से बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी स्वच्छता पर अत्यधिक जोर देते थे। वे स्वच्छता को सेवा मानते थे। श्री राज्यपाल ने विद्यार्थियों से न केवल पूरे पखवाड़े में बल्कि हमेशा अपने आस-पास स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। प्रधानमंत्री जी की अपील का पूरे देश में प्रभावी असर हुआ है और लोग स्वस्फूर्त होकर हर वर्ष स्वच्छता अभियान में शामिल होते हैं।

70 वार्डों के विभिन्न 140 स्थानों पर सफाई श्रमदान में आमजनों ने सहभागिता दर्ज की

रायपुर। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत केन्द्र सरकार के शहरी विकास विभाग और छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार, कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम रायपुर के सभी 10 जोनों के समस्त 70 वार्डों में 2-2 स्थानों पर सफाई की गई । इस प्रकार राजधानी के कुल 140 विभिन्न सार्वजनिक स्थानों में सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। सभी वार्ड में पार्षदगणों, जनप्रतिनिधियों, ग्रीन आर्मी सहित विभिन्न स्वयंसेवी, समाजसेवी संगठनों, स्वयंसेवकों, स्वच्छता दीदियों, सफाई मित्रों, युवाओं, नगर पालिक निगम एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अधिकारियों-कर्मचारियों सामाजिक कार्यकर्त्ताओं के साथ मिलकर ऑक्सीजोन पहुंचकर झाड़ू लगाकर कचरा एकत्रित कर स्वच्छता कायम कर आमजनों को स्वच्छ नगर का सकारात्मक सन्देश दिया।

शास. आईटीआई के विभिन्न पदों की भर्ती के लिए दस्तावेज सत्यापन 4 से 6 तक

रायपुर। राज्य की शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में तृतीय श्रेणी के प्रशिक्षण अधिकारियों, छात्रावास अधीक्षक एवं छात्रावास अधीक्षिका की भर्ती हेतु अगली चरण का दस्तावेज सत्यापन 4 से 6 अक्टूबर तक होगा। दस्तावेज सत्यापन का कार्य शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय सेजबहार, रायपुर में किया जाना है। इस चरण के लिए संस्थाओं की वरीयता दस्तावेज सत्यापन उपरांत पात्र पाये गये अभ्यर्थियों और मेरिट अनुसार सूची में स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन भरा जाना होगा। इसके लिए सभी अभ्यर्थी उक्त चरण के दस्तावेज सत्यापन हेतु अपने अध्यापकीय अनुभव के दौरान प्राप्त किए गए वेतन के बैंक द्वारा सत्यापित स्टेटमेंट सहित अपने समस्त दस्तावेज तैयार रखने को कहा गया है। इस चरण हेतु दस्तावेज सत्यापन में बुलाये जाने वाले विभिन्न व्यवसायों के अभ्यर्थियों के कटऑफ व्यापम द्वारा जारी मेरिट के आधार पर पृथक से जारी किये जायेंगे।

बरसों की झांकी परम्परा को नई पीढ़ी भी उत्साह से बढ़ा रही : मुख्यमंत्री बघेल

रायपुर। गणेशोत्सव पर हर साल राजधानी के

नागरिक भगवान गणेश की सुंदर झांकियों का इंतज़ार करते हैं। रायपुर में इसकी भव्य परंपरा है और पूरा शहर रात्रि जागरण कर भगवान गणेश की झांकियों के रूप में सुंदर लीलाओं का इंतज़ार करता है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने भी रायपुर के अन्य नागरिकों के साथ सुंदर झांकियों से भक्ति रस का आनंद लिया और गणेश जी की पूजा की। उन्होंने समिति के सदस्यों को बधाई दी और कहा कि आप लोगों ने बहुत सुंदर झांकी तैयार की है। इससे नई पीढ़ी को भी अपनी सांस्कृतिक परंपरा की जानकारी मिलेगी। श्री बघेल ने कहा कि आप सभी समितियां बरसों से उस परंपरा को चला रही हैं जिसे आपके मोहल्ले की पुरानी पीढियों ने शुरू किया होगा। ये बहुत स्वागत योग्य बात है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस मौके पर भगवान गणेश की विविध स्वरूपों में निकली झांकी का अवलोकन किया। झांकी में प्रमुख रूप से भगवान विष्णु के स्वरूप, कृष्ण भगवान के दही लूटने हेतु मटका फोड़ आदि की झांकी निकाली गई ।इस अवसर पर संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय, नगर निगम रायपुर के महापौर श्री एजाज ढेबर, खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री गिरीश देवांगन सहित गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

कांग्रेस गाय और गोबर के नाम पर राजनीति कर रही : राजेश मूणत

■ **कांग्रेस नेता के गौठान में भूख-प्यास से 6 गायों की मौत, पूर्व मंत्री मूणत ने किया निरीक्षण, लगाए आरोप**

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के जरवाय ग्राम स्थित गौठान में 6 गायों की मौत का मामला सामने आया है। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने गौठान पहुंचकर स्थिति का जायज़ा लिया। इस दौरान देखा कि 6 गायें मृत अस्वस्था में पड़ी हुई थी। बीजेपी नेताओं ने स्थानीय ग्रामीणों से चर्चा के बाद पाया कि गौठान में गायों को लेकर चारे-पीन की कोई व्यवस्था नही है। मवेशी अव्यवस्था का शिकार होकर बीमार पड़कर काल के गाल में समा जा रहे हैं। मूणत ने शासन से इस घटना की जांच कराने और ठेकदार के खिलाफ जुर्म दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर 24 घंटे के भीतर सरकार ने कार्रवाई नहीं की, तो जोन कमिश्नर कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

मूणत ने गौवंश की मौत के लिए कांग्रेस सरकार को दोषी ठहराते हुए कहा कि कांग्रेस पर गौहत्या का पाप लग चुका है। आरोप लगाया कि ये घटना बेहद दुखद है, जो कांग्रेस के भ्रष्टाचार की पोल खोल रही है। गौठान को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार ने पूरे देशभर में विज्ञापन किया। हमारे पार्षदों ने 4 महीने पहले शिकायत की थी कि गौठान में चारे-पानी की व्यवस्था नहीं हैं। इस गौठान में 6 गायें मर गई। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस का पूर्व पार्षद संदीप साहू इस गौठान का ठेकेदार हैं, उन्होंने गौमाता के नाम पर शासकीय योजना की दुर्गति करके उसे धंधा बना दिया। 250 जानवरों को रखने के लिए चारा-पानी देने के लिए शासन से मिलने वाले पैसे को अपना चारा बना लिया।

पूर्व मंत्री ने कहा कि राजधानी रायपुर के एक वार्ड में यह स्थिति है, तो दूरस्थ अंचलों में क्या हाल होगा,यह सोचने वाली बात है। पूर्व में नवा रायपुर में हुई राहुल गांधी की सभा के बाद खुले में फेंके गए फूड पैकेट्स को खाने से बड़ी संख्या में गायों की मौत हो चुकी है। मूणत ने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के डीएनए में ही खराबी है। वह गाय और गोबर के नाम पर राजनीति करती है। भ्रष्टाचार करके धन कमाती है, लेकिन वास्तविकता में उनका गौमाता के प्रति ज़रा भी आदर भाव नहीं है। एक तरफ गोठान के नाम पर 1300 करोड़ का घोटाला इस सरकार ने किया है। इस प्रकार से गौ माता की मौत की दोषी कांग्रेस है। यदि गोठान में गौ माताएं होती तो इस प्रकार से उनकी मृत्यु नहीं होती।

मूणत ने कहा कि भ्रष्टाचार करने के लिए भूपेश बघेल सरकार ने गौठान बनाए, लेकिन उन्हें खुला छोड़ दिया। सड़क पर लगातार घटनाएं हो रही हैं। गौ माता गोठानों की बजाय सड़क पर दिखती हैं क्योंकि गोठान में उनके लिए किसी तरह की व्यवस्था नहीं है। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से नगर निगम के रायपुर के पूर्व सभापति प्रफुल्ल विश्वकर्मा, वार्ड के पार्षद कमलेश्वरी बसंत वर्मा, पार्षद राजेश ठाकुर, भाजपा जिला मंत्री अमित मैशरी, मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र ठाकुर, मंडल अध्यक्ष अनिल सोनकर, विशाल पांडे, मनीष ध्रुव, बद्री शर्मा , राकेश यादव, मुन्ना सिंह, अंजनी सिंह, जितेंद्र तिवारी, धीरज मिश्रा, रणजीत तिवारी, अनुराग ठाकुर राहुल पांडे आदि मौजूद रहे।

पीएम मोदी की आमसभा के लिए लालबाग मैदान सजकर तैयार

जगदलपुर। जगदलपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आमसभा के लिए लालबाग मैदान सज रहा है। जहां से 3 अक्टूबर को पीएम मोदी बस्तर की जनता को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की सभा को सुनने आने वाले लोगों के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे है। जिसके लिए तीन विशाल डोम बनाने का काम जोरों-शोरों से जारी है।

बार-बार बिगड़ते मौसम का ध्यान रखते हुए तीनों डोम वाटर प्रुफ होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभाओं में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए लोगों के बैठने के लिए लालबाग मैदान के बड़े हिस्से को घेरा गया है। सुरक्षा के बेहद सख्त इंतजाम किए गए हैं।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आमसभा लालबाग मैदान में वर्ष 2018 को हुई थी। भारतीय जनता पार्टी पूरे उत्साह से नरेंद्र मोदी के बस्तर आगमन और उनकी आमसभा की तमाम तैयारियों को पूरा करने में जुटी है। सभा में आने के लिए सभी समाज के प्रमुखों से भेंट कर भाजपा के नेता, पदाधिकारी आमंत्रण पत्र देकर समूचे समाज को ससम्मान आमंत्रित कर रहे हैं।

वार्डों में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर लोगों से जीवंत संपर्क बनाकर सभा के लिए निमंत्रित किया जा रहा है। भाजपा के बड़े नेता रोज शाम को बैठकें कर संपन्न कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में किसी भी तरह की कमी ना होने के निर्देश दिए गए है। जिसमें भाजपा के सभी बड़े नेताओं को अलग-अलग दायित्व सौंपा गया हैं। भाजपा प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आमसभा ऐतिहासिक होगी। पीएम मोदी भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता है। जिनके कुशल नेतृत्व में बीते नौ वर्ष में देश तरक्की की राह में तेजी से आगे बढ़ा हैं, मजबूत हुआ है। आमजनता के लिए केन्द्र की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ घर-घर पहुंचा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बस्तर आगमन से क्षेत्र की जनता एवं पार्टी कार्यकर्ताओं में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। सभा की सभी तैयारियां तेजी से पूर्ण की जा रही हैं।

कांग्रेस ने 3 को बस्तर बंद का किया आह्वान

रायपुर। पीएम नरेंद्र मोदी के 3 अक्टूबर को बस्तर दौरे से पहले कांग्रेस ने बड़ी चुनावी चाल चली है। 3 अक्टूबर को पीएम जगदलपुर के लाल बाग मैदान में चुनावी सभा करने आने वाले हैं और इसी दिन कांग्रेस ने बस्तर बंद का आह्वान किया है। कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन रायपुर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम भूपेश बघेल और पीसीसी चीफ दीपक बैज ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। सीएम भूपेश बघेल ने बीजेपी पर हमला बोलेत हुए कहा कि कल पीएम नरेंद्र मोदी बिलासपुर आए थे और फिर झूठ परोसकर चले गए। आरोप लगाया कि पीएम नरेंद्र मोदी 3 अक्टूबर को नगरनार स्टील प्लांट का उद्घाटन करने और उसे निजी हाथों में सौंपने के लिए बस्तर आ रहे हैं। सीएम भूपेश बघेल ने बस्तर बंद का समर्थन करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी को जुमलेबाज बताया है। उन्होंने कहा कि पीएम 3 अक्टूबर को बस्तर आ रहे हैं, ऐसे में उन्हें यह बात मालूम चल सके कि बस्तर की जनता चाहती क्या है। आदिवासियों की जमीन एनएमडीसी को दी गई है। प्लांट में नौकरी के लिए आदिवासी लगातार आंदोलन करते रहे उस दौरान हम जब विपक्ष में थे। उस दौरान भी हमने पत्र लिखा था कि आदिवासियों को उचित व्यवस्थापन हो। सरकार में आने के बाद हमने विधानसभा में संकल्प पारित किया कि नगरनार स्टील प्लांट का विनिवेश ना किया जाए। राज्य सरकार प्लांट का अधिग्रहण कर ले, लेकिन बीजेपी ने यहां पर भी राजनीति करते हुए उसके अधिग्रहण को लेकर ऐसे बिंदु जोड़ दिए हैं कि ताकि राज्य सरकार इसमें शामिल ना हो सके। सीएम भूपेश ने कहा कि बीजेपी विधायकों ने भी विधानसभा में स्टील प्लांट के निजीकरण नहीं करने और अधिग्रहण की स्थिति में राज्य सरकार को दिये जाने के अशासकीय संकल्प पर सहमति दी थी।

गौठानों और रीपा के माध्यम से ग्रामीण रोजगार को मिला बढ़ावा : बघेल

■ **मुख्यमंत्री ने ली राज्य स्तरीय दिशा समिति की समीक्षा बैठक**

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में रविवार को विकास भवन कार्यालय में राज्य स्तरीय दिशा समिति की बैठक हुई। बैठक में दिशा समिति अंतर्गत सामूहिक कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें साथ ही लक्ष्यों को समय से प्राप्त करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में गौठानों और रीपा के माध्यम से ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा मिला है। राज्य सरकार द्वारा स्व-सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री के लिए सी-मार्ट की स्थापना की गई है। रोजगार बढ़ाने हेतु स्व-सहायता समूह के सदस्यों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

राज्य स्तरीय दिशा समिति की समीक्षा बैठक में केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा, निगरानी, मूल्यांकन तथा केन्द्र एवं राज्य के मध्य समन्वय बढ़ाने पर चर्चा की गई। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग, आदिम जाति विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, शहरी विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, ऊर्जा विभाग, उद्योग विभाग, ग्रामोद्योग विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा, खाद्य, स्किल डेव्हलपमेंट, चिप्स, खनिज विभाग, जल संसाधन विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक में मनरेगा अंतर्गत कार्यों की जानकारी देते हुए बताया गया कि सितम्बर 2023 की स्थिति में मनरेगा अंतर्गत 19.92 लाख परिवारों को कार्य मिला है वहीं 01 लाख 36 हजार 838 कार्यों को पूर्ण किया गया है। मनरेगा अंतर्गत विगत पांच वर्षों में 5 हजार 690 नवीन तालाब, 2 हजार 915 अमृत सरोवर का निर्माण किया गया है। आधार बेस्ड भुगतान में राज्य का राष्ट्रीय स्तर पर 7वां स्थान है। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना - 2 अंतर्गत स्वीकृत सभी कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना - 3 अंतर्गत 5612 किलोमीटर लम्बाई की शतप्रतिशत की स्वीकृति में छत्तीसगढ़ राज्य प्रथम है एवं समस्त लम्बाई पूर्ण कर ली गई है। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के प्रथम चरण में 175 ग्रामों का चयन किया गया है। उक्त चयनित सभी ग्रामों में वांछित संकेतकों को पूर्ण कर आदर्श ग्राम घोषित किया जा चुका है।

स्वास्थ्य विभाग की मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना अंतर्गत विगत वर्षों में 01 करोड़ 37 लाख से अधिक लोगों को निःशुल्क जांच एवं दवाई वितरित की गई है। मातृ मृत्यु अनुपात 23 प्वाइंट के साथ देश में द्वितीय सर्वाधिक गिरावट दर्ज की गई है। बैठक में सांसद श्री गुहाराम अजगले, संसदीय सचिव श्री कुंवर सिंह निषाद, अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, श्रीमती रेणु पिल्ले सहित सभी भारसाधक सचिव उपस्थित रहे।

कहीं शिक्षक बहुत ज्यादा तो कहीं टोटा, हजारों स्कूलों में पीने का पानी तक नहीं दे रही सरकार : चंदेल

■ **शहरी और मुख्य सड़क पर स्थित स्कूलों में स्वीकृत से अधिक शिक्षक पदस्थ हैं**

रायपुर। शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार और बुनियादी सुविधाएँ मुहैया कराने के प्रदेश की कांग्रेस सरकार के दावे को छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने फर्जी बताया है। श्री चंदेल ने कहा कि प्रदेश सरकार के नाकारापन के चलते बिलासपुर जिले में एक ओर जहाँ कुछ विद्यालयों में स्वीकृत सेट-अप से अधिक शिक्षक पदस्थ होने और कुछ विद्यालयों में शिक्षकों के पद रिक्त पड़े होने के कारण शिक्षा के मूल उद्देश्यों को हासिल नहीं किया जा सक रहा है, वहीं आदिवासी इलाकों में करोड़ों रुपए खर्च करके जुटाई गईं पीने के पानी की बुनियादी सुविधा दम तोड़ चुकी है।

चंदेल ने बताया कि बिलासपुर जिले के चारों विकासखंडों के कुल 210 हायर सेकेंडरी और हाई स्कूलों में 1876 व्याख्याताओं के पद स्वीकृत हैं, लेकिन इनमें से 54 स्कूलों में स्वीकृत सेट-अप से 126 व्याख्याता ज्यादा हैं जबकि 80 स्कूलों में व्याख्याताओं के 174 पद अब तक खाली पड़े हैं। तबादला उद्योग चलाने में मशगूल प्रदेश सरकार को इस बात से कोई सरोकार ही नहीं है कि यदि 126 अतिशेष व्याख्याताओं को उनके मूल विद्यालयों में भेजा जाए तो रिक्त पड़े 174 पदों की समस्या काफी हद तक हल हो सकती है। श्री चंदेल ने कहा कि राजनीतिक पहुँच और संरक्षण के चलते शहरी और मुख्य सड़क पर स्थित स्कूलों में स्वीकृत पदों से काफी अधिक शिक्षक पदस्थ हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित शालाओं में काफी पद रिक्त होने के कारण बच्चों की पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। श्री चंदेल ने कहा कि प्रदेश सरकार आत्मानंद स्कूलों के नाम पर ढोल पीटने में व्यस्त है और प्रदेशभर की स्कूलों की बदहाली से आँखें मूंदे बैठी है। जिन आत्मानंद स्कूलों का शोर मचाकर प्रदेश सरकार अपने मुँह मियाँ मिठ्ठू बन रही है, प्रदेश के अधिकांश उन आत्मानंद स्कूलों में अव्यवस्था की शिकायतें सामने आ रही हैं। ऐसे हालात में भी प्रदेश सरकार शिक्षा के नाम पर फर्जी दावे करके प्रदेश को बरगला रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के नाम पर प्रदेश सरकार सियासी ड्रामे तो खूब कर रही है, लेकिन आदिवासी इलाकों के स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में बुनियादी सुविधाएं तक मुहैया नहीं है। सरगुजा संभाग के जशपुरनगर जिले के 2296 प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों और 1500 आंगनबाड़ी केंद्रों में बेहाली का आलम यह है कि वहाँ पीने के साफ पानी तक की व्यवस्था ही चरमरा चुकी है। रनिंग वॉटर सप्लाई के नाम पर केवल स्कूलों पर 35 करोड़ रुपए खर्च करने के बाद भी हालात ये हैं कि वहाँ बच्चे ढोंढ़ी का पानी पीने के लिए विवश हैं।

चिकित्सक का धर्म सर्वप्रथम मरीजों की सेवा करना है : राज्यपाल

रायपुर। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने कहा कि चिकित्सक का धर्म सबसे पहले मरीजों की सेवा करना है। चिकित्सक मरीजों के लिए भगवान की तरह होते हैं। उन्होंने चिकित्सा के विद्यार्थियों से गरीब मरीजों की सेवा करने का आवाहन किया। उक्त उद्गार राज्यपाल ने रायपुर इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में कैथ लैब के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किये।

श्री हरिचंदन ने कहा कि चिकित्सा के विद्यार्थियों को शिक्षा पूरी करने के बाद समाज और देश की सेवा करना चाहिए। विशेषकर ऐसे मरीजों का इलाज करना चाहिए जो गरीबी के कारण अपना इलाज अन्यत्र नहीं करा पा रहें हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा का पेशा, श्रेष्ठ पेशों में से एक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कोविड-19 का सामना अत्यंत साहस के साथ किया और देश-दुनिया को दिखा दिया कि भारत चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह से सक्षम है। डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ ने कोविड-19 के चुनौतीपूर्ण समय में मानवता की सेवा करके एक मिसाल कायम की। आपदा के इस समय के दौरान डॉक्टरों और पैरा मेडिकल स्टॉफ ने हमारे हौसले बुलंद रखे थे। उन्होंने ने कहा कि आपके द्वारा अक्षरशः ली गई सेवा की शपथ का पालन करते हुए, आपने पूरे देश के प्रति कर्तव्य और समर्पण का अर्थ समझाया है। उन्होंने कहा कि अपने जीवन में सफलता हासिल करे और समाज और राष्ट्र की सेवा करें। इस अवसर पर राज्यपाल को संस्थान की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम में रिम्स के कार्यकारी निर्देशक डॉ. के. के. वाधवा, डॉ. गम्भीर, डॉ. आदिले, फैकल्टी मेंबर एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सर्व आदिवासी समाज ने बनाया अलग राजनीतिक दल

■ **हमर राज पार्टी के बैनर तले लड़ेंगे चुनाव**

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आगले कुछ महीनों में ही विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इस बीच छत्तीसगढ़ में सर्व आदिवासी समाज भी चुनावी मैदान में कूद गई है। सर्व आदिवासी समाज ने अपनी नई हमर राज पार्टी के लिए आवेदन किया था। जिसका भारतीय निर्वाचन आयोग में पंजीयन हो गया है। शनिवार को रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आदवासी समाज के पदाधिकारियों ने राजनीतिक दल हमर राज पार्टी की घोषणा की। जिसके बाद प्रदेश के राजनीति गलियारों में हलचल देखने को मिल रही है।

सर्व आदिवासी समाज की पार्टी का भारत निर्वाचन आयोग में रजिस्ट्रेशन हो गया है। अब यह पार्टी हमर राज पार्टी के नाम से विधानसभा चुनाव में उतरेगी। इस चुनाव की तैयारी आदिवासी समाज काफी लंबे समय से कर रही थी। लेकिन रजिस्ट्रेशन नहीं होने की वजह से राजनीतिक दल के रूप में सामने नहीं आ रही थी। अब रजिस्ट्रेशन के बाद यह पार्टी चुनाव में नजर आएगी। हमर राज पार्टी के रजिस्ट्रेशन सहित पूरी जानकारी पूर्व केंद्रीय मंत्री और सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष अरविंद नेताम ने शनिवार को एक पत्रकार वार्ता के दौरान दी।

छत्तीसगढ़ में आदिवासी वोट बैंक और सीट की बात की जाए, तो यहां पर करीब 34 फीसदी आदिवासी मतदाता है। 2021 की जनगणना के अनुसार, राज्य में 30 प्रतिशत से अधिक आदिवासी जनसंख्या है। यानी 78 लाख से अधिक आदिवासी छत्तीसगढ़ में रहते है। इसलिए छत्तीसगढ़ को ट्राइबल स्टेट भी कहा जाता है। छत्तीसगढ़ की लगभग 41 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की आबादी 50 प्रतिशत से अधिक है। 29 सीट एसटी आरक्षित है, जिसमें से 27 सीट पर कांग्रेस विधायक हैं और महज 2 सीट पर बीजेपी का कब्जा है। छत्तीसगढ़ विधानसभा की 90 में से अभी कांग्रेस के 71 विधायक है।

अरविंद नेताम ने कहा हमर राज पार्टी का भारतीय निर्वाचन आयोग में पंजीयन हो गया है। हमार राज पार्टी के अध्यक्ष अकबर राम कोर्राम को बनाया गया है। कार्यकारी अध्यक्ष बीएस रावते को बनाया गया है। पार्टी के महासचिव विनोद नागवंशी और महेश रावटे कोषाध्यक्ष रहेंगे। हमर राज पार्टी सर्व आदिवासी समाज के अंदर ही रहेगी। प्रदेश के 50 विधानसभा सीटों में हम अपने प्रत्याशी उतारेंगे। सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष अरविंद नेताम ने कहा, समाज को मजबूरन राजनीति में उतरना पड़ा है। सामान्य सीटों पर भी वह पिछड़े और अन्य समाज से जुड़े लोगों को प्रत्याशी बनने पर विचार कर रही है। इस दौरान उन्होंने किसी भी राजनीतिक दल कांग्रेस या भाजपा के साथ जाने से साफ इनकार कर दिया। अरविंद नेताम ने कहा यदि कांग्रेस और बीजेपी से जिसे टिकट नहीं मिलती और वह हमारी पार्टी में आना चाहता है, तो उसे हम टिकट नहीं देंगे।

हमर राज पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बीएस रावटे ने कहा, 23 सूत्री मांगों को लेकर 19 फरवरी 2018 को सर्व आदिवासी समाज ने रायपुर के रावाभाटा में आंदोलन किया था। उस दौरान जो वर्तमान में मंत्री है, उन्होंने उस मांग पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें से एक भी बिंदु का पालन आज तक नहीं हुआ। हाल ही में हुए उपचुनाव में मंत्री गांव में नहीं घुस सके थे। इस चुनाव में भी कौन-कौन मंत्री गांव में जा पाएंगे या नहीं, यह मैं नहीं कह सकता। बीएस रावटे ने कहा हम आदिवासियों को 15 साल भाजपा सरकार ने जितना नहीं ठगा, उससे ज्यादा 4 सालों में कांग्रेस सरकार ने ठगा है। लोगों में काफी गुस्सा है। उस गुस्से को लेकर प्रदर्शन करने का लाइसेंस हमें निर्वाचन आयोग ने दे दिया है।

कनाडा प्रकरण में भारत को सतर्क रहने की जरूरत

संतोष पाठक

कुख्यात आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा ने जिस तरह से बिना सबूत के भारत पर आरोप लगाए हैं, उसके बाद से भारत और कनाडा के संबंधों में लगातार तल्खी आती जा रही है। निज्जर हत्याकांड में कनाडा द्वारा लगाए गए बेतुके आरोप की वजह से भारत और कनाडा के रिश्तों पर तो बुरा असर पड़ ही रहा है लेकिन इस पूरे मामले में कई जानकारी के सामने आने के बाद अब अमेरिका के रुख को भी लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। अमेरिका ने पहले फाइव आईज के खुफिया मंच का दुरुपयोग कर जिस तरह से पहले कनाडा को गलत जानकारी देकर भारत के खिलाफ उकसाने का काम किया और बाद में जिस तरह से इस मामले में बयान देकर भारत पर दबाव बनाने का प्रयास किया, उससे यह साफ-साफ नजर आ रहा है कि अमेरिका ने भारत के खिलाफ षड्यंत्र किया, साजिश रची और दोस्त कहकर भारत की पीठ में खंजर घोंपने का काम किया। ऐसे में अब बड़ा सवाल तो यह खड़ा हो रहा है कि आखिर अमेरिका चाहता क्या है ? एक तरफ अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत और भारत के नेतृत्व की तारीफ कर रहा है, भारत को अपना सबसे करीबी दोस्त और सामरिक साझेदार बता रहा है तो दूसरी तरफ भारत के खिलाफ इस तरह से षड्यंत्र रच रहा है, यह जानते हुए भी कि यह मुद्दा भारत के लिए कितना संवेदनशील है। चीन की आक्रामक नीति से परेशान अमेरिका एक तरफ जहां भारत को अपने एक मददगार देश के तौर पर देख रहा है, दोनों ही देश चीन की आक्रामक नीतियों के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं, संयुक्त सैन्याभ्यास कर चीन को संकेत दे रहे हैं, आर्थिक मोर्चे पर लगातार नए-नए समझौते कर आर्थिक संबंधों को मजबूत कर रहे हैं। यहां तक कि रक्षा क्षेत्र में भी कई विकल्प होने के बावजूद भारत अमेरिका के साथ रक्षा समझौते कर उसकी अर्थव्यवस्था को मदद देने का काम कर रहा है लेकिन इसके बावजूद अमेरिका की इस हरकत ने भारत को सतर्क कर दिया है। अमेरिका ने न केवल कनाडा को गलत जानकारी देकर उसे भारत के खिलाफ भड़काया है बल्कि अपने बयान के जरिए भी भारत पर दबाव बनाने का प्रयास किया है। अमेरिका के इस दोहरे रवैये ने अब भारत को ठहर कर अमेरिका के साथ अपने संबंधों की गहराई के बारे में फिर से विचार करने का मौका दे दिया है क्योंकि अगर अमेरिका इस तरह से पीठ पीछे भारत के खिलाफ पहले षड्यंत्र करेगा और फिर बयान देकर दबाव बनाने का प्रयास करेगा तो निश्चित तौर पर भारत सरकार के लिए अमेरिका के साथ अपने संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ना मुश्किल होता चला जाएगा क्योंकि यह तो सर्वविदित तथ्य है कि अमेरिका को लेकर भारत में और भारतीयों में हमेशा से शंका का माहौल रहा है। अमेरिका ने जिस तरह से इतिहास में कई बार अपने करीबी दोस्तों तक को धोखा दिया है जिसका हालिया उदाहरण यूक्रेन-रूस युद्ध है, जिसमें अमेरिका ने पहले यूक्रेन को बढ़ावा दिया और जब लड़ाई यूक्रेन के घर में घुस गई है तो अमेरिका ने एक तरह से यूक्रेन से पल्ला झाड़ता हुए उसे रूस जैसी महाशक्ति के सामने अकेला ही छोड़ दिया है। लेकिन भारत जैसे विश्वसनीय और भरोसेमंद देश के साथ इस तरह की हरकत कर अमेरिका ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है कि वह कभी भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक भरोसेमंद देश नहीं बन सकता है और इसलिए भारत को उससे हमेशा ही सतर्क रहना पड़ेगा। अमेरिका जहां एक तरफ चीन के डर के कारण भारत के साथ मजबूत सामरिक संबंध बनाना चाहता है तो वहीं दूसरी तरफ भारत की एकता और अखंडता को चुनौती देने वाले आतंकवादी तत्वों को पनाह देने वाले कनाडा का साथ देकर अपने दोहरे स्टैंड को ही एक बार फिर से उजागर कर दिया है। अमेरिका दशकों तक भारत को परेशान करने के लिए पाकिस्तान का भी इसी तरह से इस्तेमाल करता रहा है। लेकिन भारत बदल रहा है और अब समय आ गया है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को यह साफ-साफ बता दिया जाए कि सामरिक साझेदारी, व्यापार और आर्थिक समझौता भारत के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है लेकिन यह भारत की एकता-अखंडता और संप्रभुता से बढ़कर ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है और यह बात अमेरिका और उसके सहयोगी देश जितनी जल्दी समझ ले उतना ही यह विश्व की शांति के लिए बेहतर होगा।

तमिलनाडु - कर्नाटक की राजनीति में कावेरी

स्वाति

भारत के सबसे पुराने जल विवाद ने इस वर्ष पुन: कर्नाटक और तमिलनाडु सरकारों को पानी पिलाने का काम शुरू कर दिया है। लगभग डेढ़ दशक पुराना %कावेरी जल विवाद% पुन: तूल पकड़ता दिख रहा है। तमिलनाडु को पानी देने के विरोध में कल कर्नाटक बंद का आह्वान किया गया था जिसका व्यापक असर देखने को मिला।

असर हो भी क्यों न जब जल संकट से जूझ रहे दोनों राज्यों की आम जनता जल के महत्व को समझ रही है। हर बार की तरह इस बार भी इस बंद को कन्नड़ समाज और किसान गुटों का पूरा समर्थन मिला। बंद के कारण कैम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पर कुल 44 उड़ानें रद्द कर दी गईं।

वहीं राज्य परिवहन निगमों ने भी खास तौर पर मांड्या, मैसुरु, चामराजनगर आदि कावेरी बेसिन जिलों में अपनी कई बस सेवाएं रद्द कर दी। एहतियातन कई लोगों की गिरफ्तारी भी हुई। एक रिपोर्ट के हिसाब से 12 घंटे के इस बंद में कर्नाटक को लगभग 4,000 करोड़ का नुकसान हुआ है। अच्छी खबर यह रही की कई बार की तरह इस बार इस जल विवाद में बुलाये गए बंद में जान माल की हानि देखने को नहीं मिली।

इस जल विवाद को समझने के लिए कावेरी नदी, इसकी सहायक नदियों और इन पर बने बांधों की स्थिति समझना जरूरी है। कर्नाटक में कावेरी नदी की सहायक नदियों हरंगी और हेमावती पर बांध का निर्माण किया गया है। इन दो बांधों के डाउनस्ट्रीम पर कृष्णा राजा सागर बांध का निर्माण कर्नाटक में मुख्य कावेरी नदी पर किया गया है। कर्नाटक में काबिनी जलाशय कावेरी नदी की सहायक नदी काबिनी पर बनाया गया है, जो कृष्णा सागर जलाशय में मिलता है। वहीं मेट्टूर बांध का निर्माण तमिलनाडु में कावेरी की मुख्य धारा पर किया गया है।

केंद्रीय जल आयोग ने कावेरी के साथ काबिनी और मेट्टूर बांध के संगम के बीच मुख्य कावेरी नदी पर कोलेगल और बिलीगुंडुलु नाम से दो %जी एंड डी% स्थापित किए हैं। जी का अर्थ %गेज़% और डी का अर्थ %डिस्चार्ज%। जल विज्ञान में जलाशयों पर गेजिंग स्टेशनों का निर्माण किया जाता है। ये जल स्टेशन किसी भी वाटर बॉडी के तय बिंदु पर उसके स्तर अर्थात गहराई या लेवल पर तय समय में प्रवाहित हुए जल के बीच का संबंध बताते हैं। बिलीगुंडुलु जी एंड डी साइट मेट्टूर बांध से लगभग 60 किमी नीचे है जहां कावेरी नदी कर्नाटक और तमिलनाडु के साथ सीमा बनाती है।

इसी मेट्टूर बांध से बिलीगुंडुलु जी एंड डी साइट में पानी छोड़ने का आदेश अमूमन दिया जाता है। 1881 से शुरू हुआ यह विवाद अस्तित्व में तब आया जब तत्कालीन मैसूर राज्य (अब कर्नाटक) ने कावेरी नदी पर बांध बनाने का फैसला किया। लेकिन मद्रास राज्य (अब तमिलनाडु) ने इस पर आपत्ति जताई। 1924 में ब्रिटिश राज में एक समझौता हुआ। समझौते के तहत कर्नाटक को कावेरी नदी का 177 टीएमसी अर्थात थाउजेंड मीटर क्यूबिक और तमिलनाडु को 556 टीएमसी पानी देने का फैसला लिया गया। परन्तु ज़ाहिर तौर पर फैसले पर सहमति नहीं दिखाई गई। 1972 में केंद्र सरकार ने एक कमेटी बनाई। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर कावेरी नदी के पानी के चारों दावेदारों (तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, पुडुचेरी) के बीच पानी का बंटवारा किया गया।

1976 में एक समझौता किया गया परन्तु पुन: सहमति बनती नहीं दिखी और 2 जून 1990 को कावेरी जल विवाद ट्रिब्यूनल की स्थापना की गई। ट्रिब्यूनल ने कर्नाटक को सालाना 270 टीएमसी और तमिलनाडु को 419 टीएमसी पानी दिया। केरल को 30 टीएमसी और पुडुचेरी को 7 टीएमसी पानी देने का फैसला किया। बरसात और पानी के बहाव के आधार पर किसी ख़ास महीने में चार बराबर किस्तों में चार सप्ताहों में पानी छोड़ा जाता है। यदि किसी सप्ताह में पानी की निर्धारित मात्रा को नहीं छोड़ा जा सकता है तो फिर अगले हफ्तों में इसकी भरपाई की जाती है। तमिलनाडु ने ट्रिब्यूनल के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चैलेंज किया और बाद में कर्नाटक भी कोर्ट पहुंच गया। फरवरी 2008 में, कोर्ट ने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) और कावेरी जल नियामक समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के गठन का आदेश दिया था। अदालत ने अगले 15 सालों के लिए एक फैसला दिया जिसके अनुसार कर्नाटक बिलिगुंडलू डैम से तमिलनाडु के लिए 177.25 टीएमसी फिट पानी छोड़ेगा। हालांकि कोर्ट ने तमिलनाडु को मिलने वाले पानी में 14.75 टीएमसी की कटौती की है। यानी अब उसे पहले से 5% कम पानी मिलेगा। वहीं, कर्नाटक के कोटे में 14.75 टीएमसी का इजाफा किया है। यानी उसे अब पहले से 5% ज्यादा पानी मिलेगा।

कावेरी वाटर मैनेजमेंट अथॉरिटी यानी सीडब्ल्यूएमए ने 13 सितंबर को एक आदेश जारी किया था। इस आदेश के अनुसार कर्नाटक को अगले 15 दिनों तक रोज़ाना 5 हज़ार क्यूसेक पानी तमिलनाडु को देना था। हालांकि कर्नाटक सरकार कमजोर मॉनसून का हवाला देते हुए पहले ही कह चुकी है कि वो तमिलनाडु को 5 हज़ार क्यूसेक पानी देने की स्थिति में नहीं है। दोनों राज्यों में मुख्य रूप से उत्पन्न यह विवाद अकेला जल विवाद नहीं है। दक्षिण भारत की दूसरी सबसे बड़ी नदी कृष्णा के बंटवारे को लेकर भी विवाद है। यह विवाद सुलझा लिया गया था परन्तु आंध्र प्रदेश के बंटवारे के बाद नवीन राज्य तेलंगाना के निर्माण के बाद यह विवाद फिर से उभर गया है। दक्षिण की गंगा और पौराणिक तमिल साहित्य में पोन्नी नाम से प्रसिद्द कावेरी नदी कर्नाटक और तमिलनाडु दोनों राज्यों के लिए जीवनदायिनी है। दोनों ही राज्य पीने के पानी के लिए इस नदी का आसरा देखते हैं। ये नदी लगभग 40 लाख एकड़ ज़मीन को सींचती है और दक्षिण भारत के 3 करोड़ किसान कावेरी के पानी पर ही निर्भर हैं। दोनों राज्यों में भूमिगत पानी का स्तर खपत की तुलना में बहुत कम है। बैंगलोर, मैसूर, चेन्नई जैसे शहर पर आईटी सेक्टर के गढ़ के रूप में आबादी का अतिरिक्त बोझ भी है।

इन शहरों के लोग पानी की किल्लत को बखूबी समझते और झेलते भी हैं। कई रिपोर्ट्स ने ये खुलासे किये हैं कि अगर पीने के पानी की किल्लत और भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने और जल संचय की पर्याप्त सुविधाएं नहीं की गई तो अगले डेढ़ दशक में बैंगलोर आबादी का बोझ सह नहीं पाएगा और रहने लायक नहीं रह जाएगा। यह स्थिति कर्नाटक के कई गांवों और तमिलनाडु के भी कई क्षेत्रों पर लागू होती है। ऐसे में राज्यों के हितों के लिए उनकी सरकारें प्रतिबद्ध भी दिखाई देती हैं और मजबूर भी। सवाल यह भी उठता है कि लगभग डेढ़ दशक पुराने इस विवाद के केंद्र में जब सिंचाई और पीने के पानी की किल्लत ही है तो इसके वैकल्पिक उपायों पर काम क्यों नहीं किया गया? कावेरी जल विवाद गहरा रहा है और अबकी यह दो राज्यों के हितों से भी आगे बढ़कर राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट हुए विपक्षी दलों के लिए भी बड़ा सिरदर्द बन सकता है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने कहा है कि कर्नाटक में राज्य सरकार लोगों के लिए कोई स्टैंड नहीं ले रही है। राज्य सरकार पर तुष्टिकरण की राजनीति का भी आरोप लग रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि कावेरी जल विवाद पर राजनीति का ऊंट किस करवट बैठता है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-5)

गतांक से आगे...

जो अहंकार युक्त वासना को अति सहजता से त्याग देता है तथा चित्त के अवलम्बन में जो सम्यक् रूप से त्याग भाव रखता है, वही वास्तव में जीवन्मुक्त कहलाता है।

जो सदैव अन्तर्मुखी दृष्टिवाला, पदार्थ की आकांक्षा से रहित और किसी भी वस्तु की अपेक्षा अथवा कामना से रहित सुषुप्ति के समान अवस्था में विचरण करता रहता है, वही मनुष्य जीवन्मुक्त कहलाता है। जो सदैव आत्मा में लीन रहता है, जिसका मन पूर्ण एवं पवित्र है, अत्यन्त श्रेष्ठ एवं शान्त स्वभाव को प्राप्त कर जो इस नश्वर संसार में किसी वस्तु की इच्छा नहीं रखता, जो किसी के प्रति आसक्ति न रखता हुआ उदासीन भाव से भ्रमण करता रहता है, वही पुरुष जीवन्मुक्त कहलाता है। जिसका हृदय किसी भी पदार्थ में लिप्त नहीं होता तथा जो चेतन संवित् (सद्ज्ञानयुक्त) स्वरूप वाला है, वही पुरुष जीवन्मुक्त कहलाता है। जो पुरुष राग-द्वेष, सुख-दु:ख, मान-अपमान, धर्म-अधर्म एवं फलाफल की इच्छा-आकांक्षा न रखता हुआ सदैव अपने कार्यों में व्यस्त रहता है, वही मनुष्य जीवन्मुक्त कहलाता है जो अहंभाव को त्याग करके, मान एवं मत्सर से रहित, उद्वेगरहित तथा संकल्पविहीन रहकर कर्म करता रहता है, उसी पुरुष को ज्ञानीजन जीवन्मुक्त कहते हैं।

जो सर्वत्र मोहरहित होकर साक्षी भाव से जीवनयापन करता है तथा बिना किसी फल की कामना किये ही अपने कर्तव्य कर्म में रत रहता है, वही जीवन्मुक्त है। जिसने धर्म-अधर्म का, सांसारिक विषय के चिन्तन का तथा सभी तरह की कामनाओं का परित्याग कर दिया है, उसे ही जीवन्मुक्त कहा गया है। यह समस्त दृश्य प्रपञ्च जो दृष्टिगोचर हो रहा है, उसका जिसने पूरी तरह से परित्याग कर दिया है, वही जीवन्मुक्त कहलाता है। जो ज्ञानी पुरुष खट्टे, चरपरे, कड़वे, नमकीन, स्वादयुक्त एवं अस्वाद को एक जैसा मानकर भोजन ग्रहण करता है, वही जीवन्मुक्त कहलाता है। जरा, मृत्यु, विपत्ति, राज्य एवं दारिद्र्य आदि में से जो समान भाव रखते हुए हर स्थिति में सन्तुष्ट रहता है, वही जीवन्मुक्त कहलाता है। जिसने धर्म-अधर्म, सुख-दु:ख एवं जन्म - मृत्यु आदि का अपने हृदय से पूर्णरूपेण परित्याग कर दिया है, वही वास्तव में जीवन्मुक्त कहलाता है।

जो मनुष्य उद्वेग एवं आनन्द से रहित है तथा शोक और हर्षोल्लास में समान भाव एवं परिष्कृत बुद्धि सम्पन्न है। सभी तरह की इच्छाओं एवं आकांक्षाओं, कामनाओं तथा सारे निश्चयों को जिसने मन से पूर्णत: त्याग दिया है, वही जीवन्मुक्त कहलाता है। उत्पत्ति, पालन एवं प्रलय की अवस्था में तथा प्रगति और अवनति में जिस पुरुष का मन समान रहता है, वही जीवन्मुक्त कहलाता है। जो किसी के प्रति ईर्ष्या-द्वेष आदि के भाव नहीं रखता है, जो न किसी की इच्छा-आकांक्षा करता है।

क्रमश: ...

अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस

ललित गर्ग

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्मदिन 2 अक्टूबर अब अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। गांधी की अहिंसा ने भारत को गौरवान्वित किया है, भारत ही नहीं, दुनियाभर में अब उनकी जयन्ती को बड़े पैमाने पर अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। गांधी के अनुयायियों एवं उनमें आस्था रखने वाले उन तमाम लोगों को इससे हार्दिक प्रसन्नता हुई है जो बापू के सिद्धान्तों से गहरे रूप में प्रभावित हैं, अहिंसा के प्रचार-प्रसार में निरन्तर प्रयत्नशील हैं। यह बापू की अन्तर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का बड़ा प्रमाण है। यह एक तरह से गांधीजी को दुनिया की एक विनम्र श्रद्धांजलि है। यह अहिंसा के प्रति समूची दुनिया की स्वीकृति भी कही जा सकती है। पडोसी देश पाकिस्तान को भी अहिंसा की प्रासंगिकता और ताकत को समझते हुए आतंकवाद को प्रोत्साहन देना बन्द करना चाहिए।

आज विज्ञान ने भौगोलिक दूरी पर विजय प्राप्त की है। सारा संसार एक गेंद के समान छोटा हो गया है, पर दूसरी ओर भाई-भाई में मानसिक खाई चौड़ी होती जा रही है। इस विरोधाभास के कारण पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय जीवन में बिखराव और तनाव बढ़ रहा है। यदि अहिंसा, शांति और समता की व्यापक प्रतिष्ठा नहीं होगी तो भौतिक सुख-साधनों का विस्तार होने पर भी मानव शांति की नींद नहीं सो सकेगा। अध्यात्म के आचार्यों ने हिंसा और युद्ध की मनोवृत्ति को बदलने के लिए मनोवैज्ञानिक भाषा का प्रयोग किया है। उन्होंने कहा है- युद्ध करना परम धर्म है, पर सच्चा योद्धा वह है, जो दूसरों से नहीं स्वयं से युद्ध करता है, अपने विकारों और आवेगों पर विजय प्राप्त करता है। जो इस सत्य को आत्मसात कर लेता है, उसके जीवन की सारी दिशाएं बदल जाती हैं। वह अपनी शक्तियों का उपयोग स्व-पर कल्याण के लिए करता है। जबकि एक हिंसक अपनी बुद्धि और शक्ति का उपयोग विनाश और विध्वंस के लिए करता है। पडौसी देश को अपनी अवाम के बारे में सोचना चाहिए। शायद वह कभी भी हिंसा एवं युद्ध नहीं चाहती है। हमारे लिये यह सन्तोष का विषय इसलिये है कि अहिंसा का जो प्रयोग भारत की भूमि से शुरू हुआ उसे संसार की सर्वोच्च संस्था ने जीवन के एक मूलभूत सूत्र के रूप में मान्यता दी। हम देशवासियों के लिये अपूर्व प्रसन्नता की बात है कि गांधी की प्रासंगिकता चमत्कारिक ढंग से बढ़ रही है। दुनिया उन्हें नए सिरे से खोज रही है। उनको खोजने का अर्थ है अपनी समस्याओं के समाधान खोजना, हिंसा एवं आतंकवाद की बढ़ती समस्या का समाधान खोजना। शायद इसीलिये कई विश्वविद्यालयों में उनके विचारों को पढ़ाया जा रहा है, उन पर शोध हो रहे हैं। आज भी भारत के लोग गांधी के पदचिन्हों पर चलते हुए अहिंसा का समर्थन करते है। पडौसी देश के साथ भी लगातार अहिंसा से पेश आते रहे हैं, लेकिन उन्होंने हमारी अहिंसा को कायरता समझने की भूल की है।

गांधीजी आज संसार के सबसे लोकप्रिय भारतीय बन गये हैं, जिन्हें कोई हैरत से देख रहा है तो कोई कौतुक से। इन स्थितियों के बावजूद उनका विरोध भी जारी है। उनके व्यक्तित्व के कई अनजान और अंधेरे पहलुओं को उजागर करते हुए उन्हें पतित साबित करने के भी लगातार प्रयास होते रहे हैं, लेकिन वे हर बार ज्यादा निखर कर सामने आए हैं, उनके सिद्धान्तों की चमक और भी बढ़ी है। वैसे यह लम्बे शोध का विषय है कि आज जब हिंसा और शस्त्र की ताकत बढ़ रही है, बड़ी शक्तियां हिंसा को तीक्ष्ण बनाने पर तुली हुई हैं, उस समय अहिंसा की ताकत को भी स्वीकारा जा रहा है। यह बात भी थोड़ी अजीब सी लगती है कि पूंजी केन्द्रित विकास के इस तूफान में एक ऐसा शख्स हमें क्यों महत्वपूर्ण लगता है जो आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की वकालत करता रहा, जो छोटी पूंजी या लघु उत्पादन प्रणाली की बात करता रहा।

बलूचिस्तान बन गया पाकिस्तान के लिए नासूर

अभिनय आकाश

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में अक्सर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन होता रहता है। माना जाता है कि बलूचिस्तान कभी भी पाकिस्तान का दूसरा बांग्लादेश बन सकता है। बांग्लादेश के पाकिस्तान से अलग होने की कहानी तो आपको पता ही होगी। वैसे ही आने वाले वक्त में बलूचिस्तान भी पाकिस्तान से अलग हो जाए। ये माना जाता है कि पाकिस्तान ने बलूचिस्तान को जबरदस्ती कब्जे में किया था। इन सब के बावजूद पाकिस्तान का ये प्रांत पिछले कई दशकों से अस्थिर रहा है। ताजा मामला फिर से एक बार सामने आया है। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग जिले में 29 सितंबर को एक आत्मघाती हमले में कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई और 70 से अधिक अन्य घायल हो गए। हालांकि अभी तक किसी संगठन ने ब्लास्ट की जिम्मेदारी नहीं ली है। तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) ने तुरंत इससे दूरी बना ली है। यह 2018 के बाद से पाकिस्तान में सबसे घातक आतंकवादी हमला है, जब उसी जिले में एक आत्मघाती बम विस्फोट में 149 लोग मारे गए थे। एक बयान में कार्यवाहक आंतरिक मंत्री सरफराज बुगती ने बम विस्फोटों की निंदा की और इसे जघन्य कृत्य बताया। राष्ट्रपति अल्वी और कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल-हक-काकर ने अलग-अलग संदेशों में एकता का आह्वान किया है और लोगों से पैगंबर की शिक्षाओं का पालन करने के लिए कहा है।

सबसे बड़ा पाकिस्तानी प्रांत बलूचिस्तान देश के बाकी हिस्सों की तुलना में कम आबादी वाला और गरीब भाग है। वहीं, इसकी अवस्थिति और प्राकृतिक संसाधनों विशेषकर तेल की प्रचुरता इसे पाकिस्तान के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाती है। यह प्रांत 1948 से खूनी विद्रोहों, क्रूर राज्य दमन और एक स्थायी बलूच राष्ट्रवादी आंदोलन की एक श्रृंखला का स्थल रहा है।

स्वतंत्रता के समय इस क्षेत्र में मकरान, लास बेला, खारन और कलात शामिल थे, जिनके आदिवासी प्रमुखों ने अंग्रेजों के प्रति निष्ठा की शपथ ली थी। कलात का मुखिया सबसे शक्तिशाली था, बाकी लोग उसके प्रति सामंती निष्ठा रखते थे। जैसे ही उपमहाद्वीप से ब्रिटिश वापसी करीब आई, कलात के अंतिम प्रमुख अहमद यार खान ने खुले तौर पर एक स्वतंत्र बलूच राज्य की वकालत करना शुरू कर दिया। उन्हें उम्मीद थी कि मुहम्मद अली जिन्ना के साथ उनकी व्यक्तिगत दोस्ती उन्हें पाकिस्तान में शामिल होने के बजाय अपना राज्य सुरक्षित करने में मदद करेगी। और 11 अगस्त, 1947 को उनकी दृष्टि तब फलीभूत होती दिखी जब पाकिस्तान ने उन्हें शामिल होने के लिए मजबूर करने के बजाय उनके साथ मित्रता की संधि पर हस्ताक्षर किए। हालाँकि, ब्रिटिश क्षेत्र में रूसी विस्तारवाद से सावधान थे, इसके सख्त खिलाफ थे। इसके बजाय कलात का पाकिस्तान में विलय चाहते थे। इससे भी अधिक जटिल मामला यह था कि कलात के तीन सामंत पाकिस्तान में शामिल होना चाहते थे। इस प्रकार, अक्टूबर 1947 तक, पाकिस्तान ने अपना सुर बदल लिया और विलय के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया। आख़िरकार हालात तब बिगड़ गए जब 17 मार्च, 1948 को पाकिस्तान सरकार ने कलात के तीन सामंती राज्यों के विलय को स्वीकार करने का फैसला किया, जिससे कलात चारों ओर से ज़मीन से घिरा रह गया और उसके पास आधे से भी कम भूभाग रह गया। इसके अलावा, ऑल इंडिया रेडियो पर अफवाह फैल गई कि खान वास्तव में भारत में शामिल होना चाहते हैं। इसने 26 मार्च, 1948 को पाकिस्तानी सेना को बलूचिस्तान में जाने के लिए प्रेरित किया। प्रमुख ने एक दिन बाद विलय की संधि पर हस्ताक्षर किए। विलय संधि की स्याही अभी पूरी तरह सूखी भी नहीं थी कि विरोध शुरू हो गया। उस वर्ष जुलाई में, खान के भाई, प्रिंस अब्दुल करीम ने परिग्रहण समझौते के खिलाफ विद्रोह कर दिया। 1948, 1958-59, 1962-63 और 1973-1977 में लड़े गए, और वर्तमान में 2003 से जारी हैं। इन विद्रोहियों से पाकिस्तानी बलों द्वारा क्रूरता से निपटा गया है, जिन पर कई अत्याचार करने का आरोप लगाया गया है। बलों पर अपहरण, यातना, मनमाने ढंग से गिरफ़्तारी और फाँसी देने की रिपोर्टें आई हैं। 2011 की एमनेस्टी इंटरनेशनल रिपोर्ट में पाकिस्तानी बलों की %मार डालो और फेंक दो% की रणनीतियों के बारे में बात की गई थी, जिसमें कर्मी अक्सर वर्दी में कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, पत्रकारों और वकीलों को उठाते हैं, जानकारी के लिए उन्हें प्रताड़ित करते हैं, फिर उन्हें गोली मार देते हैं और उनके शवों को फेंक देते हैं। हालांकि बलूच राष्ट्रवादियों और निर्दोष नागरिकों के हताहत होने की सटीक संख्या बताना मुश्किल है, यहां तक ??कि रूढ़िवादी अनुमान भी 1948 के बाद से इसे हजारों में बताते हैं। एनजीओ वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स के अनुसार, लगभग 5,228 बलूच लोग लापता हो गए हैं। 2001 और 2017 के बीच की अवधि। हालाँकि, बलूच राष्ट्रवादी समूहों और विद्रोहियों पर स्वयं मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप लगाया गया है, जिसमें क्षेत्र में रहने वाले गैर-बलूच लोगों की जातीय सफाई का प्रयास भी शामिल है। हाल के वर्षों में बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी जैसे बलूच राष्ट्रवादी संगठन टीटीपी और इस्लामिक स्टेट सहित इस्लामी संगठनों के करीब बढ़ गए हैं। इस्लामाबाद स्थित गैर सरकारी संगठन, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज की %पाकिस्तान सुरक्षा रिपोर्ट 2022% के अनुसार, अकेले 2022 में विद्रोहियों और उनके इस्लामी सहयोगियों ने बलूचिस्तान के अंदर और बाहर 71 हमले किए हैं, जिनमें मुख्य रूप से सुरक्षा और सैन्य कर्मियों को निशाना बनाया गया है। ऐसे में बड़ा सवाल कि आखिर ये संघर्ष इतने लंबे समय तक क्यों बना रहा?

हिन्द स्वराज्य

गोला-बारूद

प्रश्न- आपकी यह बात आपके खिलाफ जाती है, ऐसा आपको नहीं लगता? आपको स्वीकार करना होगा कि अंग्रेजों ने खुद जो कुछ हासिल किया, वह मारकाट करके ही हासिल किया है। आप कह चुके हैं कि (मार-काट से) उन्होंने जो कुछ हासिल किया है वह बेकार है, यह मुझे याद है। इससे मेरी दलील को धक्का नहीं पहुँचता। उन्होंने बेकार (चीज) पाने का सोचा और उसे पाया। मतलब यह कि उन्होंने अपनी मुराद पूरी की। साधन क्या था, इसकी चिन्ता हम क्यों करें? अगर हमारी मुराद अच्छी हो तो क्या उसे हम चाहे जिस साधन से, मारकाट करके भी पूरा नहीं करेंगे? चोर मेरे घरमें घुसे तब क्या मैं साधन का विचार करूंगा? मेरा धर्म तो उसे किसी भी तरह बाहर निकालने का ही होगा। ऐसा लगता है कि आप यह तो कबूल करते हैं कि हमें सरकार के पास अर्जियाँ भेजने से कुछ नहीं मिला है और न आगे कभी मिलने वाला है। तो फिर उन्हें मारकर हम क्यों न ले? जरूरत हो उतनी मार का डर हम हमेशा बनाये रखेंगे। बच्चा अगर आग में पैर रखे और उसे आग से बचाने के लिए हम उस पर रोक लगायें, तो आप भी दोष नहीं मानेंगे। किसी भी तरह हमें अपना काम पूरा कर लेना है।

उत्तर-आपने दलील तो अच्छी की। वह ऐसी है कि बहुतों ने उससे धोखा खाया है। मैं भी ऐसी ही दलील करता था। लेकिन अब मेरी आँखें खुल गयी हैं और मैं अपनी गलती समझ सकता हूँ। आपको वह गलती बताने की कोशिश करूँगा। पहले तो इस दलील पर विचार करें कि अंग्रेजों ने जो कुछ पाया वह मारकाट करके पाया, इसलिए हम भी वैसा ही करके मनचाही चीज पायें। अंग्रेजों ने मारकाट की और हम भी कर सकते हैं यह बात तो ठीक है। लेकिन मारकाट से जैसी चीज उन्हें मिली वैसी ही हम भी ले सकते हैं। आप कबूल करेंगे कि वैसी चीज हमें नहीं चाहिए। आप मानते हैं कि साधन और साध्य—जरिया और मुराद—के बीच कोई संबंध नहीं है। यह बहुत बड़ी भूल है। इस भूल के कारण जो लोग धार्मिक कहलाते उन्होंने घोर कर्म किये हैं।

क्रमश: ...

बसपा का सबको चाहिए साथ!

राजेंद्र कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राजनीतिक ताकत काफी कम हो गई है, फिर भी बसपा उसकी प्रासंगिकता अभी कम नहीं हुई। बल्कि दूसरी पार्टियों को बसपा का साथ पाने की आतुरता बढ़ गई है। यह जानते हुए भी कि बसपा के साथ गठबंधन करने वाले दल को उसका फायदा नहीं मिलता, गठबंधन का फायदा सिर्फ बसपा को मिलता है। कई बार तो बसपा का वोट सहयोगी पार्टी को ट्रांसफर नहीं हुआ और सहयोगी पार्टियों का वोट बसपा को मिल गया। ऐसा पिछले लोकसभा चुनाव में ही हुआ। इस चुनावी गणित के आधार पर बसपा सुप्रीमो मायावती को भी यह पता है कि अगर आगामी लोकसभा चुनाव अकेले लड़े तो फिर वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव वाला हाल होगा। यानी पार्टी जीरो सीट पर आ जाएगी। ऐसे में अब जब बसपा अकेले लड़ने के लायक नहीं रह गई है तो बसपा को अपने खेमे में लाने के लिए राजनीतिक खिचड़ी पकाई जा रही है। और यह माना जा रहा है कि बसपा चुनावी तालमेल के लिए उपलब्ध है।

हालांकि सुप्रीमो मायावती बीते पांच वर्षों में यह कई बार कह चुकी हैं कि कांग्रेस और भाजपा से बसपा कोई चुनावी तालमेल नहीं करेगी। बसपा अकेले ही हर चुनाव लड़ेगी। जितनी बार मायावती यह ऐलान करती हैं, यूपी में उतनी बार यह कहा जाता है कि मायावती चुनावी तालमेल करना चाहती हैं। अब यहीं वजह है कि इंडिया गठबंधन की प्रमुख पार्टी कांग्रेस और केंद्र की सत्ता में काबिज भाजपा दोनों ही बसपा से तालमेल के जुगाड़ में हैं। लेकिन बसपा सुप्रीमो मायावती किसका साथ चाहती हैं? किस दल के साथ चुनावी तालमेल करने को इच्छुक हैं? इस सवाल का जवाब बसपा का कोई नेता देना नहीं चाहता। कभी मायावती के बेहद खास रहे जिसमें सतीश चंद्र मिश्र हो या मायावती के भतीजे आकाश आनंद ये सवाल सुनते ही चुप्पी साध लेते हैं। बसपा के नेताओं में इस संबंध में हो रही चर्चाओं के अनुसार, इस वक्त मायावती कांग्रेस या विपक्षी गठबंधन इंडिया को लेकर नर्म हैं। इसकी वजह यह बताई जा रही है कि भाजपा की अपेक्षा कांग्रेस या

इंडिया गठबंधन के साथ चुनावी तालमेल करने में ज्यादा सीटें बसपा को मिल सकेगी। भाजपा उन्हे मात्र दस सीटें देगी तो इंडिया गठबंधन या कांग्रेस इससे ज्यादा सीटें उन्हे दे सकता है। इसलिए मायावती के लिए भाजपा के साथ जाना थोड़ा मुश्किल है। इसलिए अब गुपचुप तरीके से मायावती चुनावी तालमेल की अपनी योजना को आगे बढ़ा रही हैं।

मायावती की चुनावी तालमेल करने को लेकर इस गाड़ी में कोई ब्रेक ना लगाने पाये, इसके लिए उन्होने पार्टी को इस संबंध में कोई बयान ना देने का निर्देश दिया हुआ है। कहा जा रहा है कि सबका साथ और विकास करने वाली भाजपा के बड़े नेता मायावती के हर कदम पर नजर जमाए हुए हैं। इसके साथ ही भाजपा एक तरफ यूपी में दलित मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। तो दूसरी तरफ वह मायावती को मनाने की कोशिश भी कर रही हैं। भाजपा नेताओं का कहना है कि मायावती की निष्क्रियता की वजह से दलित वोट का बड़ा हिस्सा भाजपा के साथ जुड़ा है, इसलिए मायावती को नाराज नहीं करना है। भाजपा यह चाहती है कि मायावती अगर भाजपा से ना जुड़े तो वह अकेले ही चुनाव लड़ें। ऐसा होने पर बसपा के साथ ही विपक्ष को भी यूपी में नुकसान होगा। राजनीति की माहिर मायावती भाजपा की इस चल को समझती हैं। इसीलिए उन्होने कांग्रेस के साथ बातचीत का चैनल खोला हुआ है। बसपा से चुनावी तालमेल की उम्मीद में ही कांग्रेस ने अभी तक इमरान मसूद और दानिश अली को पार्टी में शामिल नहीं किया है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस के नेता फिलहाल मायावती से बातचीत करते हुए यूपी में अखिलेश यादव से भी चुनावी तालमेल की बातचीत कर रहे हैं। इसके साथ ही कांग्रेस यूपी में दलित, मुस्लिम, ब्राह्मण और जाट का समीकरण बना रही है।

एक चर्चा यह भी हो रही है कि मायावती को इंडिया गठबंधन में शामिल किया जाए ताकि यूपी में बसपा, सपा, कांग्रेस और रालोद का गठबंधन बने। अब देखना यह है कि मायावती का चुनावी गठबंधन को लेकर क्या अंतिम फैसला होगा? मायावती यह कहती रही हैं कि उनकी पार्टी कोई गठबंधन नहीं करेंगी क्योंकि तालमेल करके चुनाव लड़ने पर बसपा का वोट तो सहयोगी पार्टियों को मिल जाता है लेकिन सहयोगी पार्टियों का वोट बसपा को नहीं मिलता है। मायावती का यह दावा तथ्यात्मक रूप से गलत है। बसपा ने जब भी तालमेल कर चुनाव लड़ा है तब उनकी पार्टी को फायदा हुआ है। चुनावी आंकड़ों से यह साबित हुआ है कि कई बार तो बसपा का वोट सहयोगी पार्टी को ट्रांसफर नहीं हुआ और सहयोगी पार्टियों का वोट उनको मिल गया। बीते लोकसभा चुनाव में ही हुआ था। तब बसपा सुप्रीमो मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) से चुनाव तालमेल कर चुनाव लड़ा था। बीते लोकसभा चुनाव में जब वे लड़ने उतरीं तो उनकी पार्टी का एक भी सांसद नहीं था, जबकि सपा के पांच सांसद थे। चुनाव में सपा तो पांच ही सीट पर रह गई, लेकिन बसपा जीरो से 10 सीट पर पहुंच गई। यह पहला मौका नहीं था, जब बसपा को गठबंधन से फायदा हुआ था। बसपा ने जब 1993 में चुनावी गठबंधन करके पहला विधानसभा चुनाव लड़ा था, तब भी उसे फायदा हुआ था। वर्ष 1993 में मुलायम सिंह यादव और कांशीराम ने गठबंधन बनाया था। इस गठबंधन के पहले बसपा को वर्ष 1991 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ 12 सीटें मिली थीं। फिर सपा के साथ चुनावी तालमेल करके वर्ष 1993 में विधानसभा का चुनाव लड़ने के बाद बसपा को 67 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। इसके बाद वर्ष 1996 के विधानसभा चुनाव में बसपा ने कांग्रेस के साथ चुनावी तालमेल किया। तब बसपा 296 सीटों पर और कांग्रेस 126 सीटों पर चुनाव लड़ी। तब भी बसपा 67 सीटें जीती और उसका वोट बढ़ कर 19.64 फीसदी पहुंच गया। इन तीन चुनावी गठबंधन से साफ है कि हर बार जब बसपा तालमेल करके लड़ती है तो उसका फायदा होता है।

ओबीसी को लेकर मोदी सरकार को घेर रहे राहुल, पर कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड जानना चाहेंगे

नीरज कुमार दुबे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी बिना किसी तथ्य के मोदी सरकार पर तमाम मुद्दों को लेकर हमले बोलते हैं। इसी कड़ी में आजकल वह जाति जनगणना की मांग करते हुए मोदी सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि देश को चला रहे अधिकारियों में मात्र तीन केंद्रीय सचिव ही ओबीसी समुदाय से हैं। ऐसे में यह जानना बेहद जरूरी हो जाता है कि इस मामले में कांग्रेस का अपना खुद का ट्रैक रिकॉर्ड क्या है? इस समय देखें तो कांग्रेस चार राज्यों- छत्तीसगढ़, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में अपने बलबूते सरकार चला रही है। इन चारों ही राज्यों में मुख्य सचिव सामान्य श्रेणी से संबद्ध हैं। इसी प्रकार यदि हम कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों वाले विपक्षी गठबंधन इंडिया पर नजर दौड़ाएं तो पाएंगे कि वहां भी ओबीसी को ज्यादा प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। पंजाब, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड और केरल के मुख्य सचिव भी अपर कास्ट से संबद्ध हैं जबकि तमिलनाडु एकमात्र ऐसा उदाहरण

है जहां मुख्य सचिव शिव दास मीणा एसटी श्रेणी से संबद्ध हैं। यही नहीं, सरकारी रिकॉर्ड यह भी दर्शाते हैं कि 1985 से 1989 तक जब राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री थे, तब केंद्र में सचिव पद पर कोई भी अधिकारी आरक्षित वर्ग यानि एससी/एसटी श्रेणी से नहीं था। अगर हम 2023 के हालात को देखें तो केंद्र में सात सचिव एससी श्रेणी और पांच एसटी श्रेणी से हैं। इसी प्रकार यदि हम 2014 के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो उस समय केंद्र में अतिरिक्त सचिव और संयुक्त-सचिव पद पर ओबीसी समुदाय से संबंधित सिर्फ दो ही अधिकारी थे लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में इन पदों पर ओबीसी अधिकारियों की संख्या 2 से बढ़कर 63 हो चुकी है। हम आपको यह भी बता दें कि आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में केंद्र सरकार में प्रधान सचिव और सचिव पद पर काम करने वाले सभी अधिकारी सामान्य श्रेणी से ही थे। यहां एक बात और समझने की जरूरत है कि जहां तक केंद्र सरकार के पदों में ओबीसी को आरक्षण की बात है तो यह 1993 में पेश किया गया था और इसके तहत पहली नियुक्ति पाने वाले अधिकारीगण 1995 बैच के थे जोकि अब तक सचिव रैंक तक नहीं पहुँचे हैं। देखा जाये तो किसी भी आईएएस अधिकारी को अपना कॅरियर शुरू करने से लेकर केंद्र में सचिव पद तक पहुँचने तक लगभग ढाई से तीन दशक तक का समय लग जाता है। इसलिए राहुल गांधी ने जब यह कहा कि केंद्र में ओबीसी को पर्याप्त संख्या में प्रतिनिधित्व नहीं मिला है तो एक बार फिर साबित हो गया कि वह बिना जाने समझे कुछ भी कह देते हैं। यही नहीं राहुल गांधी ने महिला आरक्षण विधेयक में भी ओबीसी के लिए आरक्षण की वकालत की जबकि मनमोहन सरकार जब यह विधेयक लायी थी तब कांग्रेस ने भी उसमें ओबीसी आरक्षण का प्रावधान नहीं किया था। यही नहीं, राहुल गांधी आज जिस जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं उसके बारे में उन्हें यह जवाब भी देना चाहिए कि साल 2011 में जब उनकी पार्टी की सरकार ने देश में जनगणना कराई थी तो उसने जातिगत आंकड़ों को क्यों नहीं जारी किया था? बहरहाल, विपक्ष का काम सरकार पर सवाल उठाना है इसमें कोई दो राय नहीं। लेकिन सवाल का आधार पुख्ता होना चाहिए। साथ ही सवाल उठाने से पहले अपने गिरेबां में भी झांक कर देखना चाहिए। आज राहुल गांधी जो भी सवाल उठाते हैं उनसे पूर्व की कांग्रेस सरकारों पर भी सवाल उठ जाते हैं। राहुल गांधी को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद ओबीसी से संबद्ध हैं और गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में राहुल गांधी को जवाब दे ही चुके हैं कि देश को सचिव नहीं बल्कि सरकार चलाती है और मोदी सरकार के सांसदों में ओबीसी की संख्या कांग्रेस के कुल सांसदों से ज्यादा है। अमित शाह ने बताया था कि मोदी सरकार में 29 फीसदी यानि 85 सांसद ओबीसी से हैं और 29 केंद्रीय मंत्री भी ओबीसी से ही संबद्ध हैं।

अपने ही नेताओं को ठिकाने लगाने में जुटी भाजपा

अमित शर्मा

भाजपा ने सभी तीन प्रमुख चुनावी राज्यों में अपने वरिष्ठ नेताओं को किनारे लगा दिया है। राजस्थान में वसुंधरा राजे सिंधिया को अब तक नेता नहीं घोषित किया गया है जिसके कारण उनकी पार्टी नेतृत्व से तनातनी चर्चा का विषय बनी हुई है। छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह पार्टी में होने के बाद भी न तो चेहरा घोषित किए गए हैं और न ही उनकी भूमिका प्रभावी रह गई है। कुछ नेताओं ने अपनी उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कांग्रेस का दामन थाम लिया है। उधर मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री होने के बाद भी पूरी चुनावी कमान पार्टी की केंद्रीय इकाई के हाथ में है। सुमित्रा महाजन और उमा भारती जैसी दिग्गज नेताओं के होने के बाद भी पार्टी उनसे कोई सलाह मशविरा तक नहीं कर रही है। उन्हीं के इलाकों में यात्राओं के आयोजन के बाद भी उन्हें आमंत्रित तक नहीं किया जा रहा है। इससे कभी पार्टी के दिग्गज नेता रह चुके ये नेता काफी आहत बताए जा रहे हैं। अगले चरण में भाजपा ने अपने लगभग छह वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों को मोदी मंत्रिमंडल से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। प्रकाश जावड़ेकर, मुख्तार अब्बास नकवी और रविशंकर प्रसाद को मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव के नाम पर हटा दिया गया। उनके स्थान पर पिछड़ों, दलितों और महादलितों को मंत्रिमंडल में शामिल कर बड़ा संदेश देने की कोशिश की गई थी। वहीं, रिटायर किए गए वरिष्ठ नेताओं को कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी गई। वसुंधरा राजे सिंधिया, रमन सिंह और शिवराज सिंह चौहान को केंद्रीय राजनीति में लाकर उन्हें पार्टी में उपाध्यक्ष का बड़ा पद दिया गया, लेकिन इन नेताओं की भी कोई बड़ी भूमिका नहीं रही। इन नेताओं को केंद्रीय इकाई में लाने को भी इन्हें रिटायरमेंट मोड में लाने के प्रयास के रूप में देखा गया था। हालांकि, इन नेताओं को पार्टी प्रभारी जैसा पद देकर उनका सम्मान करने की कोशिश जरूर की गई, लेकिन इसे उनके कद की जिम्मेदारी नहीं मानी गई। अब यही सवाल उठता है कि भाजपा की यह रणनीति कितनी कारगर साबित होगी? सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) के प्रो. संजय कुमार ने अमर उजाला से कहा कि यह भाजपा के केंद्रीकृत होते जाने का प्रमाण है। अभी तक भाजपा पर यह आरोप लगते थे कि सभी निर्णय ऊपर के कुछ नेता ले रहे हैं। लेकिन अभी तक इसके कोई प्रमाण नहीं थे। लेकिन जिस तरह कैलाश विजयवर्गीय जैसे नेताओं ने यह कहा है कि उन्हें भी यह पता नहीं था कि उन्हें चुनावी मैदान में उतारा जा रहा है, उससे यह स्पष्ट हो गया है कि सभी निर्णय ऊपर से लिए जा रहे हैं। शेष नेताओं को इसका केवल पालन करने के लिए कहा जा रहा है। भाजपा को इसका लाभ होगा, या नुकसान? इस प्रश्न पर संजय कुमार ने कहा कि अभी यह कहना संभव नहीं है कि इसका कितना नुकसान होगा। जिस तरह भाजपा ने बड़े-बड़े नेताओं को चुनावी मैदान में उतार दिया है, इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि वह उस नुकसान को मैनेज करने की कोशिश कर रही है। मध्य प्रदेश की तरह राजस्थान में भी बड़े दिग्गज नेताओं की फौज उतारकर किसी नेता की नाराजगी से होने वाले नुकसान की भरपाई करने की रणनीति अपनाई जा सकती है। इसका एक संदेश यह भी होगा कि स्थानीय छत्रप यह समझ सकेंगे कि पार्टी की जीत के लिए उनकी भूमिका सीमित है। पार्टी लोगों के बीच अपना जनाधार बढ़ाकर वैचारिक धरातल को ज्यादा मजबूत करना चाहती है, वह किसी छत्रप को इतना बड़ा नहीं होने देना चाहती जो कभी उसके लिए चुनौती बन सकें।

उप्र के मुख्यमंत्री योगी पर नहीं किसी का जोर!

आदिति फडणीस

इस माह के आरंभ में उत्तर प्रदेश के घोसी विधानसभा उपचुनाव के नतीजों ने विपक्षी इंडिया गठबंधन को जीत हासिल हुई थी। इस सीट से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी सुधाकर सिंह को जीत मिली जो राजपूत हैं। घोसी सीट पर उपचुनाव इसलिए हुए कि वहां के विधायक रहे दारा सिंह चौहान जो अन्य पिछड़ा वर्ग से आते हैं, उन्होंने समाजवादी पार्टी से इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण कर ली थी। दारा सिंह इस चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी थे। अधिकांश विश्लेषकों का मानना था कि मतदाताओं ने चौहान को दंडित किया है क्योंकि उनमें पार्टी बदलने की प्रवृत्ति रही है। परंतु सुधाकर सिंह चुनाव जीतने में दोस्तों और दुश्मनों दोनों से थोड़ी मदद मिली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आलोचक (हां, उनके भी आलोचक हैं) कहते हैं कि भाजपा ने तीन चीजें कीं।

पहला, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के स्थानीय बाहुबली ठेकेदार और कारोबारी ठाकुर उमाशंकर सिंह ने बसपा को समझाया कि वह सुधाकर सिंह के खिलाफ प्रत्याशी न उतारे और चौहान को 'गद्दारी' की सजा दे। दारा सिंह चौहान पहले भाजपा में थे और 15वीं लोकसभा के चुनाव में वह घोसी सीट से पार्टी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, हालांकि बाद में उन्होंने पाला बदल लिया था। मायावती ने उन्हें कभी माफ नहीं किया। यानी दलितों ने खुलकर सुधाकर सिंह के पक्ष में मतदान किया। इसके अलावा सुधाकर सिंह को स्थानीय ठाकुरों का भी पूरा समर्थन था जो पिछड़ा वर्ग के चौहान को हराना चाहते थे। इसमें भी कोई आश्चर्य नहीं कि मुस्लिमों ने बड़ी तादाद में सपा के पक्ष में मतदान किया। परंतु वास्तविक समर्थन तो स्वयं भाजपा की ओर से आया।

पार्टी के एक कार्यकर्ता ने कहा, 'प्रधान क्षत्रिय ने

अपना पूरा समर्थन सुधाकर सिंह के पीछे लगा दिया ताकि दिल्ली को दिखा सकें कि उत्तर प्रदेश का असली बॉस कौन है।' वह योगी आदित्यनाथ की बात कर रहे थे। आप सवाल कर सकते हैं कि एक विधानसभा चुनाव को लेकर इतना हो-हल्ला क्यों? लेकिन यह ऐसी राजनीति का उदाहरण है जहां हारने वाला (भाजपा) भी विजेता (मुख्यमंत्री) हो सकता है। उनके आलोचक भी इस बात पर सहमत हैं योगी आदित्यनाथ के अधीन उत्तर प्रदेश में संगठित अपराध कम हुए हैं। यह सच है कि आज भी प्रदेश में बलात्कार, चोरी और हत्या जैसे अपराध हो रहे हैं लेकिन अपहरण, फिरौती और अतिक्रमण के मामलों में काफी कमी आई है। उत्तर प्रदेश के माफिया मोटे तौर पर छोटे मोटे बाहुबली थे जिन्होंने सरकारी ठेके हासिल करके और खराब निर्माण आदि करके समृद्धि हासिल की। उन्होंने अपने मुनाफे को दोबार निवेश करके अपना कारोबार बड़ा किया। इनमें से कई ने रॉबिनहुड जैसी छवि बना ली और राजनीति में आ गए।

आदित्यनाथ के अधीन उनके साम्राज्य को जमींदोज कर दिया गया। इसमें मुख्यमंत्री ने धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया। जब लोगों ने देखा कि अमीरों और रसूखदार लोगों के बंगले ढहाए जा रहे हैं तो उन्हें एक किस्म की मजबूती का अहसास हुआ और आदित्यनाथ की लोकप्रियता बढ़ी। परंतु इसका अर्थ यह भी था कि अफसरशाही, पुलिसकर्मी और निचले स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं को पता लग गया कि मुख्यमंत्री का ध्यान किस प्रकार आकृष्ट करना है। प्रशासन के निचले स्तर पर बुलडोजर चलने का खतरा बहुत बढ़ गया। चूंकि अफसरशाही पर आदित्यनाथ की पकड़ हे इसलिए उनके करीबी अधिकारियों ने कद भी मजबूत हुआ। उन्हें अपने प्रभाव का अहसास है। इससे दूसरों में नाराजगी पैदा हुई। परंतु आदित्यनाथ ने दिखाया है कि प्रशासन की बात आने पर वह झुकने वाले नहीं हैं। केंद्र सरकार की कल्याण योजनाएं बिना किसी चूक के चल रही हैं। बल्कि इस योजना के कारण अनाज को बाजार तक में बेचा जा रहा है। प्रदेश में निवेश बढ़ रहा है और प्रशासन भी मांगें पूरी कर रहा है। डेटा सेंटर को लेकर सरकार के जोर को ही देखते हैं।

इस वर्ष के आरंभ में उत्तर प्रदेश निवेश सम्मेलन के दौरान एक निवेशक ने कहा था कि प्रदेश के विनिर्माण कानून यह इजाजत नहीं देते कि बिना खिड़कियों की इमारतें बनाई जाएं। कुछ ही दिन में इस प्रावधान को बदल दिया गया। छोटे कस्बों और गांवों में कल्याण योजनाएं स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार दे रही हैं। शायद यह भी एक वजह है कि प्रवासी श्रमिक शहरों में रोजगार की तलाश में जाने के बजाय अपने ही क्षेत्र में रुक रहे हैं। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव ने ढेर सारी अधोसंरचना परियोजनाओं की शुरुआत की थी। योगी आदित्यनाथ ने इसे आगे बढ़ाया। निश्चित रूप से कुछ चूकें भी हुईं। उदाहरण के लिए 2022 में अमेरिका के ऑस्टिन विश्वविद्यालय के साथ 42 अरब डॉलर का समझौता ज्ञापन, जिसके बारे में अमेरिका के सवाल उठाने पर स्पष्टीकरण दिया गया कि वह दरअसल ऑस्टिन कंसल्टिंग ग्रुप के साथ किया गया था। अमेरिका ने साफ किया था कि इस नाम का कोई विश्वविद्यालय और छात्र वहां नहीं हैं। परंतु मोटे तौर पर आदित्यनाथ सरकार विकास की एक रणनीति लागू करने का प्रयास कर रही है।

विपक्षी गठबंधन में एक दूसरे को नीचा दिखाने की राजनीति

अजय सेतिया

बंगाल में कांग्रेस-तृणमूल कांग्रेस में खुली जंग हो रही है। दोनों पार्टियों के नेता एक दूसरे के खिलाफ गंभीर आरोप लगा रहे हैं। पंजाब में कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के साथ चुनाव गठबंधन से इंकार किया तो आम आदमी पार्टी की सरकार ने कांग्रेस के एक विधायक को नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में मध्यप्रदेश और राजस्थान को लेकर भी सिर फुटौवल चल रही है। शरद पवार इस सब से चिंतित हैं। उन्होंने कहा है कि अगर मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी - कांग्रेस का समझौता नहीं हुआ, तो इंडी एलायंस की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होंगे। हालांकि वह बंगाल को लेकर इतने चिंतित नहीं हैं, जहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी आए दिन ममता बनर्जी और उनके भतीजे के खिलाफ बयान दे रहे हैं। शरद पवार का कहना है कि जब चुनाव सामने आएगा, तब इन समस्याओं पर काबू पा लिया जाएगा। सच्चाई यह है कि बंगाल में इंडी एलायंस के तीनों दलों में खुली जंग चल रही है। अभी अधीर रंजन ने आरोप लगा दिया कि ममता बनर्जी स्पेन में तीन लाख रुपए दैनिक किराए वाले होटल में ठहरी हुई हैं। ममता बनर्जी हालांकि अधीर रंजन के बयानों की ज्यादा परवाह नहीं करतीं, लेकिन वह जानती हैं कि ऊपरी आदेश के बिना वह ऐसी बयानबाजी नहीं कर रहे होंगे। इसलिए ममता बनर्जी ने भी बंगाल में कांग्रेस को उसकी हैसियत दिखाने की ठान ली है।

ममता बनर्जी ने कांग्रेस को बता दिया है कि वह उसके लिए बंगाल में लोकसभा की चार सीटें छोड़ सकती है। अब उसमें से वह एक या दो वामपंथियों को देना चाहे तो दे दे, वह उन सीटों पर वामपंथियों के सामने उम्मीदवार खडा नहीं करेंगी। लेकिन वह वामपंथियों के साथ गठबंधन के लिए सीधे कोई बात नहीं करेंगी। पिछले लोकसभा चुनाव में वामपंथियों को भले ही एक भी सीट नहीं मिली, और भले ही कांग्रेस को दो सीटें मिल गईं थी, लेकिन वोट वामपंथियों को ज्यादा मिले थे। वामपंथियों को 35 लाख 94 हजार वोट मिले, जबकि कांग्रेस को 32 लाख 10 हजार वोट मिले थे। हालांकि वामपंथी भी ममता बनर्जी से गठबंधन की बात नहीं करना चाहते थे, लेकिन ममता बनर्जी ने कांग्रेस के खाते से एक-दो सीटों की जो पेशकश की है, उसे ठुकरा दिया है।

वामपंथियों ने कांग्रेस को बता दिया है कि वे केरल और बंगाल में अकेले चुनाव मैदान में उतरेंगे। केरल में कांग्रेस और वामपंथियों में आमने सामने की टक्कर है, इसलिए गठबंधन का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। हां, रणनीतिक एलायंस हो सकता है कि जहां कांग्रेस के जीतने की संभावना ज्यादा हो, वहां वामपंथी प्रतीकात्मक उम्मीदवार खड़ा करे और जहां वामपंथियों के जीतने की संभावना हो, तो वहां कांग्रेस प्रतीकात्मक उम्मीदवार खड़ा करे। इस तरह की रणनीति अपने समर्थकों और आम जनता को मूर्ख बनाने के लिए अपनाई जाती है। इसके उलट बंगाल में कांग्रेस और वामपंथी एक दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार खड़ा नहीं करेंगे, लेकिन कई जगहों पर उनके उम्मीदवारों की तृणमूल कांग्रेस के

उम्मीदवारों से टक्कर जरुर होगी। केरल में तो भाजपा के पास एक भी सीट नहीं है, लेकिन बंगाल में 18 लोकसभा सीटों के साथ भाजपा दूसरे नंबर की पार्टी है, जहां उसके सामने विपक्ष के साझा उम्मीदवारों की संभावना बिलकुल नहीं दिखती। इंडी गठबंधन का मकसद भाजपा के सामने एक उम्मीदवार खड़ा करना था। यानि बंगाल की 42 सीटों को इसमें से बाहर किया जा रहा है।

सबसे दिलचस्प खेल पंजाब में शुरू हुआ है। जहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और विधायक दल के नेता ने कांग्रेस आलाकमान के आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन के निर्देश को ही मानने से इंकार कर दिया है। आम आदमी पार्टी और केजरीवाल केंद्र सरकार पर अपने विरोधियों के खिलाफ सीबीआई और ईडी का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते नहीं थकते, उन्हीं केजरीवाल ने कांग्रेस को बातचीत की टेबल पर लाने के लिए कांग्रेस के विधायक सुखपाल सिंह खेड़ा को गिरफ्तार कर लिया। कांग्रेस विधायक को गिरफ्तार करने का तरीका भी पूरी तरह अवैध था। उन्हें पंजाब पुलिस ने चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया, जबकि चंडीगढ़ पुलिस साथ नहीं थी। इससे पहले पंजाब में सरकार बनते ही जब अरविन्द केजरीवाल ने पंजाब पुलिस को दिल्ली के भाजपा नेता तेजेंद्र पाल सिंह बग्गा को गिरफ्तार करने भेज दिया था और पंजाब पुलिस उसे गिरफ्तार करके ले भी गई थी, तब पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब पुलिस को फटकार लगाई थी। इसके बावजूद पंजाब पुलिस ने वही रवैया अपनाया। वह चंडीगढ़ पुलिस को सूचित किए बिना कांग्रेस के विधायक सुखपाल सिंह खेड़ा को गिरफ्तार कर पंजाब ले गई। जहां जलालाबाद की एक कोर्ट ने उन्हें 30 सितबंर तक पुलिस रिमांड दे दिया।

कांग्रेस के विधायक को 8 साल पुराने नशीली दवाओं की तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में निचली अदालत ने उन्हें 9 अन्यों के साथ दोषी करार दिया था, लेकिन हाईकोर्ट ने फैसले पर रोक लगा दी थी। केजरीवाल ने कांग्रेस विधायक की गिरफ्तारी पर कहा कि भगवंत सिंह मान पंजाब में नशीले पदार्थों की तस्करी को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जबकि कांग्रेस विधायक खेड़ा का दावा है कि इस मामले में उन्हें सुप्रीमकोर्ट से राहत मिल चुकी थी, नया केस बना कर उन्हें फंसाया गया है। खेड़ा और प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने यह भी कहा है कि केजरीवाल ने पंजाब कांग्रेस पर दबाव बनाने के लिए उन्हें गिरफ्तार करवाया है। लेकिन यह बात अब स्थानीय स्तर की नहीं रह गई है। प्रदेश कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यापाल से मिल कर पंजाब सरकार पर पुलिस का राजनीतिक दुरूपयोग करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी कह दिया है कि कांग्रेस केजरीवाल की इन हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगी। यानि बंगाल में ममता के बाद कांग्रेस का दिल्ली और पंजाब में केजरीवाल के साथ भी तालमेल बिगड़ रहा है।

अब हम बिहार पर आते हैं, जहां की 40 सीटों पर सबसे ज्यादा घमासान मचा हुआ है। लालू यादव और नीतीश कुमार की दो बैठकें हो चुकी हैं। नीतीश कुमार उन 16 सीटों में से कोई सीट छोड़ने को तैयार नहीं, जो जेडीयू ने 2019 में भाजपा के साथ गठबंधन के चलते जीती थीं। 2019 में भाजपा और जेडीयू गठबंधन ने 17-17 सीटें लड़ीं थीं। 28 सितंबर को हुई दूसरी मीटिंग में लालू यादव और नीतीश कुमार में 16-16 सीटें लड़ने और बाकी की 8 सीटें सहयोगियों के लिए छोड़ने की सहमति तो बनी, लेकिन लालू यादव जेडीयू को उसकी 2019 में जीती हुई सभी सीटें देने को तैयार नहीं हैं। वे जेडीयू से उसकी जीती हुई सीतामढी, मधेपुरा, गोपालगंज, सीवान और भागलपुर सीटें राजद के लिए छोड़ने और उसके बदले दूसरी सीटें लेने का दबाव बना रहे हैं। एक तरफ राजद और जेडीयू में सीटों के बंटवारे पर अडंगा फंसा हुआ है, तो दूसरी तरफ इन दोनों की ओर से छोडी गई सिर्फ 8 सीटों पर कांग्रेस और वामपंथी सहमत नहीं हैं। कांग्रेस और वामपंथी दस दस सीटों की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस और वामपंथियों का फार्मूला यह है कि सभी दस दस सीटों पर चुनाव लड़ें, जिस पर लालू और नीतीश कुमार सहमत नहीं हैं। 2019 में राजद को भले ही एक भी सीट नहीं मिली थी, लेकिन उसे 4.74 प्रतिशत गिरावट के बावजूद 15.36 प्रतिशत वोट मिले थे।

पितरों के लिए श्राद्ध कर्म में करें शुभ काम

पितृ पक्ष 14 अक्टूबर तक रहेगा। पितृ पक्ष का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। पितृ पक्ष में पितरों का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पूजन किया जाता है। पितृ पक्ष में पितरों के प्रति आदर-भाव प्रकट किा जाता है। पितृ पक्ष या श्राद्ध करीब 16 दिनों के होते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि पितृ पक्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से शुरू होते हैं और आश्विन मास की अमावस्या को समापन होता है। शास्त्रों अनुसार श्राद्ध पक्ष भाद्रमास की पूर्णिमा से आरंभ होकर आश्विन मास की अमावस्या तक चलते हैं। मान्यता है कि मृत्यु के देवता यमराज श्राद्ध पक्ष में पितरों को मुक्त कर देते हैं, ताकि वे स्वजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। मान्यता है कि पितृ पक्ष में पूजा करने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि गरुड़ पुराण में भगवान विष्णु ने गरुड़ देव को पितृ पक्ष का महत्व बताया था। महाभारत के अनुशासन पर्व में भीष्म पितामह और युधिष्ठिर के संवाद बताए गए हैं। इन संवादों में भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को बताया था कि श्राद्ध कर्म की शुरुआत कैसे हुई? भीष्म पितामह ने बताया था कि प्राचीन समय में सबसे पहले महर्षि निमि को अत्रि मुनि ने श्राद्ध का ज्ञान दिया था। इसके बाद निमि ऋषि ने श्राद्ध किया और उनके बाद अन्य ऋषियों ने भी श्राद्ध कर्म शुरू कर दिए। इसके बाद श्राद्ध कर्म करने की परंपरा प्रचलित हो गई।

श्राद्ध, पिंडदान और तर्पण का अर्थ

पितृ पक्ष में घर-परिवार के मृत पूर्वजों को श्रद्धा से याद किया जाता है, इसे ही श्राद्ध कहा जाता है। पिंडदान करने का मतलब ये है कि हम पितरों के लिए भोजन दान कर रहे हैं। तर्पण करने का अर्थ यह है कि हम जल का दान कर रहे हैं। इस तरह पितृ पक्ष में इन तीनों कामों का महत्व है। पितृ पक्ष में किसी गौशाला में गायों के लिए हरी घास और उनकी देखभाल के लिए धन का दान करना चाहिए। किसी तालाब में मछलियों को आटे की गोलियां बनाकर खिलाएं। घर के आसपास कुत्तों को भी रोटी खिलानी चाहिए। इनके साथ ही कौओं के लिए भी घर की छत पर भोजन रखना चाहिए। जरूरतमंद लोगों को भोजन खिलाएं। किसी मंदिर में पूजन सामग्री भेंट करें। इन दिनों भागवत गीता का पाठ करना चाहिए।

भोजन के पांच अंश

पितृपक्ष शुरू हो चुके है और ऐसा माना जाता है कि इस दौरान हमारे पितर धरती पर आकर हमें आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हमारे पितृ पशु पक्षियों के माध्यम से हमारे निकट आते हैं और गाय, कुत्ता, कौवा और चींटी के माध्यम से पितृ आहार ग्रहण करते हैं।

श्राद्ध के समय पितरों के लिए भी आहार का एक अंश निकाला जाता है, तभी श्राद्ध कर्म पूरा होता है। श्राद्ध करते समय पितरों को अर्पित करने वाले भोजन के पांच अंश निकाले जाते हैं गाय, कुत्ता, चींटी, कौवा और देवताओं के लिए।

कुत्ता जल तत्त्व का प्रतीक है, चींटी अग्नि तत्व का, कौवा वायु तत्व का, गाय पृथ्वी तत्व का और देवता आकाश तत्व का प्रतीक हैं। इस प्रकार इन पांचों को आहार देकर हम पंच तत्वों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। केवल गाय में ही एक साथ पांच तत्व पाए जाते हैं। इसलिए पितृ पक्ष में गाय की सेवा विशेष फलदाई होती है।

इन वस्तुओ का करे दान:-

1. **गाय का दान-** धार्मिक दृष्टि से गाय का दान सभी दानों में श्रेष्ठ माना जाता है, लेकिन श्राद्ध पक्ष में किया गया गाय का दान हर सुख और धन-संपत्ति देने वाला माना गया है।
2. **तिल का दान-** श्राद्ध के हर कर्म में तिल का महत्व है। इसी तरह श्राद्ध में दान की दृष्टि से काले तिलों का दान संकट, विपदाओं से रक्षा करता है।
3. **घी का दान-** श्राद्ध में गाय का घी एक पात्र (बर्तन) में रखकर दान करना परिवार के लिए शुभ और मंगलकारी माना जाता है।
4. **अनाज का दान-** अन्नदान में गेहूं, चावल का दान करना चाहिए। इनके अभाव में कोई दूसरा अनाज भी दान किया जा सकता है। यह दान संकल्प सहित करने पर मनोवांछित फल देता है।
5. **भूमि दान-** अगर आप आर्थिक रूप से संपन्न हैं तो श्राद्ध पक्ष में किसी कमजोर या गरीब व्यक्ति को भूमि का दान आपको संपत्ति और संतान लाभ देता है। किंतु अगर यह संभव न हो तो भूमि के स्थान पर मिट्टी के कुछ ढेले दान करने के लिए थाली में रखकर किसी ब्राह्मण को दान कर सकते हैं।
6. **वस्त्रों का दान-** इस दान में धोती और दुपट्टा सहित दो वस्त्रों के दान का महत्व है। यह वस्त्र नए और स्वच्छ होना चाहिए।
7. **सोने का दान-** सोने का दान कलह का नाश करता है। किंतु अगर सोने का दान संभव न हो तो सोने के दान के निमित्त यथाशक्ति धन दान भी कर सकते हैं।
8. **चांदी का दान-** पितरों के आशीर्वाद और संतुष्टि के लिए चांदी का दान बहुत प्रभावकारी माना गया है।
9. **गुड़ का दान-** गुड़ का दान पूर्वजों के आशीर्वाद से कलह और दरिद्रता का नाश कर धन और सुख देने वाला माना गया है।
10. **नमक का दान-** पितरों की प्रसन्नता के लिए नमक का दान बहुत महत्व रखता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान
जयपुर - जोधपुर (राजस्थान)
मो. 9460872809

महराणा वाली माता, जो हर लेती है भक्तों की पीड़ा

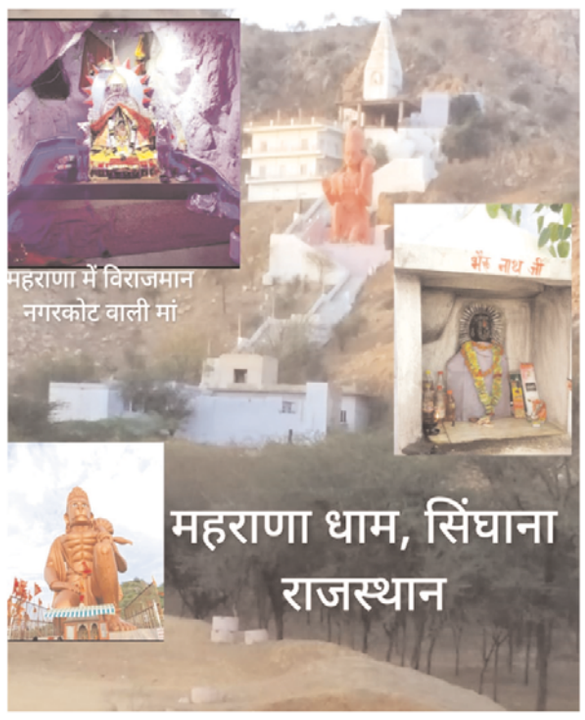

कहते हैं जहाँ माता विराजमान है उसके पीछे एक सुरंग है जो महराणा से नगरकोट तक जाती है। नवरात्रि में माता के दरबार में विशेष भीड रहती ही है इसके अलावा मां के भक्त वर्ष भर यहाँ आते रहते हैं। पहाडीं पर करीब 1 किलोमीटर तक सफर तय करके भी मां के भक्त आनन्दित होते हैं।

आदिशक्ति मां देवी के अनेकोनेक मंदिर भारतवर्ष में एक से बढकर एक है। कई जगह माता अपने नाम से नहीं जिस गांव में विराजमान है उसी नाम से पूजा जाता है दहमी वाली मां, जिलानी वाली मां, तातीजा वाली मां और भी बहुत से नाम है जो गांव के नाम से ही प्रसिद्ध है।

राजस्थान के झुंझुनू जिला अंतर्गत गांव महराणा में भी मां नगरकोट वाली का दिव्य व भव्य दरबार है जहां पर आसपास के ही नहीं बल्कि पूरे भारत वर्ष के श्रद्धालुगण इस दरबार में धोक लगाकर अपनी हाजरी लगाते हैं।

अरावली पर्वतमाला के अंतिम छोर पर स्थापित इस मंदिर का इतिहास भी अलौकिक व अद्भुत है।

कहाँ जाता है आज से एक हजार वर्ष पुराने इस मंदिर मां स्वयं भू रुप से प्रकट हुई उसके उपरांत माता ने इसी क्षेत्र में रह कर अपनी लीलाएं की।

जनश्रुति है कि गांव के गौ वाले अपने गौवंश को चराने के लिए यहाँ जाते थे पहले यह क्षेत्र बहुत बियाबान था, एक गाय जो दुधारू थी वह नित्य प्रतिदिन उसी स्थान पर चरने जाती तो उसके थनों से अपने आप दूध निकलता और एक चट्टान पर गिरता लेकिन वह दूध दिखाई नहीं देता कि कहां जा रहा है। गौपालक जब घर जाता तो गांय दूध नहीं देती इस प्रकार पांच छ दिन बीत गये एक दिन वह गौ चरवाहे ने उस गाय के पीछे ही रहा निर्धारित समय पर वही घटना फिर घटित हुई। जब एक बड़ी शीला के बीच में दरार हुई और पूरा दूध उसी में चला गया। पहले तो चरवाहा डर गया परंतु फिर हिम्मत करके अपने गांव के लोगों पूरी घटना के बारे में बताया। पहले तो ग्रामीणों उसकी बात पर विश्वास नहीं किया परंतु अगले दिन कुछ महिला व पुरुष वहाँ पहुंचे तो देखा कि गाय वही खडी है और उसके थनों से दूध निकल रहा है, पत्थर की शीला में दरार आई और दूध की धार वही समाने लगी। तभी ग्रामीणों ने प्रार्थना की कि आप कौन है और कहाँ से आई, आप देवता है या दानव। तब उस अदृश्य शक्ति ने अपना परिचय देते हुए कहा कि में नगरकोट वाली माता बगलामुखी हूं और अब मैं स्थान पर रहूंगी। मान्यता है कि गुरु गौरक्षनाथ की प्रेरणा से माता ने यहाँ स्वीकार किया। मां की अद्भुत लिया देख भक्तों ने वहां पूजा अर्चना शुरु कर दी।

कालांतर में सिघांना कस्बे के साधन संपन्न सेठ को इस बात का पता लगा तो वो नंगे पर मां के दरबार पहुंचा और विनती की कि उसके बेटे को ठीक कर दें तो वह यथाशक्ति माता का मंदिर बनायेंगा।

उसका बेटा जन्मजात अंधा थी। एक दिन वह सेठ अपने बेटे को साथ लेकर मां के दरबार में पहुंचकर विधिविधान से पूजा की और अपनी मन्नत मां महराणा वाली के श्रीचरणों में भेंट की। जब वह वापस उतरने लगा तो उसके बेटे को पहली ही सीढ़ी पर ठोकर लगी और उसके सिर से खून बहने लगा सेठ घबरा गया लेकिन मां कि यह लीला थी उसका जन्मजात से अंधा बेटा देखने लगा। सेठ ने उसी समय जो उस जमाने में होता था एक मां का मंड व दो छोटे कमरे बनवाये। इस तरह से महराणा वाली माता की ख्याति फैल गई। आज उसी स्थान पर भव्य मंदिर बना है।

कहते हैं कि मां जहाँ पर विराजमान है उसके पिछे एक सुरंग है जो हिमाचल के नगरकोट तक जाती है।

नवरात्रि के दौरान यहाँ एक विशाल मेले का आयोजन भी होता है जहाँ माता के भक्त जात-जडुला करने आते हैं।

प्रस्तुति : मनोज शर्मा
मो. 86391 30737

चाहते हैं कर्ज से मुक्त होना तो करें यह उपाय, तनाव से मिलेगी मुक्ति

जीवन में हर कोई धन-सम्पत्ति और पैसा कमाना चाहता है ताकि कभी भी जरूरत पड़ने पर किसी के आगे हाथ ना फैलाने पड़े। लेकिन कई बार जीवन में ऐसी स्थिति बन जाती है कि इंसान को अपनी जरूरत के लिए कर्ज लेना पड़ जाता है। लेकिन महंगाई के इस दौर में उस कर्ज की समय पर भरपाई करना कोई आसान काम नहीं हैं। कई बार यह कर्ज एक आफत बन जाता हैं और बोझ बनने लगता है। कई बार कर्ज के कारण व्यक्ति को मानसिक तनाव होने लगता है। मंगलवार के दिन भगवान हनुमान जी की पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। मंगलवार के दिन मंदिर जाकर बजरंबली के दर्शन और उन्हें सिंदूर, बेसन के लडडू समेत अन्य पूजा सामग्री चढ़ाने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

इसके अलावा कुछ विशेष उपाय करके आप कर्ज के साथ ही मंगल से जुड़ी अन्य परेशानियों से कैसे छुटकारा पा सकते हैं। अलग-अलग समस्याओं के लिए कौनसे उपाय को करना चाहिए। ऐसे में आज हम आपके लिए कुछ ऐसे उपाय लेकर आए हैं जो आपके ग्रहों की स्थिति को संतुलित करते हुए कर्ज से मुक्ति दिलाने का काम करते हैं। आइये जानते हैं कर्ज मुक्ति के लिए आजमाए जाने वाले इन उपायों के बारे में...

घर के मुख्य दरवाजे का उपाय

अपने घर के मुख्य दरवाजे पर हरे रंग के

गणपति की 2 प्रतिमा लगाएं, प्रतिमा को इस तरह से लगाएं कि दोनों प्रतिमाओं की पीठ एक दूसरे की ओर हो, जिससे पीठ की तरफ से गणेश जी के दर्शन न हो। वास्तु के अनुसार अपने घर के ईशान कोण को स्वच्छ रखें।

माता लक्ष्मी की करें पूजा

माता लक्ष्मी आपको कर्ज से मुक्ति दिलवाएंगी। इसके लिए आपको मां की सफेद चीज जैसे चावल से बनी खीर और दूध से बने पकवानों का भोग लगाएं। फिर इस भोग को घर में सबसे बड़ी महिला को आदर समेत खिलाएं और सभी को प्रसाद के रूप में दें और स्वयं भी खाएं। घर पर लक्ष्मी माता की कृपा होगी और धीरे-धीरे आपका पूरा कर्ज उतर जाएगा।

हनुमान मंदिर में दीपक

जो व्यक्ति अधिक कर्ज में डूबा है वह शुक्ल पक्ष के किसी भी मंगलवार की रात हनुमान मंदिर में जाकर दो दीपक जलाएं। पहला एक छोटा दीपक देसी घी में, दूसरा 9 बत्तियों वाला बड़ा दीपक सरसों के तेल में 2 लौंग डालकर जलाएं। ध्यान रहे यह दीपक रात भर जलता रहे। छोटा दीपक अपनी दाहिनी तरफ रखें और बड़ा दीपक हनुमान जी के सामने रखें। ये उपाय 5 मंगलवार तक करें।

जौं का उपाय

रात्रि में अपने सिरहाने एक बर्तन में जौं भरकर रख दें। सुबह उठकर स्नानादि करने के पश्चात जौं को किसी जरूरतमंद को दान कर दें। ऐसा करने से धीरे-धीरे धन संबंधी समस्याओं का अंत होने लगता है। कर्ज से मुक्ति के साथ ही आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है।

ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर में करें पूजा

अगर आप कर्ज या फिर लोन से परेशान हैं तो उज्जैन के ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर की यात्रा कर सकते हैं। मान्यता है कि यहां पीली पूजा से व्यक्ति को ऋणों से मुक्ति मिलती है। पीली पूजा से तात्पर्य है कि पूजा में पीले वस्त्र में चने की दाल, पीला पुष्प, हल्दी की गांठ और थोड़ा सा गुड़ बांधकर जलधारी पर अपनी मनोकामना के साथ अर्पित करें। चूंकि पूजा में प्रयोग की जाने वाली चीजें पीले रंग की होती हैं इसलिए इन्हें पीली पूजा कहते हैं।

पीपल के उपाय

कर्ज की चिंता से ज्यादा परेशान हैं तो शनिवार की शाम पीपल का पेड़ के नीचे आटे का एक चौमुख दीप सरसों तेल डालकर जलाएं। फिर भगवान से कर्ज से मुक्ति के लिए प्रार्थना करें। माना जाता है कि शनिवार को पीपल पर सभी देवी-देवताओं का वास होता है, इससे मनोकामनाएं पूरी होती है। ऐसा शास्त्रों का मत है।

प्रतिदिन स्नान के बाद करें ये 5 काम, कोसों दूर रहेगा दुःख

हिंदू धर्म में वैसे तो कुल 18 महा-पुराण हैं, लेकिन गरुड़ पुराण इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें बताई गई हर बात भगवान विष्णु द्वारा कही गई है। वाहन पक्षीराज गरुड़ ने भगवान से जीवन-मरण को लेकर कई गूढ़ प्रश्न किए, जिसका सविस्तार उत्तर विष्णु जी ने दिया। इन्हीं प्रश्नों और उत्तरों का संचय गरुड़ पुराण में मिलता है और इसे 18 महापुराणों में एक माना गया है।

विष्णुरेकादशी गंगा
तुलसीविप्रधेवन।
असारे दुर्गसंसारे षट्पदी
मुक्तिदायिनी।।

इस श्लोक में भगवान श्रीहरि विष्णु प्रतिदिन स्नान के बाद ऐसे 5 कामों के बारे में बताते हैं जो हर व्यक्ति को करनी चाहिए। ऐसा करने से जीवन में सफलता के नए मार्ग प्रशस्त होते हैं और परेशानियां कोसों दूर रहती है। जानते हैं इन कामों के बारे में।

भगवान विष्णु: गरुड़ पुराण में बताया गया है कि, यदि आप जीवन और जीवन के बाद भी सुख चाहते हैं तो प्रतिदिन स्नान के बाद भगवान विष्णु जी की अराधना जरूर करें। नियमित तौर पर भगवान विष्णु की पूजा करने से जीवन के समस्त दुखों का बेड़ा पार हो जाता है। साथ ही इससे हर काम में सफलता मिलती है।

तुलसी पूजन: हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बहुत ही पवित्र माना गया है। जहां तुलसी का पौधा होता है, वहां कभी नकारात्मक ऊर्जा नहीं रहती। क्योंकि इस पौधे में मां लक्ष्मी का वास होता है। इसलिए प्रतिदिन स्नान के बाद तुलसी पूजन जरूर करें और संध्या में तुलसी के दीप जरूर जलाएं। ऐसा करने आपको मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु दोनों का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

गंगा नदी: हिंदू धर्म में गंगा नदी को पावन और मोक्षदायिनी कहा गया है। गंगा को देवी और मां का दर्जा प्राप्त है। इसलिए कभी भी गंगा नदी या गंगाजल का अपमान नहीं करें। प्रतिदिन स्नान करने के जल में गंगाजल मिलाकर स्नान करें और जब भी मौका मिले गंगा नदी में स्नान जरूर करें। ऐसा करने से पाप कर्मों से मुक्ति मिलती है और रोग-दोष दूर हो जात हैं।

गाय की पूजा: गाय को हिंदू धर्म में पवित्र पशु माना गया है। मान्यता है कि गाय में समस्त देवी-देवताओं का वास होता है। इसलिए गाय की पूजा भी जरूर करें। शास्त्रों में कहा गया है कि, मात्र गो माता के दर्शन से ही व्यक्ति के पाप खत्म हो जाते हैं।

ज्ञानी व्यक्ति: देवी-देवताओं के साथ ही हिंदू धर्म में ज्ञानी व्यक्ति के आदर सम्मान की बात कही गई है। पुरोहित, पंडित, ब्राह्मण, गुरु या ज्ञानी व्यक्ति का कभी अपमान न करें। इनसे हमेशा ज्ञान, धर्म और सत्कर्म की सीख लें। इनके आशीर्वाद से आपका जीवन सफल हो जाएगा।

हिन्दू धर्म में बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है स्वस्तिक

कई चिह्नों को धर्म ज्योतिष सहित अनेक जगहों पर अति विशेष माना गया है, ऐसा ही एक चिह्न स्वस्तिक भी है। यहां ये भी जान लें कि स्वस्तिक चिह्न को शुभ और मांगलिक माना गया है। ऐसे में किसी भी तरह के मांगलिक कार्यों से पहले स्वस्तिक चिह्न बनाया जाता है। रोली या सिंदूर से स्व-स्तिक का निशान किसी भी नए वाहन, घर के मुख्य दरवाजे और पूजा की थाली आदि पर भी बनाया जाता है।

ऋग्वेद की बात करें, तो इसमें स्वस्तिक को सूर्य का प्रतीक माना गया है और इसकी 4 भुजाओं को चार दिशाए बताया गया है। इस चिह्न का संबंध सुख-समृद्धि से भी होता है। माना जाता है यदि इस चिह्न को बनाकर कार्य की शुरुआत की जाती है, तो इससे कार्य बिना किसी बाधा के संपन्न होता है। स्व-

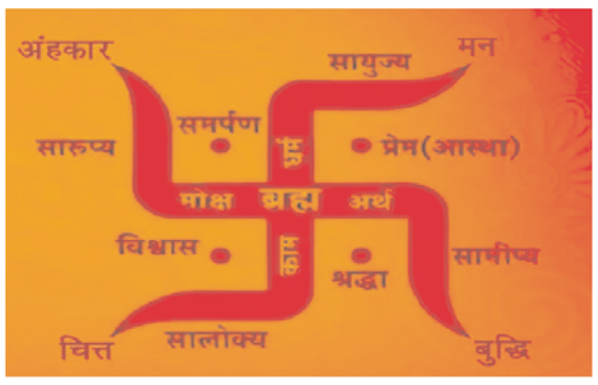

स्तिक की संरचना गणित के धन चिन्ह यानी जोड़ को दर्शाती है। स्व-स्तिक 27 नक्षत्रों को संतुलित कर सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है।

स्वस्तिक का अर्थ

स्वस्तिक को भगवान श्रीगणेश का प्रतीक माना गया है। स्वस्तिक संस्कृत के धातु के स्व-अस से निर्मित एक स्वर्णिम शब्द है जिसमें मस्वफका अर्थ सुंदरता, श्रेष्ठता एवं सतोगुण से है, तो वहीं दूसरी ओर मअसफ धातु का अर्थ अस्तित्व, उपस्थिति से है।

कुल मिलाकर जिसके अंदर स्व एवं अस का समावेश हो जाता है, वह स्वस्तिक है। जो व्यक्ति अपने अंदर श्रेष्ठता एवं सतोगुण के अस्तित्व को धारण कर लेता है, वह व्यक्ति स्वस्तिक के समान हो जाता है।

स्वस्तिक दो रेखाओं को काटती हुई आकृति जिसके चारों सिरे से बाहर की तरफ उभरती अन्य चार सिराओं वाली आकृति है जो अनेकों शुभ गुणों एवं गूढ़ रहस्य को अपने अंदर समाहित किए हैं। यह अत्यंत ही प्रायोगिक एवं सनातनी प्रतीक है।

स्वस्तिक को सीधे एवं सामान्य तौर पर कल्याणकारी यानी कल्याण के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया जा सकता है। हमारे हिंदू धर्म में स्वस्तिक का प्रचलन आदिकाल से ही है। वैदिक काल में स्वस्तिक के होने के अनेकों प्रमाण मिलते हैं। माना जाता है कि हर शुभ कर्म हेतु वैदिक काल में स्वस्तिक का प्रयोग किया जाता था।

साथ ही हर घर के बाहर दरवाजे के पास स्वस्तिक का निशान शुभ-लाभ के साथ अंकित किया जाता था।धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का प्रतीकस्वस्तिक के मध्य भाग को विष्णु की कमल नाभि और रेखाओं को ब्रह्माजी के चार मुख, चार हाथ और चार वेदों के रूप में भी निरूपित किया जाता है। कई ग्रंथों में स्वस्तिक को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का प्रतीक भी माना गया है। अमरकोश में मस्वस्तिकफ का अर्थ आशीर्वाद, मंगल या पुण्यकार्य करना लिखा है। अमरकोश के शब्द हैं - स्वस्तिक, सर्वतोऋ द्धश् अर्थात् सभी दिशाओं में सबका कल्याण हो। मफस्व-स्तिकफऋशब्द की निरुक्ति है मस्व-स्तिक क्षेम कायति, इति स्वस्तिक:फ अर्थात् कुशलक्षेम या कल्याण का प्रतीक ही स्व-स्तिक है। सिद्धान्त सार ग्रन्थ में इसे विश्व ब्रह्माण्ड का प्रतीक चित्र माना गया है।

बुलंद रहे धर्म की पताका

धर्म एक आदत के समान है। इसका स्वयं पालन करना आवश्यक है, लेकिन दूसरों को पालन करवाने के लिए ज़बरदस्तीकरना नहीं चाहिए। धर्म का विस्तार धर्म के अनुसार ही होना आवश्यक है यदि आप धर्म के विस्तार के लिए अधर्म कर रहे हैं तो आपका धर्म पहले ही नष्ट हो चुका है। धर्म का अर्थ है आत्मा का परमात्मा से मिलन। जिस समाज में धार्मिक व्यक्ति निवास करते हैं वहाँ अधर्म अपने आप समाप्त हो जाता है। धर्म व्यक्ति के मष्तिष्क से मोह-माया को समाप्त कर उन्हें जीवन के निर्मल अर्थ से अवगत करवाता है। धर्म विश्वास पर आधारित है कृपया इसका आधार अंधविश्वास को ना बनाएँ। धर्म की उत्पत्ति मानव कल्याण के लिए हुई है मानव हानि के लिए नहीं। अपने कर्त्तव्य का ईमानदारी से पालन करना ही अपने धर्म को निभाना है। मानव धर्म सभी धर्मों से ऊपर है। उपरोक्त बातों पर गहन विचार करने के बाद हमें लगा कि आज-कल के भाग-दौड़ भरे जीवन में पर्व और तिथियाँ याद रखना चुनौती बन गया है। इसलिए आपकी चुनौती का समाधान करने का बीडा हमने उठाया है। इसके तहत पाठकों को प्रतिदिन के व्रत-त्योहार की जानकारियाँ एक जगह समेट कर आपके समक्ष प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी हम उठा रहे हैं।

– संजना अग्रवाल

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री ने स्वच्छता अभियान के तहत दिया श्रम दान

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार 1 अक्टूबर को स्वच्छता अभियान पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो पोस्ट किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत श्रमदान किया है। इस वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रमदान करते हुए दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के सोनीपत में रेसलर और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर अंकित बैयनपुरिया के साथ मिलकर सफाई अभियान में अपना सहयोग दिया है। अंकित बैयनपुरिया 75 डे हार्ड चैलेंज को पूरा करने वाले इनफ्लुएंसर हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने उसी वर्ष 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के मौके पर स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की थी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अपील की थी कि अपने आसपास की जगह को साफ रखने में मदद करें। इसके साथ ही पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर सजग रहने की अपील भी की गई थी।

राहुल गांधी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

नईदिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ सकती हैं। राजधानी लखनऊ में उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे से संबंधित याचिका को जिला एवं सत्र न्यायाधीश अश्विनी कुमार त्रिपाठी ने स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही अदालत से केरल की वायनाड लोकसभा सीट से सांसद राहुल गांधी को नोटिस भेजा गया है। वहीं इस प्रकरण को एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश के न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया है। एक नवंबर को सुनवाई होगी। अब कोर्ट में होनी वाली सुनवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। प्रकरण के मुताबिक कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के विरुद्ध दाखिल आपराधिक परिवाद को खारिज किए जाने के निचली अदालत के आदेश के विरुद्ध जिला एवं सत्र न्यायाधीश अश्विनी कुमार त्रिपाठी के समक्ष आपराधिक निगरानी दायर की गई है। दरअसल परिवादी नृपेंद्र पाण्डेय ने राहुल गांधी पर आरोप लगाते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तृतीय के समक्ष एक परिवाद दाखिल किया था।

बसपा ने गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के साथ किया गठबंधन

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी पार्टी भाजपा और विपक्ष दल कांग्रेस को चुनौती देते हुए मैदान में उतरी बहुजन समाज पार्टी ने अपनी खेमेबंदी को मजबूत करते हुए गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) के साथ चुनावी गठबंधन की घोषणा की है। सूत्रों के अनुसार बसपा के राज्यसभा सदस्य रामजी गौतम और जीजीपी के महासचिव बलबीर सिंह तोमर ने बीते शनिवार को भोपाल में पत्रकार वार्ता करते हुए कहा कि बसपा राज्य की 230 सीटों में 178 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि जीजीपी 52 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने कहा, आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा और जीजीपी का लक्ष्य है कि मध्य प्रदेश में दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को खत्म करते हुए गठबंधन की सरकार बनाई जाए। दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से कहा, बसपा और जीजीपी का उद्देश्य है कि सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी कांग्रेस के तानाशाही और पूंजीवादी शासन से मध्य प्रदेश की जनता को राहत मिले।

केसीआर ने मोदी के कार्यक्रम से छठी बार काटी कन्नी

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को तेलंगाना का दौरा करने जा रहे हैं। इस बीच खबर आ रही है कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) प्रोटोकॉल तोड़ते हुए प्रधानमंत्री मोदी की अगवानी नहीं करेंगे और न ही उनके कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। सूत्रों के अनुसार तेलंगाना में केसीआर सरकार के मंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठ नेता नेता तलसानी श्रीनिवास यादव मुख्यमंत्री की जगह पर पीएम मोदी का स्वागत करेंगे और उनके कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इस मामले में सबसे दिलचसप बात यह है कि ऐसा लगातार छठी बार हो रहा है, जब मुख्यमंत्री केसीआर ने पीएम मोदी के कार्यक्रम से कन्नी काट ली है। आखिरी बार वो फरवरी 2022 में पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल हुए थे।इससे पहले बीते अप्रैल में मुख्यमंत्री राव ने प्रधानमंत्री से संबंधित प्रोटोकॉल तोड़ा था और आमंत्रित किए जाने के बावजूद पीएम के कार्यक्रम में नहीं गये और न ही उनकी अगवानी में एयरपोर्ट पहुंचे थे।

नवरात्रि में करेंगे उम्मीदवारों की घोषणा : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 के लिए वीआईपी सीटों पर उम्मीदवारों के नाम की घोषणा नवरात्रि पर की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि आने वाले चुनाव में केंद्र से भाजपा की विदाई तय है। अखिलेश यादव ने लखनऊ में कहा कि सच्चाई यही है कि बहुजन समाज जिस दल के साथ खड़ा हो जाता है, उस दल की सत्ता बन जाती है। आज आंकड़े बताते हैं पिछड़े दलित और खासकर अल्पसंख्यक मुसलमान भाई हर जगह पीछे हैं। आज हर समाज के लोग कह रहे हैं कि जातीय जनगणना हो और आबादी के हिसाब से हक और सम्मान मिले। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है जिस समय समाज पढ़ा लिखा बनेगा जातियां भी टूटेंगी। जब समाज संपन्न होगा तब हर जाति एक दूसरे के साथ मिलकर खड़ी हो जाएगी। अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा पर कटाक्ष किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना में विकास परियोजनाओं की दी सौगात

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना में चुनावी बिगुल फूंक दिया है। रविवार 1 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महबूबनगर में 13500 करोड रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं के आधारशिला रखी है। इस दौरान उन्होंने एक रैली को भी संबोधित किया है। इस रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इन परियोजनाओं से युवाओं के लिए विकास के नए अवसर खुलेंगे। वही व्यापार को भी बड़े स्तर पर बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि देशभर में त्योहारों का मौसम शुरू हो गया है। राज्य में शुरू की गई विकास परियोजनाएं बिजनेस को भी बेहद बढ़ावा देगी। देश के कई अहम कॉरिडोर तेलंगाना से होकर ही निकलेंगे।

गोदरेज भाई की तेलंगाना में अगली कुछ महीनो में विधानसभा चुनाव होने हैं। अपनी तेलंगाना यात्रा से पहले शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक पर प्रधानमंत्री ने कहा था कि तेलंगाना के लोग बीआरएस के कमजोर शासन से थक चुके हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा था कि कांग्रेस के प्रति भी जनता को विश्वास है। साथ ही उन्होंने बताया था कि 1 अक्टूबर को महबूबनगर में तेलंगाना इकाई की रैली को वह संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री ने नागपुर-विजयवाड़ा आर्थिक गलियारे से संबंधित महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी, भारतमाला परियोजना के तहत विकसित हैदराबाद-विशाखापत्तनम गलियारे से संबंधित सड़क परियोजना का लोकार्पण किया, प्रमुख तेल और गैस पाइपलाइन परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित की और साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हैदराबाद (काचीगुडा)-रायचूर ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रधानमंत्री ने जिन प्रमुख सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी, उनमें 108 किलोमीटर लंबा वारंगल से राष्ट्रीय राजमार्ग-163जी के खम्मम खंड तक फोर लेन एक्सेस नियंत्रित ग्रीनफील्ड राजमार्ग और 90 किमी लंबा

फोर लेन एक्सेस नियंत्रित ग्रीनफील्ड राजमार्ग शामिल हैं। इन सड़क परियोजनाओं को कुल लगभग 6400 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा। परियोजनाओं से वारंगल और खम्मम के बीच यात्रा की दूरी लगभग 14 किलोमीटर और खम्मम तथा विजयवाड़ा के बीच लगभग 27 किलोमीटर कम हो जाएगी।

प्रधानमंत्री ने एनएच-365बीबी पर सूर्यापेट से खम्मम के बीच चार लेन वाले 59 किमी लंबे खंड को भी राष्ट्र को समर्पित किया। यह परियोजना लगभग 2,460 करोड़ रुपये की लागत से बनायी गयी है और यह हैदराबाद-विशाखापत्तनम कॉरिडोर का एक हिस्सा है। इसे भारतमाला परियोजना के तहत विकसित किया गया है। यह खम्मम जिले और आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी भी प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री ने 37 किलोमीटर लंबी जक्लेर-कृष्णा नई रेलवे लाइन का भी लोकार्पण किया। उन्होंने कृष्णा स्टेशन से हैदराबाद (काचीगुडा)-रायचूर-हैदराबाद (काचीगुडा) के बीच पहली ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह ट्रेन सेवा तेलंगाना के हैदराबाद, रंगारेड्डी, महबूबनगर, नारायणपेट जिलों को कर्नाटक के रायचूर जिले से जोड़ेगी। मोदी ने इस दौरान हसन-चेरलापल्ली एलपीजी पाइपलाइन परियोजना को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने कृष्णापट्टनम से हैदराबाद (मलकापुर) तक भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की बहु-उत्पादक पेट्रोलियम पाइपलाइन की आधारशिला भी रखी। प्रधानमंत्री ने हैदराबाद विश्वविद्यालय के पांच नये भवन, यानी स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स, गणित एवं सांख्यिकी विद्यालय, प्रबंधन अध्ययन स्कूल, व्याख्यान कक्ष परिसर-तृतीय और सरोजिनी नायडू स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड कम्युनिकेशन (एनेक्सी) का भी उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री आज राजस्थान और मध्यप्रदेश के कई परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार, 2 अक्टूबर को राजस्थान और मध्य प्रदेश का दौरा करेंगे। इस दौरान, वह दोनों राज्यों में कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा कि मोदी राजस्थान में लगभग 7,000 करोड़ रुपये और मध्य प्रदेश में लगभग 19,260 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ की अपनी यात्रा के दौरान वह मेहसाणा-बठिंडा-गुरदासपुर गैस पाइपलाइन का उद्घाटन करेंगे, जिसे 4,500 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। प्रधानमंत्री आबू रोड में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के एलपीजी संयंत्र का भी उद्घाटन करेंगे। यह संयंत्र प्रति वर्ष 86 लाख सिलेंडर वितरित करेगा। इससे कार्बन उत्सर्जन में प्रति वर्ष लगभग 0.5 मिलियन टन कटौती करने में मदद मिलेगी। अन्य परियोजनाओं में, मोदी दराह-झालावाड़-तीनधार खंड पर एनएच-12 (नया एनएच-52) पर चार लेन की सड़क का उद्घाटन करेंगे, जिसे 1,480 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है। बयान में कहा गया है कि इससे कोटा और झालावाड़ जिलों में परिवहन को आसान बनाने में मदद मिलेगी।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर बताया हिन्दू होने का मतलब

निर्बल की रक्षा का कर्तव्य ही एक हिंदू का धर्म है : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हिंदू धर्म और हिंदू होने के सार पर विचार करते हुए बताया कि कैसे हिंदू धर्म किसी का नहीं है और फिर भी जो कोई भी इसे अपनाना चाहता है उसे स्वीकार करता है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने हिंदू धर्म को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली है। उन्होंने एक्स पर सत्यम् शिवम् सुंदरम् नाम से डेढ़ पेज का एक लेख शेयर किया है, जिसमें उन्होंने हिंदू होने का मतलब बताया है। लेख में लिखा है कि हिंदू वही है, जिस व्यक्ति में अपने भय की तह में जाकर इस महासागर को सत्यनिष्ठा से देखने का साहस है।

रविवार को राहुल गांधी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी पोस्ट पर लिखा, सत्यम् शिवम् सुंदरम, एक हिंदू अपने अस्तित्व में समस्त चराचर को करुणा और गरिमा के साथ उदारतापूर्वक आत्मसात करता है, क्योंकि वह जानता है कि जीवनरूपी इस महासागर में हम सब डूब-उतर रहे हैं। निर्बल की रक्षा का कर्तव्य ही उसका धर्म है।

कांग्रेस नेता ने एक लेख में लिखा, एक हिंदू को जिज्ञासा की गहरी भावना प्रदान की जाती है, जो यह सुनिश्चित करती है कि वह कभी भी समझने के लिए अपना दिमाग बंद न करे। एक हिंदू विनम्र होता है और विशाल महासागर में तैरने वाले किसी भी प्राणी की बात सुनने और सीखने के लिए हमेशा तैयार रहता है... वह सभी जीवित प्राणियों से प्यार करती हैं और स्वीकार करती हैं कि उनमें से प्रत्येक को समुद्र में नेविगेट करने और समझने के लिए अपना रास्ता चुनने का अधिकार है।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर राहुल गांधी ने आर्टिकल का पेज शेयर किया है। इसमें वे लिखते हैं कि कल्पना कीजिए, जिंदगी प्रेम और उल्लास का भूख और भय का एक महासागर है और हम सब उसमें तैर रहे हैं। इसकी खूबसूरत और भयावह शक्तिशाली सतत परिवर्तनशील लहरों के बीचोंबीच हम जीने का प्रयत्न करते हैं। इस महासागर में जहां

प्रेम, उल्लास और अथाह आनंद है, वही भय है। मृत्यु का भय, भूख का भय, दुखों का भय... इस महासागर में सामूहिक और निरंतर यात्रा का नाम जीवन है जिसकी भयावह गहराइयों में हम सब तैरते हैं। भयावह इसलिए, क्योंकि इस महासागर से आज तक न तो कई बच पाया है और नही बच पाएगा।

अपने लेख के अंत में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लिखा है कि हिंदू सभी प्राणियों से प्रेम करता है। वह जानता है कि इस महासागर में तैरने के सबके अपने-अपने रास्ते और तरीके हैं। सबको अपनी राह पर चलने का अधिकार है। वह सभी रास्तों से प्रेम करता है, सबका आदर करता है और उनकी उपस्थिति को बिल्कुल अपना मानकर स्वीकार करता है। उनके इस लेख में हिंदू शब्द का जिक्र है जो बार-बार किया गया है। राहुल गांधी आगे लिखते हैं कि जिस व्यक्ति में अपने भय की तह में जाकर इस महासागर को सत्यनिष्ठा से देखते हैं साहस है- वहीं हिंदू है।

राहुल गांधी की इस पोस्ट पर एक्स यूजर्स ने जमकर प्रतिक्रियाएं दी हैं। एक यूजर ने लिखा, समाज के कमजोर वर्गों की देखभाल करना हिंदू का कर्तव्य है। एक यूजर ने राहुल गांधी को चुनावी हिंदू बताया। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, हिंदुत्व की इससे अच्छी व्याख्या हो ही नहीं सकती। एक यूजर ने लिखा, पहले हंसी आती थी, अब तरस आता है इन पर।

खेल
प्रमुख समाचार

अदिति गोल्फ में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला

हांगझोऊ। भारत की स्टार महिला गोल्फर अदिति अशोक ने एशियाई खेलों में इतिहास रच दिया। उन्होंने रविवार (एक अक्तूबर) को रजत पदक पर कब्जा किया। अदिति एशियाई खेलों के इतिहास में कोई भी पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। टूर्नामेंट के इस संस्करण में गोल्फ में भारत का यह पदक है। वह स्वर्ण जीतने से जरूर चूक गईं, लेकिन उन्होंने अपने नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज करा ली।

अदिति महिला गोल्फ स्पर्धा के आखिरी दिन रविवार को अपनी लय बरकरार नहीं रखी सकीं और 73 का निराशाजनक कार्ड खेलकर रजत पदक अपने नाम किया। अदिति के पास तीसरे दौर के बाद तालिका में शीर्ष पर सात शॉट की बड़ी बढ़त थी। उन्होंने एक बर्डी के मुकाबले चार बोगी और एक डबल बोगी कर के इस बढ़त को गंवा दिया और दूसरे स्थान पर खिसक गईं। अदिति स्वर्ण पदक से चूक गईं लेकिन दो बार की इस ओलंपिक खिलाड़ी ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। वह टोक्यो ओलंपिक में भी मामूली अंतर से पिछड़ कर चौथे स्थान पर रही थीं।यह गोल्फ में भारत का चौथा व्यक्तिगत पदक था। लक्ष्मण सिंह और शिव कपूर ने 1982 और 2002 सत्र में स्वर्ण पदक जीता था जबकि राजीव मेहता ने नई दिल्ली (1982) में रजत पदक जीता था। लक्ष्मण, राजीव, ऋषि नारायण और अमित लूथरा की भारतीय टीम ने 1982 में टीम स्वर्ण पदक जीता था। भारत ने दोहा और ग्वांगझू में 2006 और 2010 सत्र में टीम स्पर्धा का रजत पदक हासिल किया था। 25 साल की अदिति का कुल स्कोर 17 अंडर 271 रहा। थाईलैंड की अर्पिचया युबोल ने सप्ताह का सर्वश्रेष्ठ 64 का कार्ड खेल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कोरिया की ह्युनजो यू ने भी 65 का शानदार कार्ड खेलकर कांस्य पदक जीता।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

आरबीआई इस बार भी रेपो रेट में नहीं करेगा कोई बदलाव

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस सप्ताह के अंत में पेश होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रख सकता है। इसका मतलब है कि खुदरा और कॉरपोरेट कर्जदारों के लिए ब्याज दरें स्थिर रह सकती हैं। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर रिजर्व बैंक ने मई, 2022 में नीतिगत दर बढ़ाना शुरू किया था और इस साल फरवरी में यह 6.5 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। इसके बाद से लगातार पिछली तीन द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठकों में नीतिगत दर को स्थिर रखा गया। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति की तीन दिन की बैठक चार अक्टूबर को शुरू होगी। बैठक के नतीजों की घोषणा शुक्रवार (छह अक्टूबर) को होगी।

एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ी

नईदिल्ली। अक्टूबर महीने के पहले दिन आम आदमी की जेब पर जोरदार झटका लगा है। एक अक्टूबर 2023 से एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ चुके हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में इजाफा कर दिया है। अब 19 किलोग्राम वाला सिलेंडर 209 रुपये अधिक में आपको मिलेगा। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के फैसले के बाद रविवार से ही कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर महंगा हो चुका है। जो खबर सामने आई है उसके अनुसार, 209 रुपये की बढ़ोतरी के बाद राजधानी दिल्ली में एक अक्टूबर से 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 1,731।50 रुपये में आपको मिलेगा। गौर हो कि इससे पहले कंपनियों द्वारा बीते एक सितंबर से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 157 रुपये की कटौती करने का काम किया था।

महिंद्रा एंड महिंद्रा की सितंबर में 17% बढ़कर 75,604 यूनिट पर

नईदिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की सितंबर में कुल वाहन बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 75,604 यूनिट रही। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बयान में कहा कि यात्री वाहन बिक्री सितंबर, 2023 में 20 प्रतिशत बढ़कर 41,267 यूनिट रही, जो पिछले साल सितंबर में 34,508 यूनिट थी। महिंद्रा एंड महिंद्रा की पिछले महीने कारों और वैन की बिक्री शून्य थी, हालांकि, सितंबर, 2022 में उसने इस श्रेणी में 246 वाहन बेचे थे। महिंद्रा एंड महिंद्रा के वाहन सेगमेंट के अध्यक्ष विजय नाकरा ने कहा, जहां हमारे प्रमुख एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) ब्रांड की मांग मजबूत बनी हुई है, वहीं हम त्योहारी सीजन की मजबूत मांग को पूरा करने के लिए सेमीकंडक्टर और चुनिंदा कलपुर्जों की उपलब्धता पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि उसका कुल निर्यात पिछले महीने पांच प्रतिशत घटकर 2,419 यूनिट रह गया, जो सितंबर 2022 में 2,538 इकाई था।

एफपीआई ने सितंबर में भारतीय शेयर बाजारों से 14,767 करोड़ रुपये निकाले

नईदिल्ली। डॉलर में मजबूती, अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) सितंबर में भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे हैं। लगातार छह माह तक लिवाली के बाद एफपीआई ने सितंबर में भारतीय शेयर बाजारों से 14,767 करोड़ रुपये की निकासी की है। क्रेविंग अल्फा के प्रबंधक-स्मॉलकेस और प्रमुख भागीदार मयंक मेहरा ने कहा, 'आगे चलकर भारतीय बाजारों में एफपीआई का प्रवाह अनिश्चित रहेगा। काफी हद तक यह भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन, रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा और कंपनियों के सितंबर तिमाही के नतीजों पर निर्भर करेगा।' विदेशी पोर्टफोलियो निवेशको ने सितंबर में शुद्ध रूप से 14,767 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं।

एसबीआई ने बचत की जो रिपोर्ट दी है उसे समझे बिना टिप्पणी गलत है

प्रह्लाद सबनानी

किसी भी देश के लिए शुद्ध वित्तीय बचत की दर अधिक होना अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा मापदंड माना जाता है क्योंकि वित्तीय बचत की राशि अंततः पूंजी निर्माण करते हुए देश के आर्थिक विकास को गति देने में मुख्य भूमिका निभाती है। बचत दरअसल दो प्रकार की होती है, एक, वित्तीय बचत एवं द्वितीय, भौतिक आस्तियों के रूप में की गई बचत। भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि भारत के परिवारों में हाल ही के समय में वित्तीय बचत की दर कुछ कम होकर परिवारों द्वारा भौतिक आस्तियों के रूप में की गई बचत में अतुलनीय वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है।

भारत में परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत जो केंद्र एवं राज्य सरकारों एवं गैर वित्तीय संस्थानों के लिए आय का मुख्य साधन है, वित्तीय वर्ष 2022-23 में गिरकर सकल घरेलू उत्पाद का 5.1 प्रतिशत रह गई है। यह बचत दर वित्तीय वर्ष 2020-21 में 11.5 प्रतिशत एवं कोरोना महामारी खंडकाल के पूर्व वित्तीय वर्ष 2019-20 में 7.6 प्रतिशत थी। ऐसा कहा जा रहा है कि परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत दर पिछले 50 वर्षों के खंडकाल में सबसे कम दर है। परंतु, यह तथ्य सही नहीं है, क्योंकि परिवारों की बचत दर को वित्तीय बचत एवं भौतिक आस्तियों की रूप में की गई बचत को मिलाकर देखा जाना चाहिए। वित्तीय बचत दर किसी वित्तीय वर्ष में कम इसलिए हो सकती है, क्योंकि परिवारों द्वारा उस वर्ष में भौतिक आस्तियों के रूप में अधिक मात्रा में बचत की गई हो।

कोरोना महामारी के चलते एक तो कई परिवारों की आय में कमी दर्ज हुई एवं कई

परिवारों को तो बैंकों से ऋण लेकर अपने परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति करनी पड़ी थी। कोरोना महामारी खंडकाल के दौरान वित्तीय वर्ष 2019-20 में भारतीय परिवारों का ऋण, सकल घरेलू उत्पाद का 40.7 प्रतिशत था, जो जून 2023 में घटकर 36.5 प्रतिशत रह गया है। इस प्रकार कोरोना महामारी के बाद के खंडकाल में भारतीय परिवारों द्वारा बैंकों से लिए गए ऋण की किश्तें भी समय पर चुकाई गई हैं जिससे वित्तीय बचत की वृद्धि दर पर विपरीत असर पड़ा है। वैसे भी, भारतीय परिवार बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण लेने में हिचकते हैं। जबकि अन्य देशों के नागरिक बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों से ऋण लेने में बिलकुल नहीं हिचकते हैं जैसे चीन के परिवारों पर सकल घरेलू उत्पाद का 62 प्रतिशत ऋण है। दूसरे, कोरोना महामारी के खंडकाल के दौरान भारत में जमाराशि पर ब्याज की दरें भी बहुत कम थीं जिसके कारण भारतीय परिवार वित्तीय बचत न करते हुए किसी तरह अपने दैनंदिन खर्चों की पूर्ति कर पा रहे थे। साथ ही, कोरोना महामारी के तुरंत बाद के खंडकाल में जब देश में आर्थिक स्थिति तेजी से सुधारने लगी एवं जब बैंकों से प्राप्त की जा रही ऋणराशि पर ब्याज की दर बहुत कम थी तब कई परिवारों द्वारा बैंकों से ऋण प्राप्त कर इस राशि का उपयोग मकान का निर्माण करने पर, बच्चों की शिक्षा पर एवं वाहन खरीदने पर खर्च किया जाने लगा। यह तर्क वित्तीय क्षेत्र के बचत एवं बैंकों के ऋण सम्बंधी आंकड़ों से भी सिद्ध होता है। इस दौरान बैंकों की वित्तीय देयताओं में 8.2 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज हुई है (इसमें परिवारों द्वारा व्यावसायिक बैंकों से उधर ली गई 7.1 लाख करोड़ रुपए की ऋणराशि भी शामिल है), जो शुद्ध वित्तीय बचत की राशि 6.7 लाख करोड़ रुपए से कहीं अधिक है। इस कारण से शुद्ध वित्तीय बचत की राशि में 1.5 लाख करोड़ रुपए की राशि से कमी दर्ज हुई है, जो सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत है। जबकि इस दौरान बीमा, प्रॉविडेंट एवं पेंशन फंड में 4.1 लाख करोड़ रुपए की राशि की वृद्धि भी दर्ज हुई है। परिवारों द्वारा बैंकों से ली गई उक्त वर्णित ऋणराशि में से 55 प्रतिशत राशि भौतिक आस्तियों जैसे मकान निर्माण एवं वाहन आदि खरीदने हेतु उपयोग किया गया है। वित्तीय वर्ष 2012 में भारतीय परिवारों की कुल बचत में भौतिक आस्तियों के रूप में की गई बचत का हिस्सा 66 प्रतिशत था जो वित्तीय वर्ष 2021 में घटकर 48 प्रतिशत रह गया था।

एक या दो अक्टूबर को जारी हो सकती है भाजपा की दूसरी सूची

कहा जा रहा है कि 2023 के छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट एक या दो अक्टूबर को जारी हो सकती है। एक अक्टूबर को भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक प्रस्तावित है। इस बैठक में छत्तीसगढ़ के प्रत्याशियों पर मुहर लगा दिया जाएगा। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 30 सितंबर को बिलासपुर में आयोजित सभा के कारण छत्तीसगढ़ की सूची को मध्यप्रदेश के साथ जारी नहीं किया गया। कहते हैं कि दूसरी सूची में चौंकाने वाले नाम होंगे। दूसरी लिस्ट में 2018 में हारे हुए सीटों के लिए प्रत्याशियों की घोषणा की संभावना है। खबर है कि केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह को सरगुजा इलाके की किसी सीट से लड़ाया जा सकता है। दूसरी सूची में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडे , लता उसेंडी,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विक्रम उसेंडी, विष्णुदेव साय, सांसद गोमती साय, प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप, ओपी चौधरी के नाम हो सकते हैं। बस्तर के कोंटा, बीजापुर समेत कुछ सीटों में नए चेहरे को उतारे जाने की खबर आ रही है।

कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची चुनाव घोषणा के बाद ही

कहा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों की घोषणा चुनाव की तारीख आने के बाद ही होगी। प्रत्याशियों के नामों को लेकर बड़े नेताओं के बीच प्रारंभिक चर्चा हो चुकी है, लेकिन अभी तक लिस्ट केंद्रीय चुनाव समिति के पास पहुंची नहीं है। केंद्रीय चुनाव समिति की मुहर के बाद ही प्रत्याशियों के नामों की घोषणा होगी। माना जा रहा है कि कांग्रेस ने दिग्गजों और मंत्रियों को फिर से उम्मीदवार बनाए जाने के बारे में सिद्धांत: सहमति बना ली है, लेकिन कुछ मंत्रियों के सीट बदलने और पुराने विधायकों को लेकर अंतर्कलह के चलते पेंच फंसा है। इसके अलावा कुछ विधायकों की टिकट कटने की भी खबर आ रही है। इसके कारण भी प्रत्याशी तय करने में देरी की सूचना है।

कही-सुनी

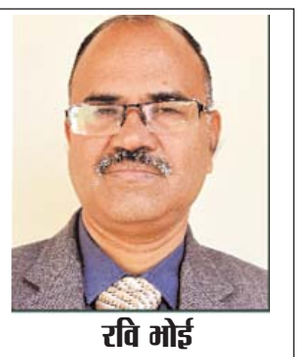

रवि भोई

सुर्ख़ियों में सीबीआई डायरेक्टर की यात्रा

पीएससी भर्ती में गड़बड़ी की जांच सीबीआई से कराने की मांग के बीच छुट्टी के दिन सीबीआई के डायरेक्टर प्रवीण सूद का रायपुर आना चर्चा का विषय बन गया है। लोग कानाफूसी करने लगे हैं कि सीबीआई डायरेक्टर जाँच की तैयारियों के सिलसिले में आए थे। हाईकोर्ट के निर्देश पर पीएससी भर्ती में गड़बड़ी की जांच का जिम्मा मिलता है, तो सीबीआई एक्शन में आए। 2021और 2022 में पीएससी भर्ती में गड़बड़ी और भाई-भतीजावाद को लेकर भाजपा के नेता लगातार सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। भाजपा नेता और विधायक ननकीराम कंवर इस मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट गए हैं। अब तक की कार्यवाही से लगता है इस मामले में हाईकोर्ट सख्त है। सरकार ने पीएससी मामले की जांच कर अपनी रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश करने की बात की है, लेकिन कहीं दांव उल्टा पड़ गया तो इस मामले में सीबीआई की इंट्री हो सकती है। वैसे तो छत्तीसगढ़ में सीबीआई की इंट्री प्रतिबंधित है। भूपेश बघेल सरकार ने 2019 से राज्य में सीबीआई के आने पर रोक लगा रखी है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के निर्देश पर सीबीआई आ सकती है। अब देखते हैं क्या होता है ?

कुछ कलेक्टर आईटी के निशाने पर

चर्चा है कि छत्तीसगढ़ के कुछ कलेक्टर आयकर विभाग के निशाने पर हैं। कहा जा रहा है कि बड़े जिलों में पदस्थ रहे और वर्तमान में तैनात कलेक्टरों पर आयकर विभाग की पैनी नजर है। माना जा रहा है कि अक्टूबर के पहले हफ्ते में आयकर विभाग अपने काम को अंजाम दे सकता है। कहते हैं डीएमएफ के चलते कलेक्टर्स आयकर विभाग की नजरों में आ गए हैं। पहले भी आयकर विभाग डीएमएफ के चलते कुछ कलेक्टरों को तलब कर हिसाब-किताब ले चुका है। खबर है कि आयकर विभाग का छत्तीसगढ़ के एक पड़ोसी राज्य का आफिस इस काम में लगा है।

क्रिकेट प्रेमी आईजी

कहते हैं छत्तीसगढ़ के एक आईजी साहब को क्रिकेट का बड़ा शौक है। ये काम से ज्यादा क्रिकेट को प्रेम करते हैं और जब चाहे क्रिकेट खेलने में मशगूल हो जाते हैं। इनके क्रिकेट प्रेम की आजकल बड़ी चर्चा है, क्योंकि इनके इलाके में लगातार बड़ी घटनाएं हो रही हैं, पर आईजी साहब घटनाओं की चिंता छोड़कर बैट-बाल में ही हाथ आजमाते लोगों को दिख जाते हैं। कभी आईजी साहब के पास बड़ा एरिया हुआ करता था, आजकल उन्हें छोटे से इलाके में बांध कर रख दिया गया है। अब आसमान से जमीन पर उतरने से चाल तो बदलेगी ही।

हाईकमान के संकेत से नेताजी को झटका

कहते हैं भाजपा के एक बड़े नेता 2023 के विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए अपने इलाके में जबर्दस्त तरीके से वॉल पेंटिंग करवा रहे थे , लेकिन पिछले कुछ दिनों से वॉल पेंटिंग बंद करवा दिया है, साथ में राजनीतिक गतिविधियां भी कम कर दी है। नेताजी अपने इलाके से कई बार विधायक रह चुके हैं और पार्टी उन पर लगातार भरोसा करती रही है। चर्चा है कि इस बार हाईकमान ने उन्हें उम्मीदवार नहीं बनाने का संकेत दे दिया है। माना जा रहा है कि इस कारण उन्होंने अपना चुनावी अभियान रोक दिया है। कहा जा रहा है चुनाव लड़ने की इच्छा से नेताजी ने पिछले दिनों एक घटना को लेकर रातभर धरना भी दिया था, लेकिन हाईकमान ने उन्हें झटका दे दिया।

केशकाल प्रत्याशी के खिलाफ शिकायतों का पुलिंदा

कहते हैं आईएएस की नौकरी छोड़कर भाजपा में आए नीलकंठ टेकाम के खिलाफ़ केशकाल और कोंडागांव के पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कार्यालय में लंबी-चौड़ी शिकायत की है। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने नीलकंठ टेकाम को केशकाल विधानसभा क्षेत्र से पार्टी का उम्मीदवार बनाए जाने का ऐलान किया है, हालांकि अभी उनके नाम पर केंद्रीय चुनाव समिति ने मुहर नहीं लगाई है। चर्चा है कि केशकाल और कोंडागांव के पार्टी कार्यकर्ताओं ने नीलकंठ टेकाम को उम्मीदवार बनाए जाने का विरोध किया है। खबर है कि करीब 150 पन्नों के शिकायती पत्र में कई आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में चेतावनी दी गई है कि नीलकंठ टेकाम को प्रत्याशी बनाया गया तो भानुप्रतापपुर उपचुनाव जैसा परिणाम आएगा।

टिकट से पहले ही विरोध

भाजपा ने अभी अपने प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी को रायगढ़ विधानसभा से उम्मीदवार बनाया नहीं है और उनका विरोध शुरू हो गया है। कहते हैं ओपी चौधरी के खिलाफ वहां व्यापारी समुदाय के लोग लामबंद हो गए हैं। भाजपा ने पिछले तीन-चार बार से वहां किसी न किसी अग्रवाल प्रत्याशी को लड़ाया। अब ओबीसी नेता और पूर्व आईएएस चौधरी को प्रत्याशी बनाए जाने के संकेत ने व्यापारी समुदाय को झकझोर दिया है। माना जा रहा है कि रायगढ़ विधानसभा से ओपी चौधरी को टिकट मिलने पर अग्रवाल समाज से कोई व्यक्ति निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ेगा। हालांकि अभी ओपी चौधरी के समाज के व्यक्ति ही रायगढ़ से कांग्रेस के विधायक हैं। भाजपा ने 2018 में ओपी चौधरी को खरसिया विधानसभा से प्रत्याशी बनाया था। इस बार पार्टी ने वहां से एक साहू को उम्मीदवार घोषित कर दिया है, इसको लेकर भी पार्टी कार्यकर्ताओं में नाराजगी है।

कलेक्टर -एसपी के ट्रांसफर की खबर

कहा जा रहा है कि आचार सहिंता लगने से पहले सरकार कुछ कलेक्टर -एसपी का ट्रांसफर कर सकती है। माना जा रहा है मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद कभी भी आचार सहिंता लग सकती है। कहते हैं कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन चार अक्टूबर को होना है। इस कारण संभावना व्यक्त की जा रही है कि इसी हफ्ते कलेक्टर -एसपी की ट्रांसफर लिस्ट आ सकती है। कलेक्टरों के ट्रांसफर तो बीच-बीच में होते रहे हैं, लेकिन एसपी के ट्रांसफर काफी दिन से पेंडिंग है। कई आईपीएस अलग-अलग जिलों में कई साल से एसपी के पद में हैं। अब देखते हैं कितने कलेक्टर-एसपी प्रभावित होते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक हैं।)

आज निकलेगी 90 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस भरोसा यात्रा, सभी नेता करेंगे क्षेत्रों में नेतृत्व

रायपुर। कांग्रेस अपने चुनाव अभियान के अगले चरण में प्रदेश के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में एक दिन की कांग्रेस भरोसा यात्रा निकाल रही है। यह यात्रा 90 विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग निकलेगी। हर विधानसभा क्षेत्रों में यात्रा पूरी विधानसभा क्षेत्र में 20 से 30 कि.मी. का सफर तय करेगी, अंतिम पड़ाव में सभा होगी। यात्रा के दौरान कांग्रेस के कार्यकर्ता कांग्रेस सरकार की

उपलब्धियों, योजनाओं के पाम्पलेट वितरित करेंगे। साथ ही केंद्र सरकार की नाकामियों तथा 15 सालों के रमन सरकार के कुशासन को भी प्रचारित किया जायेगा। यात्रा में मोटरसाइकिल रैली, भरोसा रथ के माध्यम से होगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पाटन, प्रभारी कुमारी सेलजा, उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव सरगुजा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत सक्ती, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज बस्तर में होंगे शामिल। सभी मंत्री, विधायक, सांसद गण अपने-अपने क्षेत्रों में यात्रा में शामिल होंगे।

पीएससी की गड़बड़ियों को लेकर शिकायत मिलने पर कार्रवाई की बात कह बघेल फिर झूठ परोस रहे: चौधरी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा है कि पीएससी की गड़बड़ियों को लेकर शिकायत मिलने पर कार्रवाई करने की बात कहकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल फिर झूठ परोस रहे हैं और प्रदेश को गुमराह कर रहे हैं। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएससी मामले में जाँच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की गारंटी के बाद मुख्यमंत्री बघेल विचलित हो चले हैं और अब फिर शिकायत नहीं मिलने की बात कर रहे हैं। श्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल को लगातार झूठ बोलने की इतनी बुरी लत

लग चुकी है कि अब वह कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं से भी झूठ बोलने में जरा भी नहीं हिचकिचा रहे हैं। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री चौधरी ने कहा कि छात्रों ने भूपेश बघेल के राज में छत्तीसगढ़ के पीएससी घोटाले की पोल उनके नेता राहुल गांधी के सामने खोल कर रख दी लेकिन अपने पापों पर परदा डालते मुख्यमंत्री बघेल झूठ का ढोल पीटने से बाज नहीं आये कि उन्हें कोई शिकायत नहीं मिली, जबकि सत्य यह है कि उनके निवास कार्यालय में लिखित शिकायत देकर पीएससी घोटाले की सारी जानकारी दी गई थी

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर उन्हें नमन किया है। महात्मा गांधी के देश के लिए अमूल्य योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा है कि महात्मा गांधी ने भारत में स्वाधीनता आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने सत्य, प्रेम और अहिंसा का मार्ग अपनाकर पूरे विश्व के सामने मिसाल कायम की। उन्होंने देश में जिस ग्राम स्वराज की कल्पना की थी, छत्तीसगढ़ सरकार उसे पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ में सुराजी गांव योजना शुरू कर नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी को नये रूप में विकसित किया जा रहा है। इस योजना के तहत बने गौठान अब आजीविका केन्द्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। गोधन न्याय योजना के माध्यम से पशुपालकों और ग्रामीणों से गोबर और गोमूत्र खरीदा जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया आधार मिला है। श्री बघेल ने कहा कि गांधी जी ने सबकी अच्छी सेहत के लिए कई प्रयोग किए इसलिए हमने सार्वभौम स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिता दी है।

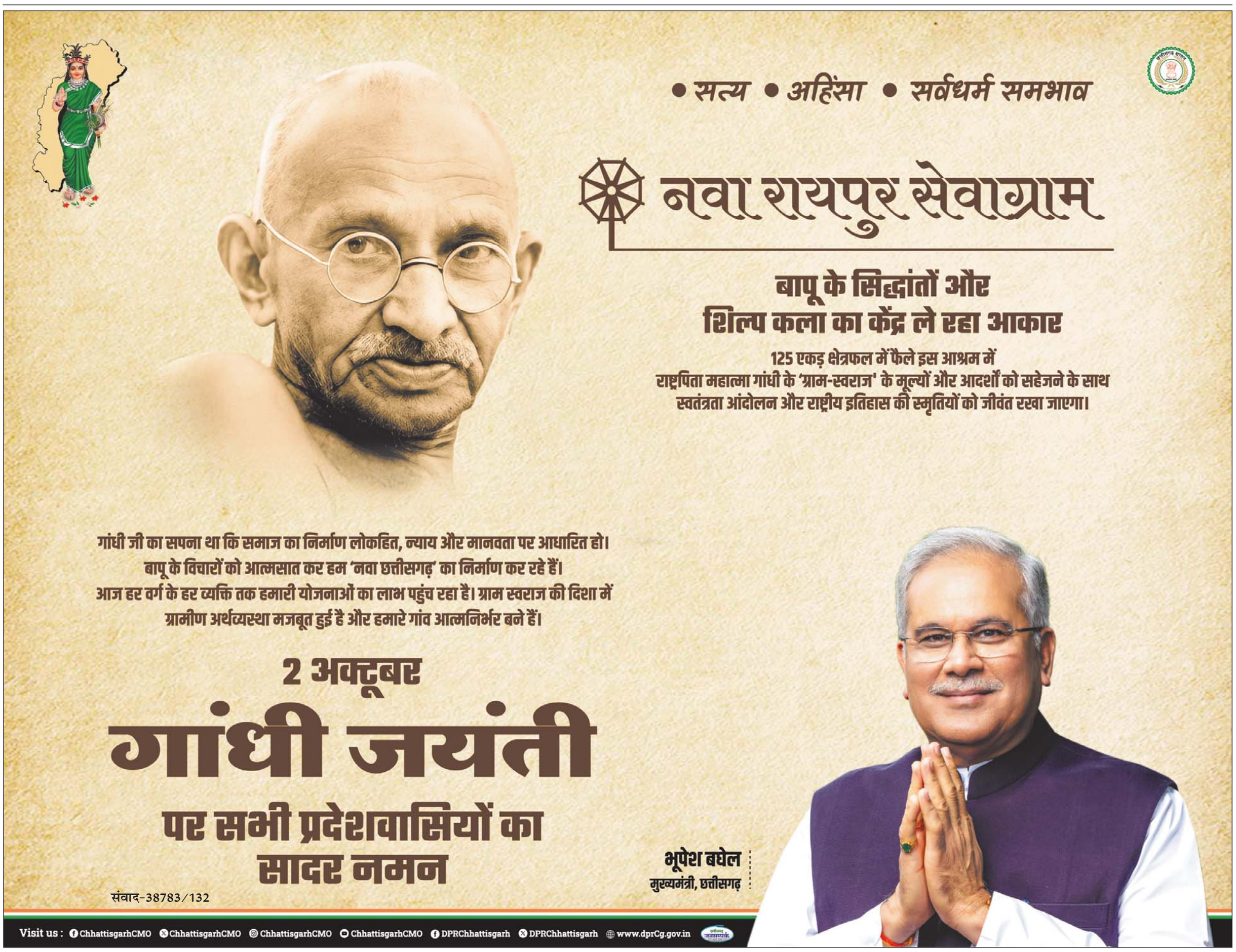

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.